रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, बुधवार 29 मई 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 06 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 50

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	44.4	28.9
जमशेदपुर	37.6	268
डालटनगंज	47.5	28.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश एक्सक्लूसिव

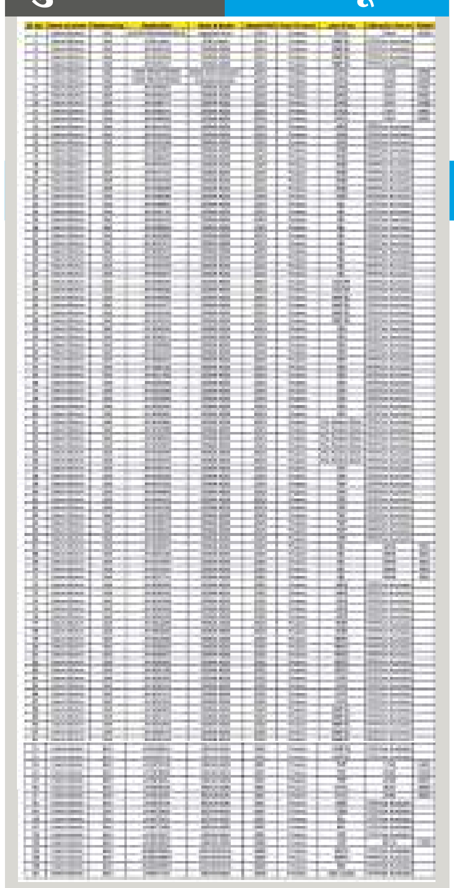

हाइवा खरीदने का पूरा लेखा-जोखा है ये.

आलमगीर के करीबी हाकिम के नाम 2020 में थे 5 हाइवा व जेसीबी, अब 107

विनीत उपाध्याय/सौरभ सिंह। रांची

टेंडर कमीशनखोरी के मामले में झारखंड सरकार के मंत्री आलमगीर आलम को रिमांड पर लेकर ईडी के अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं. मंगलवार को विभाग के पूर्व सचिव आइएएस मनीष रंजन से भी पूछताछ हो रही है. इस बीच आलमगीर के करीबी हाकिम के बारे में सनसनीखेज जानकारी सामने आया है. हाकिम, जिसके पास वर्ष 2020 में पांच हाइवा हुआ करता था, आज की तारीख में उसके नाम से 107 हाइवा व जेसीबी है. वर्ष 2020 वही साल है, जब आलमगीर आलम का ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री होने का सफर शुरू हुआ था. हाकिम की तरक्की इतनी तेजी से कैसे हुई, यह समझना ज्यादा मुश्किल काम नहीं है. इन गाड़ियों की अनुमानित कीमत करीब 100 करोड़ है. हाकिम ने सभी वाहनों की रजिस्ट्रेशन पाकुड़ से ही कराया है. हाकिम के नाम से गाड़ियां होने के दस्तावेज लगातार न्यूज नेटवर्क के पास उपलब्ध हैं.

जानकारी के मुताबिक हाकिम ने 107 वाहनों को खरीदने के लिए अलग-अलग बैंकों से लोन लिया है. जिन बैंकों से हाकिम ने लोन लिया है, उनमें एसबीआइ, सीआईएफसीएल, एमएमएफएसएल, एक्सिस बैंक, एचडीबी, आईबीएल, कोटक, फेडरल, टीएमएफ, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई और टाटा कैपिटल बैंक शामिल है. बताया जाता है कि हाकिम की सारी गाड़ियां सरकारी कांट्रैक्ट के काम में लगते हैं. ठेकेदारों की मजाल नहीं की, वो हाकिम को छोड़ किसी दूसरे की गाड़ी का इस्तेमाल कर सके.

बताया जाता है कि हाकिम भले ही पाकुड़ का रहने वाला है, लेकिन पिछले चार सालों से उसका अधिकांश वक्त रांची में ही गुजरता रहा है. सप्ताह में तीन-चार दिन वह रांची में ही रहता था और मंत्री आलमगीर आलम के आसपास होता था.

उल्लेखनीय है कि मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल के करीबी जहांगीर आलम के आवास में छापामारी कर ईडी ने 35 करोड़ रुपए जब्त किए थे. इस मामले में ईडी ने संजीव लाल व जहांगीर को गिरफ्तार किया था. जिसके बाद ईडी ने पूछताछ के लिए मंत्री आलमगीर आलम को बुलाया था. दो दिन तक चली पूछताछ के ईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था. वह अभी ईडी की रिमांड पर हैं.

हाकिम ने कब कितने वाहन खरीदे

वर्ष	वाहनों की संख्या
2020	05 वाहन
2021	10 हाइवा
2022	36 हाइवा व जेसीबी
2023	61 हाइवा व जेसीबी
2024	05 हाइवा

ईडी का दावा- मंत्री से अधिकारी तक लेते थे टेंडर में कमीशन

ईडी ने कोर्ट में खुलासा किया था कि ग्रामीण विकास विभाग के टेंडर में अधिकारी से लेकर मंत्री तक कमीशन लेते थे. ज्ञात हो कि आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल और उसके निजी सहायक जहांगीर आलम के घर पर छापेमारी में ईडी को नोटों के ढेर मिले थे, जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया था.

कमीशनखोरी मामले में गिरफ्तार हो चुके हैं मंत्री आलमगीर

टेंडर कमीशनखोरी मामले में ईडी अब तक विभाग के मंत्री आलमगीर आलम, संजीव लाल, जहांगीर आलम, मुख्य अभियंता बीरेंद्र राम, सीए मुकेश मित्तल सहित अन्य लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है. ईडी ने दो दिनों तक पूछताछ करने के बाद आलमगीर आलम को गिरफ्तार किया था. ग्रामीण विकास विभाग से जुड़े कई लोगों की गिरफ्तारी के बाद ईडी के हाथ कई सबूत लगे हैं, जिससे लगातार नये-नये खुलासे हो रहे हैं. कमीशनखोरी में मनीष रंजन का नाम भी है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,300
चांदी (किलो)	96,000

ब्रीफ खबरें

लिख कर दे रहा मोदी पीएम नहीं होंगे: राहुल

वाराणसी (उप्र)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि काशी के लोगों एक बात नोट करके रख लीजिए. नरेंद्र मोदी जी 4 जून के बाद देश के प्रधानमंत्री नहीं बनने जा रहे. इस लिए इस चुनाव में आप लोग मोदी की जगह अजय राय को वाराणसी से जिता कर अपना सांसद बनायें. उन्होंने सत्तारूढ़ भाजपा पर दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों का आरक्षण खत्म करने का इरादा रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि इंडिया अलायंस सत्ता में आया, तो आरक्षण की सीमा को 50 प्रतिशत से आगे बढ़ाया जाएगा.

मिजोरम में बारिश का कहर, ढहने से 17 मरे

आइजोल। मिजोरम के आइजोल जिले में रेमल चक्रवात के प्रभाव से हो रही मूसलाधार बारिश के बीच मंगलवार को पत्थर की खदान ढहने से दो नाबालिग समेत कम के कम 17 लोगों की मौत हो गई जबकि छह-सात अन्य लोग लापता हो गए. उधर, असम में भी रेमल के प्रकोप से चलीं तेज हवाओं और भारी बारिश ने भारी नुकसान पहुंचाया, जिससे दो लोगों की मौत हो गयी और 17 घायल हो गये. -पेज 12 भी देखें

हत्या के मामले में डेरा प्रमुख राम रहीम को बरी

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह और चार अन्य को डेरे के पूर्व प्रबंधक रंजीत सिंह की 2002 में हुई हत्या के मामले में मंगलवार को बरी कर दिया. -पेज 12 भी देखें

स्पेन सरकार फलस्तीन राष्ट्र को मान्यता देगी

मैड्रिड। यूरोपीय संघ के इजराइल के साथ बढ़ते मतभेद के बीच स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा है कि उनके देश का मंत्रिमंडल जल्द ही बैठक करके फलस्तीन राष्ट्र को मान्यता देगा.

दुमका में पीएम मोदी का ऐलान

4 जून के बाद भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई और तेज होगी

प्रमुख संवाददाता। रांची/दुमका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि चार जून के बाद भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई और तेज होगी. झामुमो, कंग्रेस और आरजेडी वाले चाहते हैं कि मोदी को हटा दो ताकि ये फिर से घोटाला कर सकें. जेमम‌एम और कांग्रेस हर तरह से झारखंड को लूट रहे हैं. यहां कि चर्चा नोटों के पहाड़ के लिए हो रही है. कहीं 19 करोड़, कहीं 35 करोड़ तो कहीं 300 करोड़. मैने इतने नोट कभी आंखों के सामने देखा नहीं है. ये पैसा कहां से आ रहा है शराब के घोटाले से, टेंडर घोटले से, खनन घोटाले से. सिर्फ साहिबगंज में 1000 करोड़ के खनन घोटाले का पता लगा है. इन लोगों ने जमीन हड़पने के लिए अपने माता-पिता का नाम बदल दिया. वे मंगलवार को दुमका में जनसभा में बोल रहे थे.

उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि इन्होंने आदिवासियों का जमीन हड़प लिया. सेना की जमीन को लूटा. आपको झारखंड को इन लोगों से मुक्ति दिलानी होगी. जेएमएम वालों ने आपकी थाली का राशन लूट लिया है इनको शर्म नहीं आई. जल जीवन मिशन के तरह मैंने हर घर में पानी पहुंचाने का काम किया. इन्होंने उसमें भी भ्रष्टाचार किया. मैं राशन भेजता हूं तो उसे काले बाजार में बेचा जाता है. कार्रवाई नहीं होती है. क्योंकि सबको पता है जेएमएम लूट में फंसा है. गरीब का अन्न, गरीब का पानी मोदी किसी को छीनने नहीं देगा.

दलित, वंचित आदिवासियों के लिए समर्पित है भाजपा : पीएम ने कहा, भाजपा दलित, आदिवासियों के लिए समर्पित है. आदिवासी कल्याण के लिए चार गुना बजट बढ़ाया. 400 से ज्यादा एकलव्य आवासीय विद्यालय बना रहे हैं. खनिज का पैसा आपके बच्चों के लिए खर्च हो हमने इसके लिए कानून बनाया. हमारी सरकार जनजातीय गौरव दिवस मनाती है.

इन्होंने बीजेपी की योजनाओं को विरोध किया. इंडिया जमात ने आदिवासी समाज की बेटी को राष्ट्रपति चुनाव हरवाने के लिए सारी ताकत झोंक दी थी. इंडिया के लिए सिर्फ अपना वोट बैंक जरूरी है. जहां जहां ये लोग आए वहां वहां आदिवासियों की जीवन खतरे में पड़ गई.

बोले पीएम

- नोटों के पहाड़ के लिए हो रही है झारखंड की चर्चा
- जमीन हड़पने के लिए माता-पिता का नाम बदल दिया
- सरकार बनने के बाद मैं 3 करोड़ और मकान बनाऊंगा
- आदिवासियों को निशाना बनाने वालों को पाल रहा है झामुमो
- इंडिया वालों सुन लो, जितना कीचड़ उछालोगे उतना कमल खिलेगा

मोदी के आने से पहले होते थे रोज-रोज घोटाले

2014 में मोदी के आने से पहले रोज-रोज घोटाले होते थे. हमने गरीबों का जीवन बदला है. जो काम 10 साल में हुआ, अब अगले 5 साल में उसे आगे बढ़ाना है. अगले 5 साल में 3 करोड़ माताओं-बहनों को लखपति दीदी बनाने का संकल्प है. 4 जून के बाद नई सरकार बनेगी, सरकार बनते ही 3 करोड़ और मकान बनाऊंगा. बिजली का बिल ना देना पड़े इसलिए सोलर पैनल लगेंगे, जिससे बिजली का बिल जीरो होगा.

लव जिहाद शब्द झारखंड से निकला

पीएम मोदी ने लव जिहाद और शुक्रवार को छुट्टी पर कहा, मुझे हमारे साथी बता रहे थे कि लव जिहाद शब्द सबसे पहले झारखंड में आया. झारखंड वालों ने यह शब्द दिया है. अब देखिए हमारे देश में रविवार को छुट्टी होती है, कभी अंग्रेज जब यहां राज करते थे, तो ईसाई समाज हॉली डे मनाता है, तभी से रविवार को छुट्टी वाली परंपरा शुरू हुई. रविवार हिंदुओं से नहीं ईसाई समाज से जुड़ा हुआ है. 200-300 साल से यह चल रहा है. उन्होंने एक जिले में रविवार की छुट्टी पर ताले लगवा दिए और बोले अब शुक्रवार को छुट्टी होगी. दरअसल, साल 2022 में झारखंड के कुछ सरकारी स्कूलों में रविवार की जगह शुक्रवार को छुट्टी होने लगी थी. ऐसा बताया गया कि स्थानीय लोगों के दबाव के चलते स्कूलों ने यह फैसला लिया था.

जब तक मोदी जिंदा है नहीं छिनने देगा आरक्षण

इंडिया गठबंधन के लोग तुष्टीकरण करते हैं, आतंकियों का साथ रहे है. हम विरोध करते हैं तो हमपर मुस्लिम-हिंदू करने का आरोप लगता है. संविधान ने जो आरक्षण दिया है उसकी रक्षा करने के लिए मोदी जान लगा देगा. जब तक मोदी जिंदा है आप का आरक्षण छिनने नहीं देगा. इनको लगता है मैं डर जाऊंगा. इंडिया वालों सुन लो तुम जितना कीचड़ उछालोगे उतना कमल खिलेगा.

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मोदी से पूछा तीखा सवाल

पीएम साफ करें सरना कोड लागू करने पर अपना रुख

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने झारखंड में पीएम नरेंद्र मोदी से राज्य के आदिवासी समुदाय की सरना धर्म कोड को मान्यता देने से जुड़ी मांग का मुद्दा उठाया है. कहा, प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि आदिवासियों की इस मांग पर उनका क्या रुख है. पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे के एक बयान को लेकर उन पर प्रहार किया, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि अगर चोरों और डकैतों को भी भाजपा से टिकट मिलता है, तो उनका समर्थन होना चाहिए. रमेश ने सवाल किया, गोड्डा से भाजपा प्रत्याशी लोगों से भाजपा से टिकट पाने वाले चोरों और डकैतों को वोट देने की अपील क्यों कर रहे हैं? सरना कोड पर उन्होंने कहा, वर्षों से सरना मानने वाले आदिवासी अपनी विशिष्ट धार्मिक पहचान को मान्यता दिए जाने की मांग कर रहे हैं. लेकिन जनगणना के लिए धर्म के कॉलम से अन्य विकल्प को हटाने का हालिया निर्णय सरना अनुयायियों के लिए दुविधा पैदा करता है. या तो उन्हें अब कॉलम को खाली छोड़ना होगा या उसमें दिए गए धर्मों में से किसी एक के साथ ख़ुद को जोड़ कर बताना होगा.

गोड्डा के किसानों को कब मिलेगा जमीन का मुआवजा

रमेश ने कहा, जून 2015 में, अडानी समूह ने गोड्डा के 10 गांवों में बिजली संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की. तत्कालीन भाजपा सरकार की मदद से, किसानों से 1255 एकड़ भूमि का अधिग्रहण हुआ था. ज़मीन अधिग्रहीत किए जाने के कई साल बाद भी उन्हें मुआवजे के पूर्ण भुगतान का इंतज़ार है. उन्होंने किसी का नाम लिए बिना सवाल किया, क्या पीएम स्पष्ट करेंगे कि वह न्याय की लड़ाई में गोड्डा के किसानों के साथ खड़े हैं या क्या उनके लिए अपने मित्र और फाइनेंसर के प्रति उनकी वफादारी अधिक महत्वपूर्ण है?

आईएएस मनीष रंजन से ईडी ने की 8 घंटे पूछताछ

आलमगीर को सामने बैठा कर पूछे गये कई सवाल

संवाददाता। रांची

आईएएस मनीष रंजन ईडी के अफसरों ने करीब आठ घंटे तक पूछताछ की. इस दौरान रंजन से उनका बयान लिया गया. कई सवालों का मनीष रंजन ने जवाब दिया और कई सवालों पर चुप रह गये. इससे पहले मंगलवार को आईएएस मनीष रंजन दिन के 1130 बजे ईडी ऑफिस पहुंचे थे. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक ईडी ने मंत्री आलमगीर आलम को सामने बिठा कर मनीष रंजन से पूछताछ की.

बता दें कि टेंडर घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी आलमगीर उनके पीएस संजीव लाल और जहांगीर से हुई पूछताछ में वरीय आईएएस मनीष रंजन की बड़ी भूमिका सामने आई है. पहले समन पर पेश नहीं होने के बाद ईडी ने 25 मई को मनीष रंजन को दूसरा समन भेज कर 28 मई को पूछताछ करने के लिए बुलाया था. पुख्ता जानकारी के मुताबिक, टेंडर घोटाले से जुड़े इस मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में मनीष रंजन की भूमिका भी काफी अहम है. इतना ही नहीं अब तक की जांच में इस घोटाले में

कई प्रभावशाली लोगो की भी भूमिका सामने आ रही है. टेंडर कमीशनखोरी मामले में ईडी अब तक विभाग के मंत्री आलमगीर, संजीव, जहांगीर, मुख्य अभियंता बीरेंद्र राम, मुकेश मित्तल सहित कई अन्य को गिरफ्तार कर चुकी है. विभाग से जुड़े कई लोगों की गिरफ्तारी के बाद ईडी के हाथ कई सबूत लगे हैं, जिससे नये-नये खुलासे हो रहे हैं. खुलासा हुआ है कि एक एक्सेल शीट में कथित तौर पर कमीशनखोरी का हिसाब रखा जाता था, जिसमें मनीष रंजन का नाम भी था. उसी के आधार पर मनीष रंजन को पूछताछ के लिए बुलाया गया था.

लोस चुनाव के बीच तेजस्वी यादव का बड़ा बयान

इंतजार कीजिए! 4 जून को चाचा जी लेंगे कोई बड़ा फैसला

संवाददाता। पटना

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और राजद के नेता तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार को लेकर बड़ा दावा किया है. तेजस्वी ने कहा कि उनके चाचा यानी सीएम नीतीश 4 जून के बाद कोई भी बड़ा फैसला ले सकते हैं. नीतीश अपनी पार्टी बचाने और पिछड़ों की राजनीति के लिए कोई भी कदम उठा सकतेहैं. तेजस्वी के इस बयान के बाद बिहार में सियासी हलचल तेज हो गई है. तेजस्वी यादव ने पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान मंगलवार को यह दावा किया. तेजस्वी से पत्रकारों ने पूछा कि क्या नीतीश उनके साथ आएंगे. इस पर उन्होंने जवाब दिया कि 4 जून तक इंतजार कीजिए. जब सीएम नीतीश कुमार कोई बड़ा फैसला लेंगे, तब देखेंगे.चाचा नीतीश 4 जून को बड़ा ऐलान करने जा रहे हैं. बता दें कि इससे पहले तेजस्वी यादव ने कहा था कि

नीतीश जी ने जो गुण हमें सिखाया है. उसी पर हम काम कर रहे हैं. उनका आशीर्वाद मेरे ऊपर है. उन्हीं के अनुसार हम काम कर रहे हैं. उन्होंने कहा था कि भाजपा 2014 में आई थी और 2024 में जाएगी. यह नीतीश जी भी चाहते थे और उनकी यह इच्छा भी पूरी होगी. तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है, तो 15 अगस्त को आजादी के दिन एक करोड़ युवाओं को नौकरी देने का काम उनकी सरकार करेगी. इस दौरान उन्होंने लोगों से इंडिया गठबंधन को जिताने की अपील की.

झारखंड में नई पहल **अब सरकारी स्कूलों के गुरुजी भी होंगे अपग्रेड, देनी होगी परीक्षा**

मास्टर साहब हुए फेल, तो फिर देना होगा एक्जाम

रवि भारती। रांची

सरकारी स्कूलों में क्वालिटी ऑफ एजुकेशन देने की कवायद राज्य सरकार ने शुरू की है. इसके लिए राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक की अध्यक्षता में हुई बैठक में विस्तृत कार्ययोजना बनाई गई है. इसके तहत के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को परीक्षा देनी होगी. परीक्षा में पास करना भी अनिवार्य होगा. कार्ययोजना के मुताबिक टीएनए के तहत जितने बिंदुओं पर आकलन हुआ है, उस पर ऑनलाइन टेस्ट कराया जाना है. इसमें शिक्षक को पास करना अनिवार्य है.

प्रश्नों के आधार पर पर टीएनए टेस्ट लिया जाना है. उसका 10 प्रश्न सेट तैयार करना है. 100 शिक्षक का जे-गुरुजी से असेसमेंट करना है. जो पास नहीं करेंगे, उन्हें पुनः परीक्षा देना होगा. 10 से 20 प्रश्नों का एक सेट तैयार कर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है. चार श्रेणी का चार प्रश्न-पत्र सेट तैयार करना है. 10 जून को एक टेस्ट किया जाना है, जिसके लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी.

करना होगा समावेशी शिक्षा से संबंधित मॉडल का निर्माण

प्राइमरी शिक्षक के प्रशिक्षण शुरू होने के पूर्व समावेशी शिक्षा से संबंधित मॉडल का निर्माण कर 6 जून को इससे राज्य परियोजना निदेशक को दिखाना होगा. मेंटली डिसेबल बच्चों का प्रमाणपत्र रिनपास से बनवाने के लिए संबंधित पदाधिकारी से बात कर आगे का कार्रवाई करनी होगी. विद्या समीक्षा केंद्र के लिए तैयार एसओपी का अवलोकन कर अंतिम रूप देते हुए विभागीय सचिव से अनुमोदन लेना होगा.

भरे जाएंगे रिसोर्स शिक्षक के पद

रिसोर्स शिक्षक के रिक्त पद भरने का निर्देश दिया गया है. रोस्टर का पत्र जिलों को भेजे जाएंगे. इसके बाद स्कूलों को भी पत्र तैयार कर रिक्त पदों की लिस्ट जिलों द्वारा दी जानी है. सभी रिक्त पदों की सूची परियोजना निदेशक को देंगे. सभी जिले डीसी और डीडीसी के साथ बैठक कर उनकी फोटो एवं निर्णय के बिंदुओं पर पीपीटी तैयार करेंगे. राज्य परियोजना निदेशक के स्तर से समय का निर्धारण कर 10 रिसोर्स केंद्र को वीडियो कॉल कर दिखाना अनिवार्य होगा.

ऐसी है कार्ययोजना

- जे-गुरुजी के लिए सर्वर के लिए सचिव के स्तर से विभाग को पत्र देने के लिए आवश्यक कार्रवाई किया जाना है.
- **ई-विद्यावाहिनी में आउटसोर्स कर्मी के मानदेय का भुगतान होना है. इसके लिए प्रशासन से पत्र निर्गत किया जाना है.**
- शत-प्रतिशत टैंजिशन एवं जीरो ड्रॉप आउट के लिए प्रदत प्रपत्र में आंकड़ों के संग्रहण-समेकन के लिए जिलों एवं प्रखंड के साथ बैठक कर आंकड़ों का समेकन किया जाए.
- **बीआरपी-सीआरपी द्वारा विद्यालयों में किए जा रहे अनुश्रवण का प्रतिवेदन नियमित रुप से देखा जाना है.**
- वैसे बीआरपी-सीआरपी की पहचान चिन्हित की जाए, जो स्कूल में अनुश्रवण नहीं करते, पर कार्रवाई की जानी है.
- बीआरपी- सीआरपी रांची, देवघर की मैपिंग दिखानी है.
- कम स्कूलो में विजिट करनेवाले बीआरपी-सीआरपी को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्यवाही करनी है.

हेमंत सोरेन की जमानत अर्जी पर हाईकोर्ट में सुनवाई

कोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर मंगलवार को ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया.

सोरेन ने सोमवार को हाईकोर्ट के समक्ष याचिका दाखिल कर मामले में शीघ्र सुनवाई करने का अनुरोध किया था. सोरेन ने दलील दी कि बरियातू इलाके में 8.5 एकड़ जमीन के किसी भी दस्तावेज में उनका नाम नहीं है और उनके खिलाफ धन शोधन निवारण एक्ट के तहत कोई अपराध नहीं बनता है. उन्होंने यह भी दावा किया कि ईडी केवल कुछ बयानों पर भरोसा कर रही है, जिन्होंने कहा था कि भूमि उनकी है, लेकिन इसके समर्थन में कोई दस्तावेज नहीं था. जस्टिस मुखोपाध्याय की कोर्ट ने 10 जून से पहले ईडी को शपथ पत्र के माध्यम से जवाब दाखिल करने को कहा है. कोर्ट मामले की सुनवाई 10 जून को करेगा. सोरेन की ओर से वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने बहस की. यह जानकारी सुनवाई में मौजूद वकील अधिवक्ता धीरज कुमार ने दी.

- वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने की पैरवी
- मामले में अगली सुनवाई 10 जून को होगी

राजनीतिक साजिश के शिकार हुए सोरेन

न्यायमूर्ति रोंगोन मुखोपाध्याय की पीठ के समक्ष सोरेन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी कि झामुमो के नेता हेमंत सोरेन राजनीतिक साजिश का शिकार हुए हैं.सोरेन की तरफ से सिब्बल ने दलील दी कि जमीन का मालिक राजकुमार पाहन नाम का व्यक्ति है, जिसने बरियातू के बार्गेन सर्कल अधिकारी के कार्यालय में शिकायत की थी कि उसकी जमीन पर कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है. याचिका में कहा गया है कि पाहन ने कहीं भी हेमंत सोरेन के नाम का उल्लेख नहीं किया था, फिर भी ईडी ने दावा किया कि जमीन उनके (सोरेन के) कब्जे में थी.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय बहुत ही अच्छा है. प्रसन्नता तथा उत्साह से ओत-प्रोत रहेंगे. पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा. चोट-रोग व चोरी-विवाद से बचें. यात्रा लंबी तथा मनोरंजक रह सकती है. अप्रत्याशित लाभ के योग हैं.

वृषभ लेन-देन में जल्दबाजी व लापरवाही न करें. भावनाओं को वश में रखें. मन की बात किसी को न बतलाएं. प्रतिष्ठा में कमी हो सकती है. जल्दबाजी से चोट लग सकती है. कुसंगति से बचें. कोई अप्रत्याशित खर्च सामने आएगा.

मिथुन शिक्षा में लाभ होगा और व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. प्रमाद न करें. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी. दिन का इंजॉय करें.

कर्क शुभ समाचार प्राप्त होंगे. घर में अतिथियों का आगमन होगा. व्यय बढ़ेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. कोई बड़ा काम करने तथा यात्रा पर जाने का मन बनेगा. आय बनी रहेगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी.

सिंह आय के लिए आप प्रयासरत हैं. इसका लाभ मिलेगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. कारोबारी कामकाज चलते रहेंगे. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सुख के साधन जुटेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी.

कन्या समय बहुत अच्छा नहीं है. पुराने रोग को नजरअंदाज न करें. व्यय होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी. शत्रु पीठ पीछे षड्यंत्र रच सकते हैं. प्रियजनों के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है.

तुला सृजनशीलता का विकास होगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. व्यापार-व्यवसाय सुखद रहेगा. जल्दबाजी न करें. शारीरिक कष्ट संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. संतान संबंधी बुरी सूचना प्राप्त हो सकती है.

वृश्चिक पार्टनर तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. बातचीत में संयम रखें. हनुमानजी को सिंदूर का चोला अर्पण करें.

धनु जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. शत्रुभय रहेगा. नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा.

मकर लाभ के अवसर हाथ आएंगे. जीवनसाथी की चिंता रहेगी. घर में सुख-शांति बनी रहेगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. विवेक से कार्य करें, लाभ होगा. किसी धार्मिक स्थल के दर्शन का कार्यक्रम बन सकता है. मित्रों से भेंट होगी.

कुंभ नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है. थकान व कमजोरी रह सकती है. विरोधी सक्रिय रहेंगे. ऐश्वर्यादि पर खर्च होगा. यश बढ़ेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नए काम मिल सकते हैं. आर्थिक वृद्धि के लिए योजना बनेगी.

मीन दूसरों के मामलों में हाथ न डालें. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के व्यवहार से क्लेश होगा. आय होगी. जोखिम न उठाएं. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें. अनहोनी की आशंका निर्मूल नहीं हो सकती है.

महुआटांड़, रामपुर व दीपाटोली में अबुआ आवास योजना आवंटन में नियमों की हुई अनदेखी, कई मामले सामने आए

अबुआ आवास योजना में बड़ा खेल, संपन्न परिवार भी उठा रहे योजना का लाभ

संवाददाता। रांची/लातेहार

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अबुआ आवास योजना में भी बड़ा खेल हो रहा है. महुआटांड़ में अबुआ आवास योजना आवंटन में धड़ल्ले से नियमों की अनदेखी की जा रही है. बताते चलें कि वित्तीय वर्ष 2023 24 में दो लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें जिलों को दूसरी किस्त भी भेज दी गई है. कच्चे आवास में रह रहे लोगों के लिए राज्य सरकार ने अबुआ आवास योजना की शुरुआत की थी.

कई चौंकाने वाले तथ्य आए हैं सामने : महिला सामाजिक कार्यकर्ता अफसाना खातून ने सूचना के अधिकार से मिले दस्तावेजों का सत्यापन जब आवास लाभुकों की वास्तविक स्थिति से किया, तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने उजागर हुए हैं. आठ सदस्यीय सत्यापन समिति, जिसमें नरेगा सहायता केंद्र की अफसाना खातून, प्रशांत किंडो, जल सहिया कुंती देवी, महिला स्वयं सहायता समूह की सक्रिय दीदी सरस्वती देवी, वार्ड सदस्य दोलोरोसा मिंज, रीना देवी, अनूप कुमार एवं महुआडाड़ ग्राम पंचायत की उप मुखिया चंद्रमणि देवी शामिल हैं, इन सभी ने स्थल पर जाकर जांच की है. ग्राम प्रधान विकास उरांव ने कहा कि जिस सरकारी ग्राम सभा में इन लाभुकों की सूची तैयार की गई, उसके संबंध में उन्हें कोई जानकारी नहीं है.

ऐसे हुआ है खेल

महुआटांड़, रामपुर एवं दीपाटोली के 13 परिवारों को अबुआ आवास योजना आवंटित की गयी है, जिसमें ग्राम पंचायत के कर्मियों द्वारा सरकारी मापदंडों की धज्जियां उड़ाई गई हैं.

- महुआडांड़ की लाभुक पिंकी देवी (पति- अमित कुमार) की पंजीकृत आईडी 1310872 है. इनके परिवार में पहले से दो जगह पर तीन मंजिला पक्के मकान हैं. रामपुर चौक में उनकी किराना दुकान व होटल है. साथ ही तीसरा पक्का मकान भी है, जिसमें किराये पर सेवा सदन नामक निजी अस्पताल संचालित है.
- संगीता सिंह (पति- जितेंद्र सिंह) की पंजीकृत आईडी 1355701 है. हैरत की बात है कि ये झारखंड की निवासी हैं ही नहीं, बिहार की रहनेवाली हैं. इनके पति सीआरपीएफ जवान हैं.
- गौरी देवी (पति महेंद्र प्रसाद) की पंजीकृत आईडी 1322955 है. यह परिवार अभी अपने पक्के मकान में रह रहा है तथा महेंद्र प्रसाद झारखंड पुलिस में नौकरी करते हैं. ऐसे ही कई अन्य लाभुक हैं, जो अबुआ आवास योजना में निर्धारित मापदंडों के सर्वथा अयोग्य हैं.

अबुआ आवास योजना के लिए तय मापदंड

सरकार ने अबुआ आवास योजना के लिए वैसे परिवारों को प्राथमिकता सूची में शामिल करने के लिए मापदंड निर्धारित किए हैं. जो परिवार अब तक कच्चे घरों में रह रहे हों, आवासविहीन एवं निराश्रित परिवार, विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह के परिवार, प्राकृतिक आपदा के शिकार परिवार, कानूनी तौर पर रिहा किए गए बंधुआ मजदूर परिवार, ऐसे परिवार जिन्हें राज्य सरकार अथवा केंद्र सरकार द्वारा संचालित आवास योजना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर आवास योजना, बिरसा आवास योजना और इंदिरा आवास योजना का लाभ नहीं मिला हो, ऐसे परिवार अबुआ आवाय योजना का लाभ लेने के योग्य हैं.

क्या हो सकता है दंड

अबुआ आवास योजना का लाभ लेने लिए गलत जानकारी देने वालों को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है. भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 177, स्पष्ट कहती है कि किसी लोक सेवक या अधिकारी को झूठी जानकारी देना एक अपराध है. इस आधार पर प्रशासनिक जांच में मामले सही पाए जाते हैं, तो ऐसे फर्जी लाभुकों पर प्रशासन प्राथमिकी दर्ज करा सकेगा. साथ ही ब्याज के साथ सरकारी राशि की वसूली की जा सकेगी.

मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के क्रियान्वयन में भारी अनियमितता का आरोप

स्वास्थ्य मंत्री की भूमिका की जांच करें सीएम : सरयू राय

झारखंड आरोग्य सोसाइटी और निरूज कंपनी के बीच हुए एमओयू को रद्द करने की मांग

प्रमुख संवाददाता। रांची

निर्दलीय विधायक सरयू राय ने आयुष्मान भारत, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के क्रियान्वयन में हो रही भारी अनियमितता का आरोप लगाया है. उन्होंने सूबे के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता की भूमिका की जांच कराने की मांग मुख्यमंत्री से की है. कहा है कि इसके कारण राज्यभर के मरीजों को तो परेशानी हो ही रही है, सरकारी खजाने पर भी भारी चपत लग रही है.

सरयू राय ने कहा है कि इस अनियमितता और भ्रष्टाचार में चयनित बीमा कंपनी, बीमा कंपनी का बीमा करने वाली पुनः बीमा कंपनी और एक बिचौलिया निजी कंपनी के कारिंदे शामिल हैं. उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की पहल पर झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी और एक निजी कंपनी 'निरूज कंसलटेंट्स एलएलपी' के बीच 11 जनवरी 2024 को एक एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ. इसके अनुसार, यह परामर्शी कंपनी आयुष्मान भारत के कतिपय कार्यों के लिए निःशुल्क सहयोग प्रदान करेगी. सहमति के बिंदु व्यापक हैं, पर अस्पष्ट हैं. वहीं सोसाइटी के साथ हुए समझौते के तहत और निरूज कंपनी को सभी कार्य निःशुल्क करना है.

निःशुल्क काम करने के लिए कैसे तैयार हो गई कंपनी

सरयू राय ने सवाल उठाते हुए कहा कि आश्चर्य है कि कोई भी निजी कंपनी ऐसे पूर्णकालिक काम, जिसमें पर्याप्त मानव संसाधन एवं वित्तीय संसाधन की जरूरत होगी, नि:शुल्क काम करने के लिए कैसे तैयार हो गई है? क्या इसके पीछे कोई परोक्ष गुप्त योजना छुपी है, जो अनियमितता व भ्रष्टाचार का कारण बन रही है, जिससे सरकारी धन का अपव्यय हो रहा है. राय ने कहा है कि कहीं आयुष्मान योजना में जालसाजी करने वाले अस्पतालों को चिह्नित करने, उनपर कार्रवाई की अनुशंसा करने और फिर उन्हें क्लीन चिट देने की कार्रवाई तो नहीं चल रही है. यह जांच का विषय है.

निरूज कंपनी और बीमा कंपनियों के संबंध की जांच हो

राय ने कहा है कि जांच इसकी भी होनी चाहिए कि नि:शुल्क कार्य के लिए चयनित कंपनी निरूज का संबंध बीमा कंपनियों तथा पुन: बीमा कंपनियों के साथ क्या है? बीमा कंपनियों के साथ निरूज के संबंधों के कारण हितों का टकराव किस भांति और कितनी मात्रा में हो रहा है? सोसाइटी को अपने कार्यों के लिए ऐसी कंपनी के साथ एमओयू करने की क्या जरूरत पड़ गई ? बीमा कंपनी और सरकार के बीच प्रिमियम निर्धारण एवं भुगतान संबंधों पर इसका क्या असर पड़ रहा है? अस्पतालों में मरीजों की चिकित्सा और अस्पतालों द्वारा चिकित्सा पर हुए या हो रहे व्यय के बिल पर इसका क्या प्रभाव हो रहा है?

मापदंडों की अवहेलना पर कितने अस्पतालों पर कार्रवाई?

सरयू राय ने सरकार से पूछा है कि कितने अस्पतालों पर इस अवधि में आयुष्मान के मापदंडों की अवहेलना के लिए कार्रवाई की अनुशंसा हुई? अनुशंसा के कारण क्या थे और कितनों की पुनर्बहाली किस प्रकार कर दी गई? ईडी की जांच में सरकार द्वारा दी गई अस्पतालों की सूची में से कितने अस्पतालों को माफी दे दी गई और बिना उपयुक्त दंड के इन्हें पुन: किस प्रकार सूचीबद्ध कर दिया गया? उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि इसकी जांच कराएं और नि:शुल्क सहयोग के नाम पर निहित स्वार्थ साधने के लिए झारखंड आरोग्य सोसाइटी और निजी कंपनी निरूज के बीच हुए एमओयू को रद्द करें.

अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह की आरकेटीसी और बर्बरीक कंपनी को धमकी और कहा

पुलिस के साथ खेल कर कब तक रायपुर में रह लोगे

संवाददाता। रांची

अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने आरकेटीसी और बर्बरीक कंपनी को धमकी दी है. मयंक सिंह ने धमकी देते हुए कहा है कि ना तो गैंग में हथियार की कमी है और ना तो गैंग में शूटर की कमी है, इस बार तो बच गए, पर अगली बार खत्म. हमारी कोशिश जारी रहेगी. याद रखना 100 दिन तुम्हारी किस्मत साथ देगी तो तुम मुझसे बचोगे. मेरी किस्मत एक दिन साथ देगी, तो तुम्हारा खेल खत्म. झारखंड में काम कर रहे हैं और गैंग को नजरअंदाज करके, पुलिस के साथ मिलकर खेल करके लड़कों को जेल भेजकर रायपुर में रह लोगे. रायपुर क्या इंडिया के किसी कोने में रहोगे या कनाडा, मलेशिया, यूके. दुनिया के किसी देश में रहोगे तो वहां तक अपनी कोशिश जारी रहेगी.

बर्बरीक कंपनी के मालिक को मारने भेजा था शूटर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बर्बरीक कंपनी के मालिक की हत्या के लिए अमन साहू गैंग का अपराधी पहुंचा था. हालांकि पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार अपराधियों में बोकारो का रहने वाला रोहित स्वर्णकार के अलावा राजस्थान के पाली का रहने वाला मुकेश कुमार, देवेन्द्र सिंह और पप्पू सिंह शामिल है. वर्तमान में अमन साहू गैंग को अपराधी मयंक सिंह मलेशिया में बैठकर ऑपरेट कर रहा है. बर्बरीक कंपनी ओरमांझी से बोकारो तक भारत माला प्रोजेक्ट के तहत सड़क का निर्माण करा रहा है.

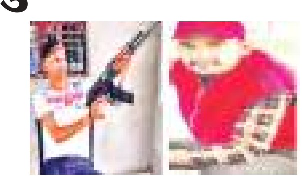

आरोपियों से पूछताछ में हुए कई बड़े खुलासे

आरोपियों ने बताया कि प्लानिंग के तहत मयंक सिंह जो झारखंड के कुख्यात अपराधी अमन साहू गैंग को संचालित करता है, उसने रोहित स्वर्णकार निवासी बोकारो झारखंड को पहले पिस्टल के लिए मध्यप्रदेश के इंदौर शहर भेजा. इंदौर के सेंधवा से अपने संपर्क के माध्यम से एक पिस्टल और एक मैग्जीन उपलब्ध कराया गया. फिर मयंक ने ही रोहित को पिस्टल लेकर रायपुर पहुंचने को कहा. मयंक सिंह द्वारा राजस्थान के जिला पाली के ग्राम सारन में बैठे पप्पू सिंह को वारदात को अंजाम देने के लिये एक बाइक राइडर की व्यवस्था करने को कहा. पप्पू ने सारण निवासी मुकेश कुमार भाट और देवेन्द्र सिंह को वारदात के वक्त बाइक चलाने के लिये रायपुर रवाना किया. रोहित स्वर्णकार इंदौर के सेंधवा से पिस्टल लेकर उज्जैन में महाकाल के दर्शन कर ट्रेन से रायपुर पहुंचा. इधर मुकेश और देवेन्द्र बस के माध्यम से रायपुर पहुंचे. प्लानिंग के मुताबिक, रायपुर पुलिस के जवान इन्हें चिन्हित करने सादे लिबास में शहर के संभावित स्थलों पर तैनात किये गये. जिसके बाद अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया.

पैसा नहीं देने पर दादा-दादी की हत्या मामले में पोता दोषी करार

रांची। अप्रैल 2021 में सरहुल पर्व मनाने के नाम पर पैसा नहीं देने पर दादा-दादी की हत्या करने के आरोपी पोते मंगलू उरांव को अदालत ने दोषी करार दिया है. पैसा नहीं मिलने पर उसने आवेश में आकर इस घटना को अंजाम दिया था. अपर न्यायायुक्त योगेश कुमार सिंह की अदालत ने दोहरे हत्याकांड की सुनवाई करते हुए मंगलू उरांव को दोषी पाया है. साथ ही सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए कोर्ट ने 31 मई की तारीख निर्धारित की है. बता दें कि बेड़ो थाना क्षेत्र के घाघरा पंचायत स्थित कैरो गांव में 22 साल के पोते मंगलू उरांव ने बूढ़े दादा मंगरा उरांव एवं दादी चरिया की हत्या 14 अप्रैल 2021 को कर दी थी. अभियुक्त ने घर में रखे दौली और हसुआ से हमला कर दादा-दादी को मौत के घाट उतार दिया था.

महावीर रूंगटा और राकेश सिंघानिया के खिलाफ आरोप गठित कर दिया

संवाददाता। रांची

मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी महावीर प्रसाद रूंगटा और राकेश सिंघानिया की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं. रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने दोनों के खिलाफ आरोप गठित कर दिया है. दोनों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की धारा 3 और 4 के तहत आरोप गठित किया गया है.

इसके बाद अब ट्रायल की प्रक्रिया शुरू होगी. महावीर प्रसाद रूंगटा रामगढ़ स्पंज आयरन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक हैं. उन पर लोह अयस्क (आयरन ओर) की तस्करी करने, फर्जी चालान और ट्रांसपोर्टेशन कर 4.33 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग करने का आरोप है. इसी मामले में मेसर्स बालाजी तिरुपति और मेसर्स एपिकल एक्सिम प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक राकेश कुमार सिंघानिया भी आरोपी है.

ईडी की चार्जशीट पर कोर्ट ने लिया था संज्ञान

दरअसल महावीर प्रसाद रूंगटा, राकेश कुमार सिंघानिया और उनकी कंपनियों के खिलाफ ईडी ने चार्जशीट दायर की थी. जिसपर कोर्ट ने संज्ञान लिया था. वर्ष 2010 में लोह आयरन की तस्करी मामले में सीबीआई ने इनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी. बाद में ईडी ने इस केस को टेकओवर कर लिया था. महावीर प्रसाद रूंगटा को हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत पूर्व में मिल चुकी है.

सीओ अनिल कुमार सिंह के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू करने का फैसला

अफसर हिंदी की परीक्षा में चोरी करते धराए, मिली निंदन की सजा

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों पर जमीन हस्तांतरण, रिश्वत, विभिन्न योजनाओं में गड़बड़ी के आरोप लगते ही रहते हैं. लेकिन राज्य सेवा एक अफसर पर एक अलग ही तरह का आरोप लगा है. राज्य सेवा के उपसमाहर्ता रैंक के अफसर सुदर्शन ठाकुर के खिलाफ विभागीय परीक्षा में चोरी करने का आरोप लगा है. इसके बाद सरकार ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की.

हिंदी की परीक्षा में कर रहे थे चोरी

सुदर्शन ठाकुर राजपत्रित पदाधिकारियों की प्रथम अर्द्धवार्षिक विभागीय परीक्षा के तहत ली गई हिंदी की परीक्षा में चोरी कर रहे थे. इस आरोप के खिलाफ सुदर्शन ठाकुर के खिलाफ आरोप पत्र गठित किया गया. इसमें कहा गया कि उप समाहर्ता द्वारा किया गया उक्त कार्य सरकारी सेवक आचार नियमावली के प्रतिकूल है.

राज्य सेवा के अफसर एके सिंह के खिलाफ चलेगी विभागीय कार्यवाही

हेहल रांची के तत्कालीन सीओ अनिल कुमार सिंह के खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्देश सीएम ने दिया है. इनके खिलाफ आदिवासी रैयतों के नाम में दर्ज भूमि को गैर आदिवासी के नाम से उत्तराधिकारी नामांतरण की स्वीकृति देने का आरोप है. साथ ही सरकारी भूमि (जयप्रभान उद्यान) की सुरक्षा नहीं कर भू-माफियाओं की मिली भगत में उक्त भूमि पर कब्जा करने में सहयोग करने का भी आरोप है. प्रथम दृष्ट्या ये सभी आरोप प्रमाणित पाए गए हैं. साथ ही अनिल कुमार सिंह को 15 दिनों के अंदर अपना बचाव पक्ष विभाग को उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया है. जांच पदाधिकारी रिटायर्ड आइएएस गणेश सिंह को बनाया गया है. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया.

सुदर्शन ठाकुर ने क्या दिया जवाब

सुदर्शन ठाकुर ने स्पष्टीकरण का जवाब देते हुए कहा कि मेरे खिलाफ लगाया गया आरोप दुर्भावना से ग्रसित होकर लगाया गया है. कहा कि जिसे नकल का पुर्जा कहा गया है, वह नकल का पूर्जा नहीं बल्कि 4 साइज का सादा कागज है जिस पर उनके द्वारा रफ कार्य किया गया है. टीवी के फुटेज और उत्तर पुस्तिका से स्पष्ट हो जाएगा. किसी प्रकार का नकल नहीं किया गया है. समीक्षा में पाया गया कि उनके द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा के उत्तर में गठित आरोपों के बिन्दुओं पर स्पष्टता के साथ तथ्य समर्पित नहीं किया गया है.

गोड्डा की जंग

लोकल सांगठनिक टसन से होना पड़ रहा है रूबरू, नामांकन में न पहुंचे बाबूलाल और न ही विधायक

निशिकांत के पुराने मित्र अभिषेक झा से किसे नफा-किसे नुकसान

कौशल आनंद। रांची

अभिषेक झा की मानें तो निशिकांत दुबे उनके पुराने मित्रों में से रहे हैं. यह बात उन्होंने कई मीडिया को दिए इंटरव्यू में खुद कबूल की है. मित्रता से भी अधिक घनिष्ठता का ही रहा. मगर अचानक दोनों के बीच दूरी बनती चली गयी. दूरी इस कदर बढ़ी कि वो खुद बतौर निर्दलीय गोड्डा से चुनाव मैदान में उतर गए. अभिषेक कितने प्रभावी होंगे, किस हद तक वे निशिकांत दुबे को नुकसान पहुंचा सकते हैं या फिर प्रदीप यादव को फायदा पहुंचा सकते हैं, यह तो चार जून को ही पता चलेगा. मैदान में आने के बाद चुनाव में अभिषेक चर्चा का विषय तो बन ही गए हैं. मगर निशिकांत दुबे जो प्रदीप यादव के बारे में दावा करते रहे कि अगर वे मैदान में आए तो मैं प्रचार नहीं करूंगा. उनका यह दावा तो औंधे मुंह गिर गया है. जमीनी सच्चाई यह है कि इस बार निशिकांत दुबे को 2014 और 2019 से अधिक मेहनत करनी पड़ रही है. क्योंकि इस बार कई विषय उनके खिलाफ जाते दिख रहे हैं.

- प्रदीप के आने के बाद प्रचार नहीं करने का दावा करने वाले निशिकांत को 2014-19 से अधिक करनी पड़ रही है मेहनत
- भाजपा को अधिक सीटों पर हुआ नुकसान तो निशिकांत इसका ठीकरा बाबूलाल पर फोड़ने की कर रखे हैं तैयारी

अकेले ही मोर्चा संभाले हुए हैं निशिकांत दुबे

निशिकांत दुबे ने अपना नामांकन 10 मई को दाखिल किया. नामांकन के समय प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, स्थानीय विधायक रंधीर सिंह, अमित कुमार मंडल आदि नेता शामिल नहीं हुए. यह चर्चा पूरे गोड्डा लोकसभा में आग की तरह फैल गयी. यह बातें भी सामने आयीं कि गोड्डा में स्थानीय स्तर पर भाजपा में सबकुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है. जबकि निशिकांत के नामांकन के दिन बाबूलाल मरांडी दुमका में ही थे. हां नामांकन के बाद एक चुनावी सभा हुई जिसमें केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए थे.

अपनी घोषणा के विपरीत कड़ी मेहतन कर रहे निशिकांत

जब प्रदीप यादव को जब कांग्रेस ने दीपिका सिंह पांडेय की जगह रिप्लेश करके उतारा, तो निशिकांत दुबे ने दावा किया कि अब चुनाव बस औपचारिकता भर रह गया है. बस प्रमाण पत्र मिलने की देर है. वे प्रदीप यादव के आने के बाद प्रचार नहीं करेंगे. मगर इसके उलट निशिकांत दूबे को कड़ी मेहतन करनी पड़ रही है. निशिकांत के साथ-साथ उनके पूरे परिवार ने अपनी-अपनी ताकत झोंक दी है.

12 सिटिंग सीटें कम हुईं, तो निशिकांत फोड़ेंगे चिट्ठी बम, मरांडी निशाने पर

गोड्डा से मिली जानकारी के अनुसार निशिकांत दुबे और प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के संबंध अच्छे नहीं चल रहे हैं. हालांकि मरांडी सांगठनिक तरीके से निशिकांत के लिए चुनावी सभाएं कर रहे हैं. मगर भीतरखाने सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है. मिली जानकारी के अनुसार अगर भाजपा की सिटिंग 12 में से कुछ सीटें घटती हैं तो निशिकांत इसका पूरा ठीकरा मरांडी पर फोड़ने की तैयारी कर रखे हैं.

निशिकांत दुबे और प्रदीप यादव के बीच चल रहा है कड़ा संघर्ष

लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा प्रत्याशी निशिकांत दुबे और कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप यादव के बीच सीधा और कड़ा संघर्ष है. पिछली बार प्रदीप यादव झाविमो की ओर से यूपीए प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़े थे. 2019 में निशिकांत दुबे को 6,37,610 लाख मत प्राप्त हुआ था वहीं प्रदीप यादव को 4,53,383 लाख मत प्राप्त हुआ था. प्रदीप यादव को 1.84 लाख मत से बड़ी शिकस्त मिली थी.

गोड्डा की छह विधानसभा में से चार पर इंडिया का कब्जा

गोड्डा में कुल छह विधानसभा क्षेत्र आते हैं. जिसमें से चार पर इंडिया गठबंधन का कब्जा है. जरमुंडी, पौड़ैयाहाट, महगामा पर कांग्रेस और मधुपुर में झामुमो का कब्जा है. जबकि दो सीटें देवघर और गोड्डा भाजपा के खाते में हैं.

क्लासिफाइड

तापमान
40.2⁰ अधिकतम | 24.4⁰ न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, बुधवार 29 मई 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 06 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 2, अंक : 50

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

राजधानी का सूरत-ए-हाल

राजधानी के प्रमुख चौराहों की स्थिति जर्जर

आकर्ष अनिकेत ।रांची

झारखंड की राजधानी रांची में सड़क व नालियों के अलावा चौक-चौराहों की भी स्थिति भी काफी खराब है. शहर के प्रमुख चौक-चौराहे जर्जर स्थिति में हैं. कहीं ईंटें उखड़ी हुई हैं, तो किसी चौक पर लगी टाइल्स टूटी हुई हैं. रांची रेलवे स्टेशन के पास स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा (सिरमटोली) चौक पर लगी टाइल्स पूरी तर तरह से टूट चुकी है और अब ईंटें भी उखड़ने लगी हैं. यहीं हाल डंगराटोली चौक का भी है. चौक पर प्लास्टर उखड़ चुका है. ईंटें भी अलग होने लगी हैं. होटल रेडिसन ब्लू के पास स्थित औवरब्रिज चौक भी जर्जर स्थिति में है.

बिन बारिश सड़क पर बह रहा नाली का पानी

रांची के डंगराटोली चौक के पास लोगों का चलना दुश्वार हो गया है. सड़क पर पानी ही पानी है. बिन बारिश सड़क पर पानी कहां से आया? इसका जवाब है- नाली से. अक्सर बारिश के समय शहर की नालियों का पानी सड़क पर बहता है, पर डंगराटोली चौक स्थित पैंटालून्स मॉल के सामने बिन बारिश नाली का पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर बह रहा है.

सड़क के बीचो-बीच मौजूद हैं बिजली के खंभे

अकसर बिजली के खंभे सड़क के किनारे लगाये जाते हैं, पर लालपुर के धोबी घाट में सड़क के बीचो-बीच बिजली का खंभा मौजूद है. धोबी घाट में रहने वाले लोगों ने बताया कि पहले खंभे सड़क के किनारे थे, कुछ साल पहले इलाके में सड़क का निर्माण फिर से किया गया. इसके बाद खंभे को हटा कर सड़क के किनारे करने के बजाय बीच सड़क पर ही खंभे को छोड़ दिया गया.

ब्रीफ खबरें

नामकुम में रेलवे ट्रैक के पास शव बरामद

रांची। जिले के नामकुम थाना क्षेत्र स्थित रेलवे लाइन के पोल संख्या 413 के पास एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ है. यह मामला मंगलवार सुबह का है. जानकारी के अनुसार, स्थानीय लोगों ने रेलवे ट्रैक के पास शव को पड़ा देखा था. जिसके बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी. सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. घटना को लेकर आशंका जतायी जा रही है कि ट्रेन की चपेट में आने से या फिर चलती ट्रेन से गिरने पर युवक की मौत हुई होगी. खबर लिखे जाने तक युवक की पहचान नहीं हो पायी थी. पुलिस शिनाख्त में जुटी थी.

राजमहल व दुमका में साय की तीन जनसभा

रांची। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय बुधवार को राजमहल के साहिबगंज जिले के बरहेट में स्थित गोपलाडीह फुटबॉल मैदान में 11 बजे जनसभा को संबोधित करेंगे. कार्यक्रम में भाजपा प्रत्याशी ताला मरांडी भी मौजूद रहेंगे. साय पाकुड़ के अमरापाड़ा स्थित पाडरकला चुड़ुक पुल फुटबॉल मैदान में एक बजे से जनसभा करेंगे.

पुंदाग रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का अस्थाई ठहराव

रांची। आनंदा नगर (पुंदाग) में आनंद मार्गी धर्म महासम्मेलन होने जा रहा है. रेलवे प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर पुंदाग रेलवे स्टेशन पर विभिन्न रूटों से रांची आने वाली 17 ट्रेनों का ठहराव दिया गया है. 29 मई से चार जून तक ये ट्रेनें एक मिनट के लिए पुंदाग रेलवे स्टेशन पर ठहरेंगी.

एयरपोर्ट रोड पौने दो घंटे तक रहा जाम, कई यात्रियों की फ्लाइटें छूटीं

सरना स्थल तोड़े जाने का भारी विरोध, सड़क जाम

पविशेष संवाददाता।रांची

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट स्थित सरना स्थल तोड़े जाने के विरोध में मंगलवार को घंटों जोरदार हंगामा हुआ. सैकड़ों की संख्या में स्थानीय आदिवासी एयरपोर्ट रोड पर पारंपरिक हरवे-हथियार के साथ पहुंच गये और नारेबाजी करते हुए रोड को जाम कर दिया. करीब पौने दो घंटे तक एयरपोर्ट रोड पूरी तरह प्रदर्शनकारियों के कब्जे में रहा.

इस दौरान एयरपोर्ट से आने और जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानी हुई. कई यात्रियों की फ्लाइट छूट गयी. सड़क जाम होने की वजह से वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गयीं. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस बल और मजिस्ट्रेट को बुलाया गया, लेकिन प्रदर्शनकारी नहीं माने.

प्रशासनिक आदेश से तोड़ा गया था सरना स्थल : बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर स्टेट हैंगर से सटे सरना स्थल के चबूतरे को रांची सदर एसडीओ के आदेश पर तोड़ा गया था. इसकी सूचना जैसे ही स्थानीय ग्रामीणों को मिली, उस स्थल पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गयी. आक्रोशित लोग सड़क पर ही बैठ गये और नारेबाजी करने लगे. घटना की सूचना पाकर केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की और कांग्रेस नेता अजय नाथ शाहदेव वहां पहुंचे. इस दौरान ग्रामीणों और प्रशासन के बीच लंबी वार्ता हुई. सरना स्थल चबूतरा बनाये जाने के आश्वासन के बाद ही ग्रामीणों ने जाम हटाया.

केंद्रीय सरना समिति और अजयनाथ शाहदेव की पहल और सरना स्थल चतूबरा बनाये जाने के आश्वासन के बाद हटा जाम

नोटिस दिये बिना बुल्डोजर कैसे चला दिया गया : अजय तिर्की

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि बिना नोटिस दिये कैसे बुल्डोजर चलाया गया. अधिकारियों को पहले सूचना देनी चाहिए थी. क्योंकि, एयरपोर्ट आदिवासियों की जमीन पर बना है. अजय तिर्की ने एसडीओ, सीओ सहित अन्य अधिकारियों से वार्ता कर सरना स्थल का सुंदरीकरण कराने की अपील की. प्रशासन ने आश्वासन दिया कि चुनाव के बाद सरना स्थल का सुंदरीकरण किया जाएगा.

सरना स्थल के साथ छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे : शिवा कच्छप

केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि एयरपोर्ट सरना स्थल पर प्रशासन द्वारा तोड़-फोड़ करना घोर निंदनीय है. किसी भी धर्म-जाति की आस्था के साथ छेड़छाड़ कतई नहीं होना चाहिए. सरना स्थल के साथ छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. समय रहते पुनः सरना स्थल को नहीं बनाया गया, तो जोरदार आंदोलन होगा. सरना स्थल था और आगे भी रहेगा.

आरोपी के सहयोगी व बार संचालक समेत 14 गये जेल

एक्सट्रीम बार डीजे बॉय हत्याकांड

संवाददाता।रांची

चुटिया थाना क्षेत्र के रेडिशन ब्लू होटल के सामने एक्स्ट्रीम बार डीजे बॉय संदीप की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. यह घटना बीती 26 मई की रात एक बजे हुई थी. इस मामले में रांची पुलिस ने सोमवार को ही मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह को गिरफ्तार कर लिया था. दूसरी तरफ मंगलवार को पुलिस ने अभिषेक को रांची से षडयंत्र के तहत भगाने के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है. वहीं अभिषेक और साथी से मारपीट करने के मामले में पुलिस ने बार संचालक विशाल सिंह समेत नौ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. पुलिस ने कुल 14 लोगों को मंगलवार को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया.

इन 14 लोगों को किया गया गिरफ्तार: अशोक कुमार सिंह, प्रतीक सिंह, अभिषेक सिंह, समीरूद्दीन, मृत्युंजय कुमार, विशाल सिंह, तूसर कांति दास, अजीत कुमार सिंह, शुभम कुमार, समीर अहमद, विशाल साहू, उदय शंकर सिंह, पंकज अग्रवाल व मनीष कुमार.

क्या है मामला : 26 मई की रात अभिषेक सिंह, शमीरउद्दीन, आयाम अनवर, प्रतीक, मृत्युंजय यादव और प्रकाश के साथ बार में गया था. इस दौरान बार के बाउंसरों और इनके बीच मारपीट हुई थी. घटना के करीब दो से ढाई घंटे बाद अभिषेक सिंह दोबारा बार में आया और उसने डीजे बॉय संदीप को गोली मार दी. तलाशी के दौरान इसके नाम से असम राज्य से निर्गत दो हथियारों का फर्जी लाइसेंस मिला है.

घटना से पहले का फुटेज आया सामने

बाउंसर ने अभिषेक को जमकर पीटा था

प्रतिशोध में मारी गोली

चुटिया थाना क्षेत्र में एक्स्ट्रीम बार के डीजे बॉय की हत्या से पहले पूरी वारदात का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है. फुटेज के अनुसार, रविवार रात 10 बजकर 30 मिनट पर बार में गाना बजाने को लेकर विवाद शुरू हुआ था. इसके बाद बार मालिक और स्टाफ ने गुंडागर्दी दिखायी थी. सभी ने मिल कर अभिषेक सिंह और उसके साथियों के साथ मारपीट की थी. बार के कर्मियों ने अभिषेक और उसके साथियों को बार के अंदर तो मारा ही, बाहर निकालने के बाद भी उसकी जमकर पिटाई कर दी.

अभिषेक ने प्रतिशोध में डीजे बॉय को मार दी गोली : अभिषेक सिंह उर्फ विक्की अपनी पिटाई के प्रतिशोध में रविवार की देर रात करीब एक बजे हथियार लेकर बार पहुंचा और डीजे संदीप प्रमाणिक के सीने में गोली मार दी. घटना के बारे में अभिषेक के साथियों ने बताया कि स्पोर्ट्स बार में विवाद के बाद उसे जबरन बाहर निकाला गया. विवाद के बाद बार के मालिक, बाउंसर और स्टाफ ने मिल कर अभिषेक और उसके एक साथी को लाठी डंडे से बेरहमी से पीटा था. उसके कपड़े तक फाड़ दिये थे. इसकी वजह से वह काफी गुस्से में था. बार से निकल कर वह हथियार लाने गया. वापस आया, तो सामने डीजे संदीप प्रमाणिक दिखा. संदीप को अभिषेक ने पहचान लिया, क्योंकि झगड़े के दौरान संदीप ने गाना बजाना बंद कर दिया था. ऐसे में अभिषेक ने डीजे संदीप को गोली मार दी.

हनी ट्रैप के शिकार हुए नेताजी! रांची से दिल्ली तक है चर्चा

संवाददाता।रांची

खबर है कि झारखंड के एक स्थापित राजनेता हनी ट्रैप के शिकार हो गए हैं. बताया जा रहा है कि वह दिल्ली में हनी ट्रैप के शिकार हुए हैं. फिलहाल पूरे मामले को मैनेज करने का खेल चल रहा है. एक तरफ जिस पार्टी के नेता हनी ट्रैप का शिकार हुए हैं, उन्हें आलाकमान से कड़े लहजे में यह हिदायत दी गई है कि मामला पब्लिक में न आए. क्योंकि इससे उनके साथ-साथ पार्टी की भी जबरदस्त फजीहत होगी.

वहीं दूसरे राजनीतिक दल के लोग दिल्ली से लेकर रांची तक एक क्लिप या फोटो की जुगाड़ में लग गए हैं, ताकि मामले को और हवा दी जा सके. सोशल मीडिया के जरिये जो जानकारी कानो कान पहुंची है. उसके मुताबिक, युवती ने राजनेता को फोटो और वीडियो दिखा कर इतना टेंशन दे दिया है कि उनका बीपी और शुगर काफी बढ़ गया है. टेंशन से फिलहाल फौरी राहत के लिए और युवती का मुंह बंद रखने के लिए कुछ इंतजाम किए गए हैं. यह कितने वक्त तक असर करेगा, यह कहना मुश्किल है. बहरहाल इस चर्चा के बाद रांची के पत्रकार, बड़े अधिकारी और सभी राजनीतिक दलों के लोग एक सुराग की तलाश में लगे हुए हैं.

जेपी नड्डा की सारठ में जनसभा व रोड शो आज

रांची। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बुधवार को सारठ के पालाजोरी के खागा बड़जोरी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के समीप स्थित मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे. सभा दिन के 12:30 बजे आयोजित है. इसके साथ ही नड्डा दिन के 2.55 बजे से देवघर जिले के त्रिलोक परिसर से वीर कुंवर सिंह चौक तक रोड शो भी करेंगे.

लोग बेहाल : मई महीने में झारखंड ने बनाया गर्मी का नया रिकॉर्ड

पलामू का पारा पहुंचा 47^0 के पार

सूर्य की तपिश

- 1978 के बाद पहली बार ऐसा तप रहा इलाका
- 28 घंटे में अचानक बढ़ गया आठ डिग्री सेल्सियस पारा

शुभम किशोर।रांची

झारखंड में भीषण गर्मी से लोगों को सता रही है. दिन में सड़कों पर वीरानगी छा गई है. लोग भीषण गर्मी से बेहाल हैं. पशु-पक्षियों की हालत बेहद खराब है. पिछले 24 घंटे में अधिकतम तापमान में 8 डिग्री तक वृद्धि दर्ज कि गई. मौसम विभाग के अनुसार गर्मी ने झारखंड में मई महीने का रिकॉर्ड तोड़ दिया है.

28 मई को पलामू (डाल्टनगंज) का तापमान 47.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जो मई महीने में डाल्टनगंज के लिए इस दशक का सर्वाधिक अधिकतम तापमान है. इससे पहले मई महीने में अधिकतम तापमान का रिकॉर्ड 47.8 डिग्री का है, जो 6 मई 1978 को दर्ज किया गया था. वहीं गढ़वा में 47.2, चाईबासा में 43.3 राजधानी रांची में रांची में 40.2 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया. पिछले 24 घंटे में राज्य में कहीं-कहीं पर आंधी के साथ हल्के दर्जे की वर्षा हुई. सबसे अधिक वर्षा 6.5 एमएम पाकुड़ में दर्ज की गयी.

अभी और सताएगी गर्मी : मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को राज्य के गढ़वा, पलामू एवं चतरा जिलों में कहीं-कहीं पर भीषण लू चलने की संभावना है. वहीं 30 मई को राज्य के पश्चिमी, दक्षिणी एवं निकटवर्ती मध्य भागों में कुछ स्थानों पर लू की स्थिति बनी रहेगी. 31 मई को राज्य के उत्तर-पश्चिमी भागो में कहीं-कहीं लू चलने की संभावना है. इस भीषण गर्मी में पूरी सावधानी बरतें.

31 मई को कई क्षेत्रों में बारिश की संभावना

31 मई को राज्य के उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं पर हल्के दर्जे की वर्षा होने के आसार हैं. इस दौरान पूर्वी भागों में कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज़ हवाओं का झोंका (गति 30-40 किमी) के साथ वज्रपात हो सकता है. वहीं 1 जून को राज्य के पूर्वी भागों में कहीं-कहीं पर हल्के दर्जे की वर्षा होने की संभावना है.

शहर का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	40.2	24.4
जमशेदपुर	37.6	26.8
डाल्टनगंज	47.5	28.9
बोकारो	40.3	26.2
चाईबासा	43.3	27.0
देवघर	40.8	25.6
गिरिडीह	40.4	23.9
गढ़वा	47.2	30.0
सरायकेला	42.2	26.5
गोड्डा	37.2	26.1

लोकल फॉल्ट के नाम पर पावर कट से लोगों की परेशानी बढ़ी

संवाददाता।रांची

गर्मी बढ़ने के साथ ही पावर कट की समस्या बढ़ गई है. भीषण और उमस भरी गर्मी में लोग अनचाहे पावर कट से परेशान हो रहे हैं. गर्मी में छोटे-छोटे लोकल फॉल्ट के मामले भी बढ़ते जा रहे हैं. इसके कारण कई क्षेत्रों में पावर कट की समस्या उत्पन्न हो रही है. ट्रांसफार्मर का लोड बढ़ने से दो दिनों से हरमू स्थित विद्यानगर के लोग बाधित बिजली आपूर्ति से परेशान हैं. सोमवार सुबह और मंगलवार रात को भी करीब 10 हजार आबादी को बाधित बिजली आपूर्ति से रूबरू होना पड़ा. बाधित बिजली के कारण लोग गर्मी से बेहाल हो गए हैं.

रांची सेंट्रल डिवीजन के सहायक विद्युत अभियंता ने जानकारी दी कि सोमवार सुबह लोड बढ़ने के कारण ट्रांसफार्मर का एमसीवी गिर गया था. शिकायत दर्ज होने पर सुबह आठ बजे इसे दुरुस्त किया गया. इसके बाद शाम में दोबारा ट्रांसफार्मर में खराबी आ गई. इसे फिर से दुरुस्त किया गया. इसी क्रम में लोड ज्यादा होने के कारण हरमू सब स्टेशन का 33 केवी लाइन का जंपर कट गया. इसकी मरम्मत को लेकर एक घंटे बिजली आपूर्ति बंद की गई.

▪ ट्रांसफार्मर का लोड बढ़ने से दो दिनों से बाधित बिजली आपूर्ति से परेशान हैं हरमू के विद्यानगर में रहनेवाले लोग

इसके बाद टेलीफोन एक्सचेंज लाइन का जंपर कट गया. इसकी मरम्मत के लिए लगातार दो बार लाइन काटनी पड़ी. इससे बड़ी आबादी को बाधित बिजली से रूबरू होना पड़ा और लोग गर्मी से बेहाल रहे. जंपर कटने से अपर बाजार, पुरानी रांची, बड़ा तालाब, हिंदपीढ़ी, हरमू सहित आसपास के इलाके प्रभावित रहे.

ब्रीफ खबरें

मानस पाठ कर भक्तों ने अर्पित की श्रद्धा

रांची। राधाकृष्ण मंदिर, कृष्णा नगर कॉलोनी में मंगलवार को श्रद्धालुओं ने सस्वर श्रीरामचरित मानस पाठ कर भक्ति की धारा बहायी. शाम चार बजे पूजा-अर्चना कर ज्योत प्रज्वलित की गयी. इसके बाद पाठ प्रारंभ हुआ. ढोल और करताल की ताल पर मानस पाठ से वातावरण गूंज उठा. रामचंद्र तलेजा ने पाठ कर भक्ति की धारा प्रवाहित की तो चंद्रभान तलेजा श्रद्धालुओं को भावार्थ समझाते रहे. अरुण कुमार जसूजा बंटा ने बताया कि पाठ सात जून तक चलेगा. समापन के मौके पर भजन-संकीर्तन के साथ वृहत रूप में भंडारा चलाया जायेगा.

एजी झारखंड ने प्रभात तारा स्कूल को हराया

रांची। हॉकी झारखंड के सहयोग से हॉकी रांची द्वारा आयोजित हॉकी रांची लीग में गुरुवार को पुरुष वर्ग में एजी झारखंड की टीम ने जीत दर्ज की. लीग स्टेज के आखिरी मुकाबले में एजी झारखंड ने प्रभात तारा धुर्वा को 5-1 से हराया. एजी झारखंड की ओर से राकेश बर्मन और मसीह डांग ने दो-दो व शीतल तिर्की ने एक गोल दागा. वहीं प्रभात तारा स्कूल से एकमात्र गोल सिलास भेंगरा ने दागा. आयोजन को सफल बनाने में हॉकी रांची के माइकल लाल, जयंत केरकेट्टा, असरिता लकड़ा, मनोज प्रधान समेत अन्य लोग शामिल थे.

सनराइजर्स ने वॉरियर्स को एक विकेट से हराया

रांची । धुर्वा स्थित शाखा मैदान में रॉकमैन प्रीमियर लीग (आरपीएल) में मंगलवार को रोमांचक मुकाबले में सनराइजर्स ने वॉरियर्स को एक विकेट से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स ने 115 रन बनाए. सुमंत ने टीम के लिए सर्वाधिक 32 व आशीष ने 20 रन बनाए. वॉरियर्स के रौशन व गौरव ने तीन-तीन विकेट चटकाए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी वॉरियर्स की टीम 20 ओवर में 114 रन ही बना सकी. टीम के लिए रोहित ने 28 व दिनेश ने 24 रन बनाए. सनराईजर्स के अविनाश ने दो और रौनक व आशीष ने एक-एक विकेट लिए. वॉरियर्स के रौशन को शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया.

मप्र के मुख्यमंत्री आज राजमहल व दुमका में

रांची। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव 29 मई को राजमहल लोकसभा में जनसभा को संबोधित करेंगे. जनसभा का आयोजन साहिबगंज जिला के राजमहल के बालू प्लांट में 11:00 से किया जाएगा. इस अवसर पर लोकसभा प्रभारी राकेश प्रसाद तथा प्रत्याशी ताला मरांडी भी मौजूद रहेंगे. मोहन यादव दुमका लोकसभा में 1:00 बजे से जनसभा को संबोधित करेंगे. जनसभा का आयोजन दुमका जिले के चोरकट्टा (केसबनी) स्थित जनजातीय उच्च विद्यालय में किया गया है. इस अवसर पर लोकसभा प्रभारी राज पलिवार तथा प्रत्याशी सीता सोरेन भी मौजूद रहेंगे.

जिला बदर अपराधी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रांची। जिला बदर हुआ अपराधी रांची में घूम रहा था. जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. खैरुद्दीन अंसारी को विधानसभा के पास से रांची पुलिस ने गिरफ्तार किया है. गौरतलब है कि बीते 19 मई को रांची डीसी ने खैरुद्दीन अंसारी समेत पांच अपराधियों को जिला बदर किया था. इसके बाद भी खैरुद्दीन पुलिस से छिप कर रांची में घूम रहा था.

जल्द मिलेगी जाम से राहत, अगस्त तक कांटाटोली फ्लाईओवर बनने की संभावना

संवाददाता। रांची

कांटाटोली फ्लाईओवर

राजधानी में बन रहे कांटाटोली फ्लाईओवर का काम लगभग पूरा हो चुका है. अनुमान लगाया जा रहा है कि फ्लाईओवर का काम अगस्त तक पूरा हो जाएगा, जिससे लोगों को जाम के झाम से राहत मिलेगी. कोकर से लेकर योगदा मठ तक 2100 मीटर के फ्लाईओवर का काम लगभग 75 प्रतिशत पूरा हो चुका है. कोकर से बहुबजार तक फ्लाईओवर में रैंप लगाये जा चुके है. अब बहुबाजार से योगदा मठ तक रैंप लगाने का काम बचा हुआ है. रैंप के साथ-साथ रेलिंग का काम भी बचा हुआ है. कार्य की प्रगति को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि फ्लाईओवर का पूरा काम अगस्त तक पूरा कर लिया जाएगा. इससे राजधानी को जाम की समस्या से काफी निजात मिल जाएगी.

सिरमटोली-मेकन फ्लाईओवर का काम भी अगस्त तक पूरा हो जाने का अनुमान

संवाददाता। रांची

सिरमटोली-मेकन फ्लाईओवर

सिरमटोली-मेकन फ्लाईओवर का काम अगस्त तक पूरा होने का अनुमान है. अब तक लगभग 65 प्रतिशत काम पूरा चुका है. निवारणपुर से पटेल चौक तक केबल स्टे ब्रिज का निर्माण लटका हुआ है, जो रांची रेलवे क्रासिंग के ऊपर होगा. रेलवे लाइन के ऊपर केबल स्टे ब्रिज बनाने में अड़चन आ गयी है. रेलवे की ओर से कुछ आपत्तियां पथ निर्माण विभाग को भेजी गयी हैं. जिसका समाधान अभी नहीं निकाला है. सिरमटोली-मेकन फ्लाईओवर का दोनों ओर का रैंप लगभग तैयार है. नेपाल हाउस की ओर जाने वाले रास्ते में भी रैंप तैयार है. वहीं मेकॉन और नेपाल हाउस की ओर से चढ़ने के लिए रैंप बनना है. ओवरब्रिज पर करीब 300 मीटर आगे तक केबल स्टे का काम करना बाकी है.

झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने नरेंद्र मोदी के आरोपों पर किया पलटवार, कहा

पीएम को अपना हिमालय से बड़ा भ्रष्टाचार का पहाड़ नहीं दिख रहा

विशेष संवाददाता। रांची/दुमका

झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने मंगलवार को दुमका में प्रेस कांफ्रेंस करके पीएम नरेंद्र मोदी के आरोपों का एक-एक करके जवाब दिया है. उन्होंने कहा कि मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुमका आए थे. उनका फोकस भ्रष्टाचार पर रहा. उन्होंने कहा कि यहां पर पहाड़ हैं बहुत अच्छे-अच्छे. मगर झारखंड जाना जाने लगा नोटों के पहाड़ से. मोदी जी आप जहां रहते हैं दिल्ली में. वहां से कश्मीर बहुत अधिक दूर नहीं है. वहां हिमालय है. हिमालय के आकार का भ्रष्टाचार आपका खुद का अपना है. आपने उसे नहीं देखा.

16 लाख करोड़ रुपए आपने उद्योगपतियों को दे दिया. उसमें आपको भ्रष्टाचार नहीं दिखा. आपने कहा कि 17 हजार करोड़ रुपए का आपने उद्योगपतियों का कर्ज माफ कर दिया, वह भ्रष्टाचार आपको नहीं दिखता है. करोड़ों की हेरा-फेरी करने वाले अजित पवार को आपने अपने साथ ले आये.

उपमुख्यमंत्री बनाया, वह भी भ्रष्टाचार आपको नहीं दिखता. 800 करोड़ के घोटाले का आरोप छगन भुजबल पर है, यह आपकी ईडी ने ही लगाया है. छापा मारा गिरफ्तार किया. ये भी मोदी जी ने नहीं बताया. आपने बहुत कुछ लुटने की बात की, लेकिन इन बातों की तरफ कभी नहीं इशारा करते.

सेना जमीन घोटाले के आरोपी को वित्त मंत्री से मिलवाते हैं बाबूलाल : सुप्रियो ने कहा कि मोदी जी ने सेना की जमीन लूटने का भी आरोप लगाया. मोदी जी को मालूम होना चाहिए कि सेना की जमीन के आरोपी को उनकी ईडी ने गिरफ्तार किया. छह महीने जेल में रखने के बाद भारत की वित्त मंत्री से मिले और मिलवाने का काम प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल जी ने किया. मरांडी की मौजदूगी में कुछ दस्तावेज भी सौंपा गया. यह मोदी जी ने नहीं देखा. मणिपुर की तस्वीरें मोदी को नहीं दिखीं. वो बच्चियां (महिला पहलवान) मोदी को नहीं दिखीं, जो बृजभूषण के खिलाफ धरना दे रही थीं.

टीडीपी के साथ ज्वाइंट घोषणा पत्र में भाजपा ने मुस्लिमों को आरक्षण का वादा किया है

सुप्रियो ने कहा कि मोदी जी आपको याद है तेलुगुदेशम नाम की एक पार्टी है, जिसने आपके साथ आंध्र प्रदेश में गठबंधन किया है. साझा घोषणा पत्र है. उसमें आपने कहा है कि चार प्रतिशत आरक्षण मुसलमानों का होगा. आपने कहा कि हर महीने मस्जिद के रखरखाव के लिए हम पांच हजार रुपए देंगे. यहां आकर धर्म की बात पर आरक्षण नहीं होने दूंगा का दावा करते हैं आप. आंध्र प्रदेश देश का अलग हिस्सा है क्या. मोदी को बताना होगा कि 2014 के पहले जब गुजरात के सीएम थे, तो 2004 में गुजरात में मुसलमानों को आरक्षण दिया जो आज भी जारी है. किसको आकर बरगला रहे हैं. आपके मुंह से क्या-क्या निकल रहा है. हर दिन मुसमलानों को लेकर आपका बयान बदल रहा है.

मार्च 2022 के बाद पीएम आवास योजना क्यों बंद कर दी मोदी जी

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि मार्च 2022 के बाद आपने पीएम आवास योजना झारखंड का क्यों बंद कर दी. जिसके कारण हमें अबुआ आवास योजना देनी पड़ रही है. हम तीन लाख का मकान और मनरेगा का रोजगार देने का काम कर रहे हैं. आपने कहा कि आप आरक्षण खत्म नहीं करेंगे. तो फिर आऊटसोर्स बहाली क्यों हो रही है. बड़ी सार्वजनिक कंपनी या तो बंद की जा रही हैं या फिर उन्हें बेच दिया जा रहा है. क्यों नहीं सरकारी नौकरी की बात कर रहे हैं. 2019 में सेना-सेना कर कह रहे थे. तो फिर अग्निवीर क्यों लाए.

सीता पर कहा, भाभी जी अभी नाराज हैं, जो गए हैं, वो आए भी हैं

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि दुर्गा दा हमारे प्रिय नेता रहे हैं. उनकी आकाल मृत्यु के बाद पूरा परिवार और पार्टी उनके परिवार के साथ मजबूती के साथ खड़ी रही. जामा विधायक सीता सोरेन ने अभी तक विधानसभा अध्यक्ष को जाकर अपना इस्तीफा नहीं दिया है. जब कोई चीजें आपको सूट नहीं करती हैं, तो वह विरोध में हो जाता है. सीता जी हमारी भाभी थीं और हमेशा रहेंगी. पूरा संथाल जानता है कि लोग गए हैं, तो आए भी हैं. अभी भाभी गुस्से में हैं. भाजपा को दुमका से टिकट के लिए आदमी नहीं मिल रहा था. इसलिए तो वो सीता सोरेन को ले आए.

गुरुजी व्यक्ति नहीं संस्था हैं, झामुमो में हर कोई स्टार प्रचारक

उन्होंने कहा कि माहौल बहुत सार्थक है कि अबकी बार संथाल से तड़ीपार. दुमका के लिए गुरुजी के संदेश से बड़ा कोई स्टार प्रचारक और नहीं. गुरुजी और हेमंत जी के संघर्ष से ही कोई स्टार प्रचारक बन सकता है. गुरुजी अपने आप में एक संस्था हैं, उनके ऊपर पार्टी में कोई नहीं है. यह चुनाव गुरुजी के कर्म क्षेत्र, हेमंत जी के कर्म क्षेत्र में चल रहा है. उसमें हरके वोटर स्टार प्रचारक है. कोई जननेता अगर चहारदिवारी के बीच है, तो दुख तो होगा ही. अब तो भाजपा और बाबूलाल को गली-मुहल्ले में चुनाव प्रचार करना पड़ रहा है. अब ये लोग केवल रोड शो करेंगे.

भारतीय जनता पार्टी तय करती है किसे ईडी का सम्मन जाएगा

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि अब भाजपा तय करती है कि किसे ईडी का सम्मन जाएगा. एक ईडी के पूर्व अफसर निशिकांत का प्रचार कर रहे हैं, वह भी यूपी से आकर. पीएम को मालूम है कि पार्लियामेंट से सिक्योरटी को हटा दिया गया है. उनको डर है कि चार जून के बाद कहीं दुबारा दिल्ली में कैपिटोल हिल न बन जाए. कहीं उन्हें यह न सुनना पड़े कि सिहांसन खाली करो. अब तो कभी इनकम टैक्स में आग लग रही है. कभी वित्त विभाग में आग लगाई जा रही है. कभी गृह मंत्रालय में आग लग जा रही है. इनके सारे भ्रष्टाचारी चार जून के बाद तिहाड़ जाने के लिए तैयार हो जाएं.

जब-जब झामुमो पर हमला हुआ, हमने फाइट बैक किया

जब-जब झामुमो पर हमला हुआ है, पार्टी ने उतनी ही तेजी से फाइट बैक किया है. दो फरवरी ऐतिहासिक रही. हमारी यह ताकत है जितना हमला हम पर होता है, हम यूनाइट होते हैं. यही तो मोदी जी भूल कर दिए, सोचा कि हेमंत सोरेन को जेल भेज दो, पार्टी खत्म. मगर क्या पार्टी खत्म हुई क्या. आज मोदी जी में हिम्मत नहीं है कि हेमंत सोरेन का नाम लें. पिछली बार मोदी जी घूम घूम कर हेमंत सोरेन का नाम लेते रहते थे. इसलिए वे इस बार हेमंत सोरेन का नाम नहीं ले रहे हैं.

प्लांट हमारे घर में, बिजली बांग्लादेश को, यह कौन-सी घुसपैठ है मोदी जी

सुप्रियो ने कहा कि आपने गोड्डा का जमीन अडानी को दी. जमीन हमारी, जल हमारा, खनिज हमारा, मगर बिजली बांग्लादेश को. मोदी जी यह बता दें कि यह कौन सी घुसपैठ है. झारखंड की बिजली बांग्लादेश को जा रही है. क्या यह घुसपैठ नहीं है.

लोकसभा चुनाव अंतिम पड़ाव पर

झारखंड के बीजेपी और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की प्रतिष्ठा दांव पर

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में लोकसभा का चुनाव अब अंतिम पड़ाव पर है. एक जून को संताल की तीन सीट गोड्डा, राजमहल और दुमका में वोटिंग होनी है. झारखंड की 11 लोकसभा सीटों पर चुनाव संपन्न हो चुका है. सभी दलों के नेता चुनाव परिणामों को लेकर अपना-अपना फॉर्मूला बता भी रहे हैं. दिन भर जोड़-घटाव का दौर चल रहा है. बहरहाल चार जून को परिणाम आने के बाद ही पता चल पाएगा कि किस दल के नेता फॉर्मूला सटीक रहा.

बाबूलाल और राजेश ठाकुर के लिए अग्निपरीक्षा : फिलहाल यह लोकसभा चुनाव कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के लिए अग्निपरीक्षा से कम नहीं है. किसी के पक्ष में नतीजा नहीं आया, तो सारा ठीकरा इन दोनों दलों के प्रदेश अध्यक्ष पर ही फूटेगा. इसकी वजह यह है कि खेल में हार जीत की जिम्मेवारी कप्तान की ही होती है. हांलाकि दोनों दलों के प्रदेश अध्यक्ष अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं.

बाबूलाल मरांडी और राजेश ठाकुर पर है अलग-अलग दबाव

बाबूलाल मरांडी पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की तुलना में दबाब अधिक है. इसकी वजह यह है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में एनडीए ने 14 में से 12 सीटों पर जीत हासिल की थी. ऐसे में बाबूलाल को इस चुनाव में खुद को भी साबित करना होगा कि वे जिस भरोसे के साथ बीजेपी में आए थे, वह खरे उतरे हैं. हालांकि बाबूलाल के लिए अब परफेक्ट 14 का लक्ष्य पाना आसान नहीं है. ऐसे में अगर एनडीए की सीट घटी, तो इसका सारा ठीकरा बाबूलाल मरांडी के सिर ही फूटेगा. वहीं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर और सीएम चंपाई सोरेन के लिए राहत की बात सिर्फ इतनी है कि 2019 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस-झामुमो को सिर्फ एक-एक सीट ही मिली थी. ऐसे में इन पर दवाब थोड़ा कम है. अगर गठबंधन को सीटें अधिक मिली, तो इनको वाहवाही मिलेगी.

सीसीएल का वालीबॉल और क्रिकेट ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर शुरू

संवाददाता। रांची

वालीबॉल और क्रिकेट का 14 दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ मंगलवार को गांधीनगर क्रीडांगन में किया गया. सीसीएल के तत्वावधान में आयोजित शिविर का उद्घाटन डीएवी गांधी नगर के प्रचार्य एसके सिन्हा ने किया. प्रशिक्षण शिविर में 6 से 16 वर्ष के कुल 175 बच्चें भाग ले रहे हैं. वालीबॉल प्रशिक्षण शिविर में 48 लड़कियां एवं 42 लड़के, जबकि क्रिकेट में 9 लड़कियां और 76 लड़के हिस्सा ले रहे हैं. शिविर का समापन 10 जून को होगा. एसके सिन्हा ने बच्चों को खेलकूद में भाग लेने और दिनचर्या में खेल के मैदान को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया. वालीबॉल का प्रशिक्षण शिविर निशिकांत पाठक लेवल 2 कोच, उत्तम राज, सतीश ओरांव, रवि मंडल एवं मोहित राज मर्मीज की देखरेख में किया जा रहा है. वहीं क्रिकेट का प्रशिक्षण शिविर कोल इंडिया और सीसीएल के खिलाड़ियों रणधीर, जीशान नवाज, आनंद, रवी प्रधान, लालन सिंह और धनंजय सेंद्रिया की देखरेख में किया जा रहा है.

राजमहल : झामुमो से निष्कासित लोबिन हेंब्रम ने कहा

हांसदा झारखंडी ही नहीं, मैं गुरुजी के दिल में हूं

विशेष संवाददाता। रांची

- कहा-झामुमो में नहीं रहा, मगर गुरुजी के दिल में हैं हम, मुझे मिल गया है आशीर्वाद
- विजय हांसदा मंच पर क्यों नहीं आ रहे हैं, मुंह छिपाते क्यों फिर रहे हैं
- चुनाव में जेल का ताला टूटेगा, झारखंड झुकेगा नहीं..कहने की क्या जरूरत है

झामुमो से छह वर्ष के लिए निष्कासित राजमहल से निर्दलीय प्रत्याशी लोबिन हेंब्रम ने कहा कि कोई हमें वोट कटवा तो कोई पॉकेटमार कह रहा है. मगर मैं न तो वोटकटवा हूं और न ही पॉकेटमार. हम जी-हुजूरी करने वाले नेता नहीं हैं. हां में हां और ना में ना मिलाने वाले नेता भी नहीं हैं. हां ठीक है कि अब मैं झामुमो में नहीं हूं, मुझे निकाल दिया गया है, मगर मैं गुरुजी के दिल में तो हूं ही. उक्त बातें लोबिन ने एक मीडिया से बातचीत में कही.

कहा कि विजय हांसदा तो झारखंडी है ही नहीं. मैंने कोई माहौल नहीं बनाया चुनाव लड़ने के लिए. मैंने तो सदन से लेकर सड़क तक बस यही कहा कि आपलोगों ने क्या-क्या वादा किया था. क्या वादा निभाया. जो वादा किया है निभाना पड़ेगा. क्या यह कहना गुनाह है क्या. मेरे सामने क्यों नहीं आ रहा है विजय हांसदा. वह कहीं नजर नहीं आ रहा है. कल्पना सोरेन अभी आ रही हैं, तो वे मंच पर क्यों नहीं आ रहे हैं. क्यों भागे-भागे फिर रहे हैं. हमने तो दिखा दिया है कि मैं गुरुजी का शिष्य हूं. 1995 में मुझे टिकट नहीं दिया गया. मैं निर्दलीय चुनाव लड़ा और साढ़े दस हजार वोट से चुनाव जीता. गुरुजी ने मुझे आशीर्वाद दे दिया.

लोबिन ने कहा कि चुनाव के समय जेल का ताला टूटेगा... कहने की क्या जरूरत है. विजय हांसदा क्यों मंच पर नहीं आ रहे हैं. झारखंड तो उसी दिन झुक गया जिस दिन झारखंड के सारे विधायकों को लेकर बाहर चले गये. इसलिए झारखंड झुकेगा नहीं, यह कहने की क्या जरूरत है. चार जून को रिजल्ट ही बता देगा कि कौन जीत रहा है.

बार के डीजे की हत्या ने जेसिका लाल मर्डर की याद ताजा कर दीः प्रतुल

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि बीच राजधानी के एक पॉश इलाके में स्थित बार में डीजे की गोली मारकर हत्या कर दी जाती है. बेखौफ अपराधी उस बार के शीशे को भी गोली से छलनी कर देते हैं. इस गोली कांड ने दिल्ली के बहुचर्चित जेसिका लाल हत्याकांड की याद दिला दी. पूरी राजधानी दहशत में है. सरकार का इकबाल कहां है? अपराधियों के मन में कानून का खौफ कहां है?अभी तो पुलिस हाई अलर्ट में है. मॉडल कोड आफ कंडक्ट लगा हुआ है और राजधानी रांची में ऐसी घटना को अंजाम देकर अपराधी बड़े आराम से चले जाते हैं. प्रतुल ने एक्स पर लिखा कि रिकॉर्ड समय में रांची पुलिस के द्वारा इस घटना का उद्भेन और हत्यारे की गिरफ्तारी का स्वागत है.

सेठ ने किया नशा व अपराध के विरोध में जन आंदोलन का ऐलान

रांची को अपराधियों का अड्डा नहीं बनने देंगे

संवाददाता। रांची

रांची के सांसद संजय सेठ ने मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस करके कहा कि रांची शहर को नशे व अपराधियों का अड्डा नहीं बनने देंगे. उन्होंने ऐलान किया कि चार जुलाई के बाद नशे के कारोबार के खिलाफ जन आंदोलन शुरु करेंगे. पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि रांची शहर नशा और अपराध की राजधानी बन गई है, रांची में रोज आपराधिक घटनाएं हो रही हैं, हमारे बच्चे नशे के शिकार हो रहे हैं. दो साल पहले मैंने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं डीजीपी सहित संबंधित अधिकारियों को चेताया था कि रांची में नशे का कारोबार बढ़ रहा है. इस पर अभिलंब रोक लगनी चाहिए. लेकिन सरकार व प्रशासन दोनों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया, नतीजा आज पूरा शहर नशे के गिरफ्त में है, रांची के सभी थाना क्षेत्र में स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेंटर के सामने ड्रग्स व नशे का अवैध कारोबार हो रहा है. पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है.

साजिश कर लाखों मतदाताओं को वोट देने से रोका गया

सांसद सेठ ने आगे कहा कि 25 तारीख को रांची लोकसभा के चुनाव में वोटर लिस्ट में बहुत गड़बड़ियां पाई गई. शहर के अधिकांश बूथ पर कई लोगों के नाम नहीं थे. बूथ लिस्ट में कई नाम के आगे डीलिट लिखा हुआ था. इस तरह के खेल से लाखों लोग वोट देने से वंचित रह गए, भाजपा लीगल सेल के सुधीर श्रीवास्तव ने बताया यह सिर्फ रांची ही नहीं पूरे झारखंड में इस तरह का षड्यंत्र रचा गया है. सारे तथ्य को जुटा कर इसकी शिकायत निर्वाचन आयोग दिल्ली व झारखंड को कर दी गई है और इसकी जांच की भी मांग की गई है. वैसे बीएलओ जो इस तरह के साजिश या लापरवाही में शामिल है उन पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है. प्रेस वार्ता में सांसद प्रतिनिधि संजय पोद्दार शामिल थे.

बड़ी राहत | राज्य के 35 हजार स्कूलों के लिए कुल 12455.90 लाख की राशि जारी

नए वित्तीय वर्ष के लिए विद्यालय विकास अनुदान आवंटित

संवाददाता। रांची

राज्य के 35 हजार से अधिक (35,073) स्कूलों को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए विद्यालय विकास अनुदान की राशि आवंटित कर दी गयी है. इस संबंध में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) के राज्य परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों और संबंधित पदाधिकारियों को सूचना जारी कर दी है. कुल 12455.90 लाख रुपए की इस राशि का लाभ सभी 24 जिलों के प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों (सभी सरकारी) को मिलना है. इस राशि में से प्राथमिक स्कूलों (32626) के लिए 10722.95 रुपए जबकि 2447 माध्यमिक स्कूलों के लिए 1732.95 रुपए तय किये गये हैं. जिलावार आवंटित राशि की स्वीकृति के संबंध में प्रबंध पोर्टल के माध्यम से भी जानकारी ली जा सकती है.जेईपीसी की ओर से विद्यालय विकास अनुदान राशि के संबंध में कुछ जरूरी दिशा-निर्देश भी जारी किए गये हैं. इसमें कहा गया है कि अनुदान का राशि में से न्यूनतम 10 प्रतिशत राशि स्कूलों में स्वच्छता पर व्यय किया जाएगा. इसके तहत शौचालयों की मरम्मति, रख-रखाव, साफ-सफाई और पेयजल की व्यवस्था, रख-रखाव किया जाएगा. जरूरत पड़ने पर 10 फीसदी से

अधिक राशि भी खर्च की जा सकती है. स्कूल भवन की छोटी-छोटी मरम्मत, रंग-रोगन, पेंटिंग का कार्य, ब्लैक बोर्ड, बेंच-डेस्क, टेबल, कुर्सी का रख-रखाव एवं मरम्मति का कार्य, विभिन्न प्रकार के रजिस्टर, चॉक-डस्टर एवं अन्य सामग्रियों की खरीद भी की जा सकती है.

लैब के रख-रखाव और इसके लिए जरूरी सामग्रियों का क्रय, लाइब्रेरी के लिए न्यूज पेपर की खरीद,खेल सामग्री का रख-रखाव जैसे काम भी इनमें हैं. स्कूल के बाल संसद का विवरण, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों का नाम और फोटो, स्कूल के हाउस का विवरण का दीवार पर प्रदर्शन, नोटिस बोर्ड, हेल्थ कैंप का आयोजन सहित दूसरे जरूरी कार्य भी इस राशि से किये जा सकते हैं.

जेईपीसी की ओर से कहा गया है कि स्कूलों में हैंडवॉश फैसिलिटी, अतिरिक्त शौचालय, खेल मैदान का समतलीकरण, पेयजल एवं अन्य कार्यों की सुविधा के लिए स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि (मुखिया वगैरह) से समन्वय स्थापित करते हुए प्रखंड मुख्यालय को प्रस्ताव भेजे जा सकते हैं. जेईपीसी ने इस बात को भी उठाया है कि राज्य स्तरीय टीम ने पिछले दिनों विभिन्न जिलों में स्कूलों का भ्रमण किया था. इस दौरान देखा गया था कि पूर्व वर्ष में विद्यालय विकास अनुदान की राशि का समुचित उपयोग उपयोगी कार्यों में नहीं किया गया. शत-प्रतिशत राशि का उपयोग करने में भी कई स्कूल पीछे रहे. कुछ स्कूलों ने यह राशि नहीं मिलने की भी शिकायत की. इससे ऐसा लगता है कि राशि के उपयोग की वर्तमान व्यवस्था की जानकारी कई स्कूलों के हेडमास्टर को नहीं है. इसकी सूचना इस बार सभी हेडमास्टर को भेजी जाए. जिन स्कूलों में पूर्व में मिली राशि का समुचित उपयोग नहीं किया गया है, उनका विशेष अंकेक्षण किया जाएगा. साथ ही कार्रवाई भी की जाएगी.

सीयूजे की छात्रा का जेएनसीएएसआर के पीएचडी प्रोग्राम में चयन

रांची। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग की छात्रा एन. दीपा रेड्डी का चयन जवाहरलाल नेहरू सेन्टर फ़ॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च (जेएनसीएएसआर) बेंगलूरु के एकीकृत पीएचडी प्रोग्राम में हुआ है. जेएनसीएएसआर देश के प्रमुख शोध संस्थानों में एक है. चयनित छात्रा सीयूजे के बीएससी केमिस्ट्री विभाग के छठे सेमेस्टर की छात्रा है. दीपा रेड्डी ने अपनी इस सफलता का श्रेय विभाग से सभी प्रोफ़ेसर को देते हुए कहा कि सीयूज़े में शिक्षण एवं शोध के प्रति सकारात्मक माहौल ने उन्हें उच्च शिक्षा की ओर प्रेरित किया. इस उपलब्धि पर रसायनशास्त्र विभाग के साथ विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों ने बधाई दी.

जिलों में बेहतर समन्वय के साथ जनहित को ध्यान में रखते हुए कार्य हों : डॉ. वीरेंद्र

संवाददाता। रांची

खास बातें

- स्वास्थ्य विभाग के उपनिदेशक वीरेंद्र प्रसाद ने दिया निर्देश
- कहा-इससे स्वास्थ्य सुविधा आम जनता तक पहुंच सकेगी

स्वास्थ्य विभाग के उपनिदेशक डॉ. वीरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि जिलों में बेहतर समन्वय के साथ जनहित को ध्यान में रखते हुए कार्य हों. इससे आम जनता तक स्वास्थ्य सुविधाएं सुगमतापूर्वक पहुंच सकेंगी.

वे मंगलवार को नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान (आईपीएच) में जिलों से आए स्वास्थ्य टीम को संबोधित कर रहे थे.राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ओर से डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स एनवेलप (डीआरई) 2024-25 के आरिएन्टेशन का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को दूसरे दिन के ओरिएंटेशन में संथाल परगना प्रमण्डल के जिलों साहेबगंज, गोड्डा, जामताड़ा और पाकुड़ के डीआरसीएचओ, डीपीएम, डीपीसी, डैम, डीडीएम, डीपीएमयू, को-आरडिनेटर, हॉस्पिटल मैनेजर, सिटी अर्बन हेल्थ मैनेजर, टीबी डीपीसी सहित जिलों में विभिन्न कोषांगों में कार्यरत कर्मियों को वित्तीय प्रबंधन की जानकारी दी गई.

स्वास्थ्य विभाग के उपनिदेशक डॉ आरएन शर्मा, डॉ लाल मांझी, जीवीआई उपाधीक्षक डॉ उमा सिन्हा सहित अन्य अधिकारियों ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया.

▼ ब्रीफ खबरें

इस्कॉन के सत्संग में गूंजा हरेरामा हरेकृष्णा

रांची। विश्वनाथ अपार्टमेंट, पिस्का मोड़ का परिसर मंगलवार को हरे राम हरे कृष्णा अखंड हरि नाम संकीर्तन से गुंजायमान रहा. यहां इस्कॉन के साप्ताहिक सत्संग का इस बार भी खास आयोजन किया गया. शाम 7:00 बजे गुरु वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई. साथ ही संकीर्तन किया गया. रात नौ बजे आरती के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ. अंत में अनुयायियों ने पांत में बैठकर ईश्वर का प्रसाद ग्रहण किया. अरुण देव, रंजीत, आनंद पाठक, चंदन घोष, रवि लोचन, अंशुमान, विक्रम प्रभु, ऋषभ आनंद आदि ने इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया. अरुण देव ने तन-मन और धन से समर्पित होकर सत्संग के सफल आयोजन में योगदान देने वालों का आभार जताया.

टिकट कालाबाजारी करनेवाला गिरफ्तार

रांची। आरपीएफ ने हिंदपीढ़ी पुलिस के सहयोग से स्टार साइबर कैफे नामक दुकान में रेल टिकट कालाबाजारी कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने मो मिस्टर अंसारी नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार दिगंजय शर्मा आरपीएफ पोस्ट रांची निरीक्षक के पर्यवेक्षण में आरपीएफ की अपराध शाखा ने हिंदपीढ़ी पुलिस की सहायता से स्टार साइबर कैफे में रेड की. इस दौरान टिकट की कालाबाजारी कर रहे दुकानदार अंसारी को पकड़ा गया. आरोपी के पास से 31 हजार के रेलवे का 21 ई-टिकट बरामद किया गया. इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर बरामद टिकट को ज़ब्त कर लिया गया.

रांची में भीषण गर्मी सुख गए तालाब

मछली घर का तालाब

सैयद रमीज जावेद। रांची

राजधानी रांची में भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान की वजह से लोग सुबह 10 बजे से ही घरों में दुबक जा रहें हैं. गत वर्ष कम बारिश होने एवं इस समय भीषण गर्मी के कारण रांची के ज्यादातर तालाब सूख रहे, या सूख गए हैं. शहर के चुटिया, कडरू, डोरंडा के तालाब या तो सूख चुके हैं या सूखने के कगार पर है. चुटिया स्थित बानस तालाब, प्रगति पथ स्थित नायक तालाब व डोरंडा स्थित बटम तालाब तेजी से सूख रहे हैं, जबकि कडरू तालाब पूरी तरह से सूख चुका है. स्थानीय लोग तालाबों के घटते जलस्तर को देख अभी से परेशान हैं. स्थानीय लोगों के अनुसार भीषण गर्मी में तालाब पूरी तरह सूख जाते हैं और तालाब के चारों ओर कंक्रीट के कार्य कराए जाने और अधिक बोरिंग की वजह से हर वर्ष गर्मी के मौसम में तालाब सूख जाते हैं. बारिश के मौसम में भी तालाब में पानी नहीं पहुंच पाता है. शहर के तालाबों के सूख जाने से पशु-पक्षियों के लिए पानी की बड़ी किल्लत हो जाती है.

बनस तालाब चुटिया

कडरू तालाब

नायक तालाब

बटन तालाब

जैक बोर्ड आठवीं का रिजल्ट जारी, 94.15 प्रतिशत छात्र पास

संवाददाता। रांची

झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) बोर्ड ने मंगलवार को आठवीं का रिजल्ट जारी कर दिया है. इस वर्ष 5,61,774 छात्रों में से कुल 5,28,962 छात्रों ने परीक्षा पास की है. इस साल का कुल पास प्रतिशत 94.15 है. जैक द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक, कुल 32,471 और 341 छात्रों को क्रमशः मार्जिनल और इन्कम्प्लीट के अंतर्गत रखा गया था. परीक्षा प्राधिकरण ने परिणामों के साथ झारखंड बोर्ड 8वीं की मार्कशीट भी जारी की गयी है.

- इस वर्ष 5,61,774 छात्रों में से कुल 5,28,962 छात्रों ने परीक्षा पास की है

आठवीं के स्टूडेंट्स को रिजल्ट न आने के कारण नौवीं में एडमिशन लेने में दिक्कत हो रही थी, जिसे बोर्ड ने सॉल्व कर दिया है. अब रिजल्ट से पहले आठवीं के स्टूडेंट्स का नामांकन नौवीं में हो रहा है. स्कूलों में छुट्टी शुरू होने से पहले आठवीं की परीक्षा दे चुके विद्यार्थियों को नौवीं कक्षा में औपबंधिक नामांकन (प्रोविजनल एडमिशन) दे दिया गया है.

सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले टॉप घोषित किये गये पांच प्रमंडल

दक्षिणी छोटानागपुर	98.08 %
उत्तरी छोटानागपुर	98.97 %
पलामू	98.74 %
संथाल परगना	97.67 %
सिंहभूम	97.84 %

पिछले साल झारखंड बोर्ड आठवीं में 94.94 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल हुए थे. परीक्षा में 5,43,164 छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे, जिनमें 5,15,688 सफल रहे थे. इस साल नौवीं में 97.85 प्रतिशत छात्र-छात्राएं और 11वीं में 98.48 फीसदी परीक्षार्थी सफल हुए हैं. इन छात्र-छात्राओं का नामांकन अब दसवीं और बारहवीं में हो सकेगा.

चैंबर की कार्यकारिणी समिति की बैठक में हुआ निर्णय

महात्मा गांधी की प्रतिमा के स्थल का होगा सौंदर्यीकरण

संवाददाता। रांची

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के कार्यकारिणी समिति की बैठक अध्यक्ष किशोर मंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को चैंबर भवन में हुई. चैंबर के संविधान में संशोधन के लिये संविधान संशोधन कमेटी की ओर से प्राप्त प्रस्तावों पर सदस्यों ने चर्चा की. सहमति बनाई गई कि पुनः कार्यसमिति की एक अन्य बैठक कर ईओजीएम के आयोजन का निर्णय लेंगे. रांची लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान का प्रतिशत बढ़े, इस उद्देश्य से फेडरेशन चैंबर की ओर से चलाये गये मतदाता जागरूकता अभियान के प्रयास की प्रशंसा की. चैंबर अध्यक्ष ने सभी व्यापारियों व विभिन्न संगठनों के पदधारियों को धन्यवाद दिया.

पेट्रोन मेंबर के प्राप्त सदस्यता आवेदन पर भी कार्यकारिणी समिति ने सर्वसम्मति से स्वीकृति दी. चैंबर

अध्यक्ष किशोर मंत्री ने अनिश राजगढ़िया को चैंबर के पेट्रोन सदस्य बनाये जाने पर बधाई दी. क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने प्रमंडलों में चैंबर का चुनाव कराने पर बल दिया. चैंबर भवन में वर्तमान लिफ्ट को रेनोवेट करने के साथ ही प्रथम तल्ल और आधार तल के पैसेज के सुंदरीकरण का भी निर्णय लिया गया. काली मंदिर चौक पर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के स्थल का भी सुंदरीकरण का निर्णय लिया गया. चैंबर महासचिव परेश गट्टानी ने इसके लिए एक कमेटी का गठन कर, सदस्यों को एक निश्चित समयावधि में कार्य पूरा कराने की जिम्मेवारी दी है.

मौके पर उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, राहुल साबू, महासचिव परेश गट्टानी, सह सचिव शैलेष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ज्योति कुमारी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, नीतिन प्रकाश, कार्यकारिणी सदस्य डॉ अभिषेक रामाधीन, नवजोत अलंग, प्रवीण लोहिया, राम बांगड, रोहित अग्रवाल, रोहित पोद्दार, साहित्य पवन, संजय अखौरी, सुनिल सरावगी, विकास विजयवर्गीय, पूर्व अध्यक्ष पवन शर्मा, विनय अग्रवाल, उप समिति चेयरमेन तुलसी पटेल, आनंद जालान, किशन अग्रवाल, मनोज मिश्रा, अल्तमस आलम, एसके अग्रवाल, अविराज अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल, रमेश साहू, शषांक भारद्वाज, माला कुजूर, महेंद्र जैन, सदस्य पंकज चिरानिया शामिल थे.

1872 लोगों ने किया ई-सर्टिफिकेट डाउनलोड

चैंबर की आईटी उप समिति के प्रयासों से कुल 1872 लोगों ने चैंबर के पोर्टल से ई-सर्टिफिकेट डाउनलोड किये हैं, इस प्रयास के लिए कार्यसमिति ने आईटी कमेटी के चेयरमेन मनोज मिश्रा व अल्तमस आलम के कार्यों को सराहा. उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के अधिकारियों ने सदस्यों को अपने बैंक सर्विसेज की जानकारी दी.

न्यूज अपडेट ▼

'सुग्गा द ऑनेस्ट टैक्सी' की सेवाएं अब रांची में भी

रांची। कैब एग्रीगेटर कंपनी 'सुग्गा द ऑनेस्ट टैक्सी' की लॉन्चिंग मंगलवार को प्रेस क्लब, रांची में की गई. जमशेदपुर में कंपनी अपनी सेवाएं पहले से दे रही है. सर्विस का विस्तार करते हुए सुग्गा रांची में अपनी सेवाओं की शुरुआत कर रही है. रांचीवासी मिनी सेडान, ऑटो, बाइक, एसयूवी की राइड ले सकते हैं . कैब एग्रीग्रेटर के फील्ड में उपभोक्ताओं को बेहतर अनुभव और ड्राइवर को केंद्र बिंदु में रखना कंपनी का प्रमुख विजन है. कंपनी के फाउंडर व डायरेक्टर विकास सिंह, अनुराग गौतम, विशाल मिश्रा, कनाडा निवासी राजीव झा, सुमित मेहरा हैं. उक्त जानकारी कंपनी के सीईओ विशाल मिश्रा ने दी.

नौ दिवसीय समर फुटबॉल कैंप का समापन

रांची । स्टार वारियर्स फुटबॉल क्लब चरदी व एंजेल गार्डन स्कूल के तत्वावधान में नौ दिवसीय समर फुटबॉल कैंप का मंगलवार को समापन हुआ. सदमा हाई स्कूल मैदान में आयोजित कैंप में 250 से अधिक बालक व बालिकाओं ने भाग लिया. इसमें अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर दिव्यानी लिंडा समेत 150 लड़कियों ने आवासीय कैंप में भाग लिया. समापन समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किये गये.

श्रीश्याम मंदिर में किया गया सुंदरकांड पाठ

रांची। श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड में मंगलवार को 103वां साप्ताहिक सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ किया गया. शाम चार बजे सुनील मोदी ने पत्नी आशा और परिवार संग पूजा-अर्चना कर हनुमान जी के दरबार में अखंड ज्योत प्रज्वलित की. भोग निवेदित कर सबकी खुशहाली की कामना की. श्रीश्याम मित्र मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने पूजन-अनुष्ठान संपन्न कराया. इसके बाद श्रीगणेश वंदना से संगीतमतय पाठ प्रारंभ हुआ. पाठ वाचक मनीष सारस्वत और ओम शर्मा ने सहयोगियों के साथ सुंदर कांड मंगल भवन अमंगल हारी ... पाठ का उच्चारण कर प्रारंभ किया.

रवैये से आहत होकर सुरेश प्रसाद ने दिया इस्तीफा

रांची। सोना-चांदी व्यवसायी समिति के मुख्य चुनाव पदाधिकारी सुरेश प्रसाद ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया. कारण बताया गया कि समिति का चुनाव 16 जून को तय था, लेकिन स्थल का चयन नहीं किया जा सका था. सोमवार को हुई बैठक में स्थल को लेकर उठे विवाद के बाद सदस्य आपस में भिड़ गये. इससे आहत हो सुरेश ने मंगलवार को त्यागपत्र दे दिया.

समर कैंप शुरू, 140 बच्चों ने लिया भाग

संवाददाता । रांची

अग्रवाल सभा रांची एवं महिला समिति के सहयोग से महाराजा अग्रसेन भवन में तीन दिवसीय समर कैंप आरंभ हुआ. कैंप का उद्घाटन अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष सह रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री विनोद कुमार जैन ने किया. उन्होंने महाराजा अग्रसेनजी एवं मां सरस्वतीजी की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित किया. उन्होंने अग्रवाल सभा के कार्यों को सराहा. अग्रवाल सभा के अध्यक्ष नंदकिशोर पाटोदिया ने कहा कि विगत 21 वर्षों

से सभा की ओर से बच्चों के लिए समर कैंप किया जा रहा है. जिसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए संस्कार, चित्रकला, संगीत, नृत्य, शतरंज, हस्तकला, पाक कला, जूडो कराटे, अभिनय, योग एवं वक्तृत्व कला की बेसिक जानकारी दी जाती है. बच्चों को सारी जानकारियां प्रशिक्षक देते हैं, ताकि बच्चे अपनी रुचि एवं प्रतिभा को पहचान सकें.

गुरुद्वारा साहिब में शुरू हुआ गुरमत ट्रेनिंग कैंप

संवाददाता रांची

गुरुद्वारा श्रीगुरु सिंह सभा, मेन रोड में मंगलवार से गुरमत ट्रेनिंग कैंप शुरू हुआ. इसमें पांच से 15 आयुवर्ग के बच्चे धर्म की बारीकियां सीखेंगे. सुबह आठ बजे नन्हे-मुन्नों ने जपुजी साहिब पाठ और कीर्तन के साथ शिविर की शुरुआत की. गुरु ग्रंथ साहिब के श्रीचरणो में अरदास किया. इसके बाद अधीक्षक सरदार हरजीत सिंह स्विंकी के सान्निध्य में 145 बच्चों को सिख इतिहास की जानकारी दी गयी. दस्तार सजाने के साथ गतका का भी प्रशिक्षण दिया गया.

सरदार गुरचरण सिंह, बीबी सुखविंदर कौर और मेहरवान सिंह ने शाम चार बजे तक कक्षाएं ली. मौके पर महासचिव गगनदीप सिंह सेठी ने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं. अध्यक्ष गुरमीत सिंह, उपाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, कोषाध्यक्ष रणप्रीत सिंह, सह सचिव सुरजीत सिंह सलूजा, गुरदीप सिंह टिवाना, हरप्रीत सिंह, परमजीत सिंह भसीन, गुरविंदर सिंह सेठी भी इस मौके पर उपस्थित थे.

सम्मेलन दो दिवसीय सम्मेलन 'आइकॉन 24' में कैपिटल गुड्स पर होगी परिचर्चा

रांची में पहली बार इस्पात पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन कल से

खास बातें

- आयोजन स्थल होगा श्यामली कालोनी का एमटीआई
- इस्पात व भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव करेंगे उद्घाटन

संवाददाता रांची

मेकॉन और सेल के संयुक्त तत्वावधान में इस्पात पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आइकॉन 24) का आयोजन किया जा रहा है. कार्यक्रम में बारे में जानकारी देने के लिए मंगलवार को मेकॉन प्रधान

कार्यालय में एक प्रेस मीट का आयोजन किया गया, जिसमें संजय कुमार वर्मा सीएमडी मेकॉन और एसकेवर्मा, कार्यकारी निदेशक सीईटी सेल ने कार्यक्रम और उद्देश्य के बारे में जानकारी दी. इस दौरान मेकॉन के निदेशकगण और मेकॉन और सेल के वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित थे.

एस.के.वर्मा ने जानकारी दी कि भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के तत्वावधान में मेकॉन लिमिटेड, सेल के साथ मिलकर 30 और 31 मई को इस्पात पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनः पूंजीगत वस्तुओं पर ध्यान (आइकॉन 24) का आयोजन एमटीआई (प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान) श्यामली कॉलोनी में करने जा रहा है. सम्मेलन का उद्घाटन 30 मई को सुबह 10 बजे भारत सरकार के सचिव इस्पात मंत्रालय और सचिव भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा किया जायेगा. समारोह के गणमान्य व्यक्ति, अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, इस्पात मंत्रालय, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, सीएमडी, मेकॉन, अध्यक्ष, सेल, सीएमडी, मॉयल और सीएमडी, एनएमडीसी होंगे. सम्मेलन में निर्माता, लोहा और इस्पात उत्पादक, शिक्षा जगत के प्रतिनिधि, उपकरण आपूर्तिकर्ता, इंजीनियरिंग और परामर्श कंपनियां, प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिभागी और विभिन्न माध्यमिक इस्पात क्षेत्र की कंपनियों के प्रमुख भी उपस्थित रहेंगे.

सम्मेलन में मुख्य वक्ताओं, विशेषज्ञ पैनल और इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन किया जायेगा. सम्मेलन में भाग लेने वाले वैश्विक इस्पात बाजार परिदृश्य को आकार देने वाले नवीनतम रुझानों, चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा करेंगे. सम्मेलन का उद्देश्य प्रचलित प्रथाओं के साथ लगभग 25 बिलियन अमेरिकी डॉलर की आयात सामग्री को कम करने के लिए आगे का रास्ता खोजना है. इसके अतिरिक्त, इसका लक्ष्य लगभग 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर की वार्षिक (स्पेयर पार्ट्स) की खरीद को कम करने के तरीके भी खोजना है, ताकि भारत विदेश पर कम आश्रित रहे.

आयुक्त व संयुक्त आयुक्त ने किया पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय का दौरा

संवाददाता रांची

केंद्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली की आयुक्त निधि पाण्डेय और संयुक्त आयुक्त अजीता लॉन्गजेम ने मंगलवार को पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, पतरातु का दौरा किया. दौरे का उद्देश्य विद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों का निरीक्षण तथा शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों के साथ संवाद स्थापित करना था. साथ ही नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों के साथ पीएम श्री योजना के लक्ष्यों को पूर्ण करने में विद्यालय के कार्यों का अवलोकन भी था.

इस दौरान छात्रों से बातचीत कर

उनकी शैक्षणिक प्रगति और उनकी रुचि के बारे में जानकारी ली। विद्यालय के प्रशासनिक विभागों का निरीक्षण किया और कार्यालय के कर्मचारियों से उनकी कार्यप्रणालियों के बारे में चर्चा की. विद्यालय की सुविधाओं, जैसे पुस्तकालय, भौतिकी, रसायन, और जीव विज्ञान प्रयोगशालाओं कंप्यूटर लैब का निरीक्षण किया. साथ ही उन्होंने शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ संवाद किया.

करोड़ों खर्च कर भवनों का निर्माण कार्य शुरू तो हुआ, पर बीच में ही अधूरा छोड़ दिया गया काम, अब सुध लेने वाला कोई नहीं

इन सरकारी भवनों की एक ही पहचान, खंडहर...

राज्य भर में विभिन्न योजनाओं एवं विभागों के नाम पर बनाए गए भवन आज भी आधे-अधूरे हैं. सरकार एवं सरकारी तंत्र द्वारा संविदा कंपनियों व ठेकेदारों द्वारा भवनों का निर्माण कार्य तो शुरू करा दिया गया, पर इन भवनों को निर्माणाधीन हाल में ही छोड़ दिया गया. छात्रावास, हाट-बाजार, कृषि गोदाम, ट्रेनिंग सेंटर, स्वास्थ्य केंद्र, आवासीय विद्यालय आदि के नाम पर इन भवनों का निर्माण शुरू किया गया था. मगर, सरकारी उदासीनता और संवेदक एवं निर्माण एजेंसी का लापरवाही के कारण ये भवन या तो खंडहर में तब्दील हो गये हैं या अपराधियों के छिपने का सुरक्षित ठिकाना बन गये हैं. आज इसी मुद्दे पर पढ़ें यह रिपोर्ट...

रांची: 10 करोड़ रुपये हो गए खर्च 8 साल में भी नहीं बन सका अर्बन हाट

आकर्ष अनिकेत। रांची

दिल्ली हाट की तर्ज पर राजधानी रांची में कांके डैम के पास 17 करोड़ की लागत से अर्बन हाट बनाया जाना था. वर्ष 2016 में तत्कालीन रघुवर सरकार के कार्यकाल में अर्बन हाट बनाने का काम शुरू हुआ था. अर्बन हाट बनाने का उद्देश्य था कि छोटे-बड़े सभी व्यावसायियों को बड़ा बाजार मिल सके. 10 करोड़ रुपये खर्च भी किये गये. लेकिन, रघुवर सरकार के कार्यकाल में काम पूरा नहीं हो सका.

शुरू नहीं हो पाया स्किल डेवलपमेंट सेंटर का काम

वर्ष 2019 में जब झामुमो-कांग्रेस की सरकार आई, तो हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बने. उन्होंने अर्बन हाट की उपयोगिता पर सवाल उठाये, जिसके बाद काम बंद हो गया. योजना बंद होने के बाद वहां बने अधूरे भवन के निर्माण को पूरा कर स्किल डेवलपमेंट सेंटर और गर्ल्स हॉस्टल बनाने पर विचार किया गया. इसमें लिए 11 करोड़ रुपये की लागत आनी थी. टेंडर निकाला गया, पर किसी कंपनी ने इस निविदा को लेकर दिलचस्पी नहीं दिखाई. बहरहाल, अर्बन हाट की तरह इन योजानाओं का काम भी ठंडे बस्ते में चला गया.

अर्बन हाट का निर्माणाधीन भवन

क्यों बनी थी योजना

- राज्य के व्यापारियों व शिल्पकारों को बाजार उपलब्ध कराना.
- युवाओं को रोजगार देने के लिए ट्रेनिंग सेंटर खोलना.
- हर तरह की व्यवसायिक गतिविधियां का संचालन करना.

लातेहार: दो करोड़ खर्च हुए, 13 साल बाद भी नहीं बना कृषि गोदाम

मोंगर रोड में अधूरा बना हुआ कृषि गोदाम.

आशीष टैगोर। लातेहार

जिला मुख्यालय के मोंगर रोड में केंद्रीय विद्यालय के सामने झारखंड राज्य कृषि विपणन पर्षद द्वारा छह हजार मीट्रिक टन क्षमता के कृषि गोदाम का निर्माण कार्य वर्ष 2010-11 में शुरू किया गया था. निर्माण हेतु दो करोड़ 14 लाख 44 हजार 700 रुपये विमुक्त किये गये. लेकिन 12-13 सालों मे भी इस गोदाम का निर्माण पूरा नहीं किया जा सका.

इस योजना का उद्देश्य जिले के किसानों की उपज को सुरक्षित रखना था. पर्षद द्वारा गोदाम निर्माण कार्य हेतु रांची ग्रामीण कार्य प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को जवाबदेही सौंपी गयी थी. विभाग द्वारा मेसर्स सेठ कंस्ट्रक्शन ग्राम- सिरहा, नगर उंटारी से गोदाम निर्माण हेतु एकरारनामा किया था. योजना में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना एवं झारखंड राज्य कृषि विपणन पर्षद द्वारा 50-50 के अनुपात में राशि मुहैया करायी गयी थी. योजना को 27 अक्तूबर 2012 तक पूर्ण कर लेना था. लेकिन अब तक कार्य पूरा नहीं हुआ, जबकि राशि की निकासी हो चुकी है.

जांच के बाद कुछ कह पाएंगे

इस संबंध में पूछे जाने पर जिला कृषि पदाधिकारी अमृतेश कुमार ने कहा कि यह योजना उनके यहां योगदान देने के पूर्व की और काफी पुरानी है. गोदाम निर्माण का काम क्यों बंद है, इसकी जांच कराने के बाद ही कुछ कह पाएंगे.

हजारीबाग: 15 साल बीत गये आज भी दर्जनों भवन आधे-अधूरे

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल द्वारा जिले भर में विभिन्न विभागों के लिए दर्जनों भवनों का निर्माण कार्य शुरू कराया गया था. 15 साल बीत गये, मगर ये भवन आज भी आधे-अधूरे ही बने हुए है. सभी कार्य विभागीय स्तर पर कराए गए थे. वहीं, करोड़ों रुपये का गबन कर इंजीनियर, ठेकेदार फरार हो गए. मौजूदा हालात ये हैं कि अधूरे बने हुए सभी भवन खंडहर में तब्दील हो चुके हैं. वहीं कई ऐसे भवन भी है, जिस पर कब्जा कर लिया गया है, जबकि कई भवनों को चोर-उचक्कों ने अपना सुरक्षित ठिकाना बना लिया है.

एसपी आवास के पीछे बना शिशु अस्पताल.

कहां-कहां हैं अधूरे पड़े भवन

- कटकमसांडी स्टेडियम
- कटकमसांडी प्लस टू स्कूल
- कटकमदाग में अस्पताल
- एसपी ऑफिस के पीछे शिशु अस्पताल
- हिन्दू हाई स्कूल के पीछे छात्रावास
- मटवारी गांधी मैदान के पास पिछड़ा वर्ग बालिका आवासीय विद्यालय
- झुमरा बाजार ब्लॉक भवन
- वेल्स ग्राउंड छात्रावास
- कटकमदाग स्वास्थ्य केंद्र

तत्कालीन सीएम ने दिया था जांच का आदेश

झारखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास ने इन अधूरे भवनों के मामले में संज्ञान लिया था. जनसंवाद कार्यक्रम में शिकायत मिलने पर हजारीबाग में कोई नया भवन नहीं बनाने और अधूरे भवन की जांच करने का भी आदेश दिया गया था. लेकिन मामला आज तक ठंडा बस्ते में ही चल रहा है.

ब्रीफ खबरें

एफसी आराडीह और जांबाज ब्रदर्स का मैच ड्रा

तमाड़। पंच परगना स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित तमाड़ प्रखंड क्षेत्र के आमलेशा जीएल चर्चफुटबॉल मैदान पर फुटबॉल लीग मैच शुरू है. मंगलवार को खेले गए लीग मैच मेंएफसी आराडीह और जांबाज ब्रदर्स के बीच मुकाबला बराबरी पर रहा. मैच ड्रा होने के कारण एक-एक अंक पर दोनों टीमों को संतोष करना पड़ा. बुधवार को जूनियर एफसी तमाड़ और मुंडा स्पोर्टिंग आरहंगा के बीच मैच शाम तीन बजेसेहोगा. मैच के दौरान मैदान मेंप्रेम पूर्ति, निशांत भेंगरा, रितेश गुप्ता, हीरालाल दास और गोविंद मुंडा आदि मौजूद थे.

सेना के जवान की पत्नी से सामूहिक दुष्कर्म

नामकुम। रांची जिले के नामकुम प्रखंड के खरसीदाग ओपी क्षेत्र में सेना के जवान की पत्नी से सामूहिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है. इस मामले में महिला के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है. घटना सोमवार की देर रात 12-1 बजे की है. मंगलवार की सुबह पुलिस को इसकी जानकारी दी गयी. इसके बाद पुलिस ने महिला की मेडिकल जांच करायी. ग्रामीण एसपी देर शाम खरसीदाग पहुंचे एवं घटनास्थल पर जाकर मुआयना किया. उनके साथ डीएसपी मुख्यालय प्रथम अमर कुमार पांडेय एवं नामकुम थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ब्रह्मदेव प्रसाद उपस्थित थे.

घासीराम मुंडा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

बुंडू। कामरेड घासीराम मुंडा की तीसरी पुण्यतिथि पर उनके पैतृक गांव हेसादा में भाकपा-माले द्वारा श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई और मार्च निकाला गया. मार्च में भाजपा हटाओ, संविधान बचाओ और देश बचाओ, प्राकृतिक संसाधनों पर जनता का सामूहिक अधिकार कायम करो, ग्राम सभा को मजबूत करो, महिला उत्पीड़न बंद करो आदि नारे लगाए गए.

आठवीं बोर्ड में राजकीय मध्य विद्यालय बेड़ो का शत-प्रतिशत प्रदर्शन

विद्यार्थियों की मेहनत से विद्यालय रोशन : चौबे

संवाददाता। बेड़ो

जैक बोर्ड द्वारा मंगलवार को घोषित आठवीं बोर्ड परीक्षा 2024 में राजकीय मध्य विद्यालय बेड़ो के छात्र/छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया. विद्यालय के प्रधान शिक्षक सह अजप्टा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र चौबे के अनुसार विद्यालय के सभी 89 बच्चों को अगली कक्षाओं के लिए उत्तीर्ण घोषित किया गया है. विद्यालय के 16 बच्चों ने सभी विषयों मे ए तथा 38 बच्चों ने सभी विषयों मे ए या ए ग्रेड प्राप्त किया. सभी विषयों मे ए ग्रेड प्राप्त करने वालों मे दीपक, रोशनी, अंजली, कविता, पवन, दिलीप, विकास, पंकज, प्रियांशु, प्रतिमा, शिवानी, दशरथ, रोहित, जयंती, फूल केरकेट्टा शामिल हैं. विद्यालय परिवार की ओर से सभी सफल छात्र/छात्राओं को प्रधानाध्यापक बिजेन्द्र चौबे, रेखा रानी, पूनम टोप्पो, निर्मला मिंज, आशा कुल्लू और सुशीला कुजूर ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है. उधर विद्यालय के छात्र छात्राओं ने आठवीं बोर्ड की परीक्षा फल शत प्रतिशत रहने पर खुशी जताई और शिक्षक शिक्षिकाओं के प्रति आभार व्यक्त किया.

16 छात्र छात्राओं ने 'ए' ग्रेड लाकर विद्यालय का नाम रोशन किया

राजकीय मध्य विद्यालय बेदू बालक के आठवीं बोर्ड का रिजल्ट 98.7%

बेड़ो। राजकीय मध्य विद्यालय बेड़ो बालक के आठवीं बोर्ड के परीक्षा में 98.7% बच्चों को उत्तीर्ण घोषित किया गया है. विद्यालय के 164 में से 72 बच्चों ने (43.9%) ए ग्रेड लाकर शानदार प्रदर्शन किया है वहीं 81 छात्र छात्राओं (49.3%) ने ए ग्रेड हासिल किया है. सात बच्चों (4.2%) ने बी ग्रेड तथा दो बच्चों (1.2%) ने सी ग्रेड हासिल किया है. दो बच्चों (1.2%)का रिजल्ट मार्जिनल रहा है.

पत्नी के साथ मारपीट का आरोपी पति गिरफ्तार

बुढ़मू। थाना क्षेत्र के चकमे गांव में विवाहिता को ससुरालवालों द्वारा मारपीट कर अधमरा करने के मामले में पुलिस ने आरोपी पति सुरेश यादव को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया. ज्ञात हो कि पिछले मंगलवार को विवाहिता के साथ अमानवीय ढंग से ससुरालवालों ने मारपीट की थी. वहीं एक सप्ताह बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर ग्रामीणों ने थाना घेराव की चेतावनी दी है. इस मामले आरोपी के खिलाफ बुढ़मू थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है.

कार की चपेट में आने से व्यवसायी की मौत

संवाददाता। बेड़ो

खास बातें

- घायल व्यवसायी कामेश्वर को रिम्स भेजा गया
- रिम्स में इलाज के दौरान कामेश्वर की मौत हो गयी

रांची गुमला मुख्य मार्ग पर बेडो थाना क्षेत्र के असरो मोड़ के पास आरकेडी कैंप के निकट सिसई निवासी बीज भंडार के मालिक नयन साहु के पुत्र के ऑल्टो कार ने लूना बाइक को टक्कर मार दिया. जिससे डाढ़हा निवासी कामेश्वर प्रसाद गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए. कामेश्वर प्रसाद गुप्ता को पंप संचालक मुकेश कुमार सिंह ने 108 एंबुलेंस बुलाकर रिम्स भेज दिया. रिम्स में इलाज के दौरान कामेश्वर प्रसाद गुप्ता की मौत हो गई. असरो पेट्रोल पंप के संचालक मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि उन्होंने घटना की जानकारी बेड़ो पुलिस को दे दी थी. कामेश्वर प्रसाद गुप्ता पेट्रोल पंप के बगल में स्थित राजेश ढाबा के संचालक राजेश गुप्ता के पिता थे. राजेश गुप्ता के पिता 60 वर्षीय कामेश्वर प्रसाद गुप्ता मंगलवार की दोपहर अपने होटल से लूना बाईक से घर जाने के लिए निकले ही थे कि इसी दौरान सामने से तेज गति से आकर एक ऑल्टो कार ने जोरदार टक्कर मार दिया. गंभीर रूप से घायल हालत में उन्हें 108 एंबुलेस में उठाकर सीएचसी भरनो ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रिम्स रेफर कर दिया. रिम्स के ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान मंगलवार की शाम कामेश्वर प्रसाद ने दम तोड़ दिया.

मटकुरिया गोलीकांड: दो गवाहों ने मन्नान मल्लिक को पहचाना

संवाददाता। धनबाद

मटकुरिया गोलीकांड की सुनवाई मंगलवार को अदालत में हुई. सुनवाई के दौरान अभियोजन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए धनबाद के पूर्व एसडीओ व मामले के सूचक वर्तमान में संयुक्त सचिव शिक्षा विभाग जार्ज कुमार व धनबाद के पूर्व एलआरडीसी कुंज बिहारी पांडे (सेवानिवृत्त) का बयान दर्ज किया. प्रतिपरीक्षण के लिए दोनों को सशरीर हाजिर होने का आदेश दिया गया है. दोनों गवाहों ने अदालत को दिए बयान में घटना का समर्थन करते हुए आरोपी मन्नान मल्लिक व नीरज सिंह की पहचान की है. मालूम हो कि 27 अप्रैल 2011 को मटकुरिया में हुए हिंसक झड़प में चार लोगों की मौत हो गई थी.

सर्पदंश से सुखनाथ उरांव अचेत, रिम्स रेफर

बेड़ो। भीषण गर्मी के कारण जमीन में सोये पाकलमेडी निवासी सुखनाथ उरांव उर्फ सुखु उरांव को विषैले करैत सांप ने डसा. स्थिति गंभीर हुई तो खुद बाइक चलाकर झाड़ फूंक करने के लिए चुटूटोली पुरियो पहुंचा. लोगों ने समझाया बुझाया तब जाकर देवकमल हॉस्पिटल रांची ले जाया गया. वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे वहां से रिम्स रेफर कर दिया गया.

महिला समूह की सदस्यों से डेढ़ लाख रुपये की हुई लूट

संवाददाता। डकरा

खलारी प्रखंड की बैंक ऑफ इंडिया की शाखा से डेढ़ लाख रुपए निकाल कर घर जा रही प्रकाश सखी मंडल महिला समूह. मोहननगर की महिला सदस्य से बाइक सवार दो उचक्के डेढ़ लाख रुपये छीनकर फरार हो गए. घटना मंगलवार की दोपहर लगभग एक बजे की है. दोनों उचक्के लाल रंग की बाइक पर सवार थे. इनमें से एक ने हेलमेट पहन रखा था और एक का चेहरा खुला था. घटना की जानकारी मिलने के बाद खलारी पुलिस अपराधियों की धरपकड़ के लिए छापेमारी शुरू कर दी. बताया जाता है कि चारों महिलाएं थैला में रुपये रखकर बैंक से थोड़ी दूर गयी ही थीं कि पीछे से आ रहे बाइक सवार दो उचक्कों ने थैला छीन लिया.

नशा उन्मूलन के लिए चलाया गया जागरूकता अभियान

मांडर। प्रखंड के मुड़मा गांव में मंगलवार को डालसा सचिव के निर्देश पर पीएलवी सुमन ठाकुर और पूनम देवी की अगुवाई में नालसा के वात्सल्य और झालसा के चेतना प्रोजेक्ट के तहत स्पेशल नशा उन्मूलन के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया. इस दौरान नशा से होने वाले नुकसान को बताया गया. इनलोगों द्वारा बताया गया कि नशापान से न सिर्फ आर्थिक और शारीरिक नुकसान होता है बल्कि पारिवारिक कलह भी होता है और परिवार में बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है. सुमन ठाकुर ने कहा कि नशा करके गाड़ी चलाने से दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि से पारिवारिक क्षति होती है.

डकरा कालेज में वार्षिक फेयरवेल का आयोजन

खलारी। खलारी कोयलांचल क्षेत्र के यूकेएस कॉलेज डकरा में वार्षिक फेयरवेल का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सह मजदूर नेता अब्दुल्लाह अंसारी ने किया. विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि वार्षिक फेयरवेल कालेज के छात्र-छात्राओं के बीच आपसी प्रेम को दर्शाता है. इस कार्यक्रम के दौरान स्वागत भाषण कालेज के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार सिंह ने दिया. इस वार्षिक फेयरवेल कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के छात्र-छात्राओं रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों को मंत्र मुग्ध कर दिया.

न्यूज अपडेट

आम के बगीचे में लगी आग , सैकड़ों पेड़ झुलसे

पिपरवार। पिपरवार थाना क्षेत्र के बहेरा पंचायत अंतर्गत न्यु विजन निवासी बसंती देवी पति धनेश्वर राम के एक एकड़ मे लगे आम की बागवानी पर शरारती तत्वों ने आग लगा दी . बागवानी के मालिक बसंती देवी ने बताया कि एक एकड़ भूमि पर मनरेगा योजना अंतर्गत वर्ष 2021 में आम की बागवानी की गई थी . बागवानी में 80 से 90 की संख्या में आम का पौधा लगाया गया था . बागवानी मैं शरारती तत्वों द्वारा आग लगाए जाने से सभी छोटे-छोटे आम के पौधे जलकर खाक हो गए .जिसमें लाखों रुपए नुकसान होने का अनुमान है .बागवानी के मालिक ने कहा कि आम के बागवानी लगाए जाने को लेकर टंडवा प्रखंड से 3 लाख की लागत से आम के पौधे लगाए गए थे यह सभी पौधे 3 साल के हो गए थे दो-तीन वर्षों में यह कलमी पौधा तैयार होकर लाखों का मुनाफा होता जो इन शरारती तत्वों द्वारा बागवानी में आग लगा दिए जाने के कारणजलकर खाक तो हो गए जिससे हम लोगों की वर्षों से की गई मेहनत पर पानी फिर गया .

आकर्षक छऊ नृत्य के साथ सुसारी पर्व संपन्न

राहे। प्रखंड का प्रसिद्ध सुसारी पर्व राहे गांव में मंगलवार सुबह फूलखुदी अनुष्ठान के साथ संपन्न हुआ. इसके पूर्व सोमवार की रात सुसारी को माता काली के भेष में श्मशान से शिव मंदिर तक लाया गया. उसके बाद बंगाल के प्रसिद्ध छऊ नृत्य दल के द्वारा रात भर नृत्य का आयोजन किया गया. बंगाल के गुणधार कुमार और दिलीप सिंह की छऊ नृत्य मंडली के द्वारा बाबरी मंदिर ध्वस्त, लव कुश कांड, कुंभकरण वध, आदि कहानी का नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया. छऊ नृत्य आयोजन में लोगों की काफी भीड़ रही. पर्व का आयोजन राहे सोलह आना समिति के द्वारा वर्षो से किया जाता रहा है. आयोजन में समिति के मनोज चटर्जी, सुरेंद्र प्रजापति,कमलाकांत सिंह,सुशांत सिंह,सुधीर दास,सहित समिति के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

हनुमान मंदिर का 5वां वर्षगांठ मनाया गया

मांडर। कोरांबी सकरपदा के हनुमान मंदिर का मंगलवार को 5वां वर्ष गांठ भक्तिभाव के साथ मनाया गया. मौके पर कलश यात्रा निकाली गई, वहीं पूजा अर्चना के बाद प्रसाद का वितरण किया गया. शाम में भजन कीर्तन और भंडारे का आयोजन किया गया. इससे पहले 151 महिलाएं हनुमान मंदिर से पंडरा नदी पहुंची वहां से जल उठा कर पुनः हनुमान मंदिर पहुंच भगवान का जलाभिषेक किया. पंडित अशोक पाठक के नेतृत्व में पूजा अर्चना की गई. कार्यक्रम में राजेश गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, सोनू, सुबोध केवठ, संतोष गोप, प्रदीप साहू, लालदेव गोप, राजू गोप, देवीलाल लोहरा, रतलू केवठ, मुकेश केवठ, नीरज सहित अन्य शामिल थे.

वार्ता में मांगों पर सहमति बनी, हड़ताल समाप्त

पिपरवार। कोयला परिवहन में एकेटी कंपनी से बकाया मांगों की भुगतान को लेकर हाइवा ऑनर और ट्रांसपोर्टर संयुक्त रुप से हड़ताल पर रहे. सोमवार को हड़ताल के दौरान सीएचपी से बचरा साइडिंग तक कोयले का परिवहन लगभग तीन घंटे बाधित रहा था. इसके पश्चात ट्रांसपोर्टर हाइवा ऑनर के साथ कंपनी के शीर्ष अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय वार्ता हुई . वार्ता के बाद दोनों पक्षों की सहमति पर हड़ताल समाप्त कर दी गई .

कल्पना सोरेन ने राजमहल में विजय हांसदा के पक्ष में की चुनावी सभाएं, कहा-

तानाशाही के खिलाफ हूल-उलगुलान की जरूरत

विशेष संवाददाता। रांची

कल्पना मुर्मू सोरेन ने राजमहल लोकसभा से 'इंडिया' गठबंधन के झामुमो प्रत्याशी विजय हांसदा के लिए दो चुनावी सभाओं को संबोधित किया. उन्होंने मंगलवार को साहिबगंज के उधवा इंगलिश मैदान और पतना में चुनावी सभाएं की. उन्होंने कहा कि झारखंड के मान-सम्मान और स्वाभिमान - तीर धनुष, दिशोम गुरुजी और हेमंत सोरेन के प्रति पूरे संथाल परगना में अटूट प्रेम, विश्वास और अपनत्व है.

वीर क्रांतिकारियों के खून-पसीने से सिंचित इस धरती ने हमेशा शोषण और अत्याचार के खिलाफ आवाज उठायी है. आज फिर हूल-उलगुलान के आह्वान के साथ झारखंड की जनता केंद्र में बैठी तानाशाही भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का काम कर रही है. कल्पना ने कहा कि हेमंत सोरेन को साजिशन जेल में डालने वाली भाजपा के खिलाफ लोगों में भयंकर रोष है. इस चुनाव में जनता, भाजपा के खिलाफ लड़ रही है.

हेमंत के काम से डर गयी थी भाजपा : कल्पना ने कहा कि हेमंत सोरेन का कसूर क्या था? जिस जमीन के साथ उनका नाम जोड़ा गया, उससे उनका कोई लेना देना ही नहीं था. हेमंत का कसूर यह था कि वह राज्य का एक लाख 36 हजार करोड़ रुपये बकाया, 1932 खतियान स्थानीय नीति, पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण, सरना आदिवासी धर्म कोड, आदि की केंद्र सरकार से मांग कर रहे थे. लाखों को आवास, पेंशन और राशन दे रहे थे. यही भाजपा के लिए डर का कारण बन गया था.

अपने वोट से हेमंत की रिहाई का रास्ता खोलें

कल्पना ने कहा कि भाजपा नहीं चाहती थी कि झारखंड और झारखंडवासी आगे बढ़ें, इसलिए चुनाव से ठीक पहले उन्होंने हेमंत सोरेन को जेल में डाल दिया . इस तानाशाही सरकार को मिलकर सबक सिखाना है. हेमंत की जेल की चाबी, आप सभी के पास है. आपके वोट से ही उनकी रिहाई का रास्ता खुलेगा. उन्होंने उपस्थित जनसमूह से आग्रह किया कि एक जून को अपने हक-अधिकार के लिए विजय हांसदा को भारी से भारी मतों से जिताने का काम करें.

दुमका में बाबूलाल मरांडी ने महाविजय संकल्प सभा को किया संबोधित, कहा

गठबंधन सरकार में राज्य को सिर्फ लूटा गया

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को दुमका में आयोजित भाजपा की महाविजय संकल्प सभा को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि संथाल परगना क्षेत्र में अंतिम चरण का चुनाव है. झामुमो व कांग्रेस, दोनों पार्टियां झारखंड की विरोधी रही हैं. आजाद भारत में 55 वर्षों तक कांग्रेस ने राज किया. झामुमो इन्हीं के साथ रहा, लेकिन इन लोगों ने झारखंड अलग राज्य नहीं बनाया.

बाबूलाल ने कहा कि झारखंड में कांग्रेस, झामुमो और राजद की साढ़े चार वर्षों से सरकार है. लेकिन, इस गठबंधन सरकार ने विकास का कोई काम नहीं किया, सिर्फ राज्य को लूटा है. आज हेमंत सोरेन व आलमगीर आलम जेल में हैं. इन लोगों ने बालू, कोयला, पहाड़ को लूटा, फर्जी कागजात बना कर जमीनें लूटीं. मौके पर नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, दुमका प्रत्याशी सीता सोरेन, गोड्डा प्रत्याशी डॉ निशिकांत दुबे, राजमहल प्रत्याशी ताला मरांडी सहित पार्टी के कई पदाधिकारी मौजूद थे.

भाजपा ने अलग झारखंड राज्य बनाया : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने केंद्र में सरकार बनने पर अपने वादे को पूरा किया और अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में झारखंड अलग राज्य बना. आह्वान किया कि जिस पार्टी ने झारखंड अलग राज्य बनाया है, उसी पार्टी को वोट करना है. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी गरीबों को आवास और मुफ्त में अनाज दे रहे हैं. इलाज और दवा के लिए पांच लाख रुपये तक का बीमा भी कराया है. 2024 में फिर से नरेंद्र मोदी को पीएम बनाना है.

विकास विरोधी हैं झामुमो और कांग्रेस

बाबूलाल ने कहा कि झामुमो और कांग्रेस विकास विरोधी हैं. पहले गांव तक सड़कें नहीं हुआ करती थीं. नदी-नालों के ऊपर पुल भी नहीं होते थे. घरों तक बिजली भी नहीं थी. जब केंद्र और झारखंड में भाजपा की सरकार बनी, तब गांवों तक सड़कें बन गयीं. घर-घर तक बिजली पहुंच गयीं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकास की रोशनी गांवों तक पहुंचायी है. कांग्रेस चाहती तो गांवों तक सड़क पहुंच जाती. बिजली घर-घर तक पहुंचा देती, लेकिन इन्होंने काम नहीं किया.

अपार्टमेंट में मेंटेनेंस चार्ज भी देना होता है

अपार्टमेंट में भी पानी की समस्या होती है

कहीं घर है तो बाथरूम अटैच नहीं मिलता है

किरायेदारों का दर्द कोई न जाने

जिस जगह लोग काम करते हैं और रहते हैं, वहीं चाहते हैं कि उनका भी अपना एक घर हो. लेकिन जमीन और घर की आसमान छूती कीमतें इनके सपने को पूरा नहीं होने देती हैं. बढ़ती महंगाई के कारण घर खरीदने की बजाय इनके सामने किराये पर ही घर लेने का विकल्प बचता है. ऐसे में वे मकान मालिक बनने की बजाय किराएदार बन जाते हैं. जिनके पास अधिक पैसे हैं, वे अपार्टमेंट में चले जाते हैं. जिन्हें कम है, वे कोई घर किराए पर लेते हैं. इसमें परिवार से लेकर बैचलर लोग होते हैं. शहर में ठिकाना पाने की चाहत में ये घर तो लेते हैं, लेकिन यहां भी इनकी समस्याएं खत्म नहीं होती हैं. अपार्टमेंट में किराये के अलावे भी पैसे देने पड़ते हैं. इसमें अपार्टमेंट का मेंटेनेंस चार्ज होता है, जिसमें सुरक्षा और कचरा प्रबंधन का चार्ज शामिल होता है. वहीं जो किसी के घर में रहते हैं, उन्हें अन्य चार्ज तो नहीं देना पड़ता है. लेकिन उनके सामने भी कभी पानी तो कभी बिजली की समस्या आती रहती है. इसे लेकर किराएदार का मकान मालिक से संघर्ष चलता रहता है. कहीं एक ही कमरे में दो लोग रहते हैं. इसमें किराया कम लगता है. कहीं घर है तो बाथरूम अटैच नहीं मिलता है. फिर भी रहना पड़ता है. किराएदारों के इसी दर्द को जानने और समझने के लिए शुभम संदेश की टीम पहुंची लोगों के बीच और तैयार की रिपोर्ट...

बोकारो

शहर की अनियोजित वृद्धि के कारण आवास की समस्या गंभीर हो गई है

मध्यम वर्ग के लिए घर खरीदने के बारे में सोचना भी मुश्किल हो गया है

रजत नाथ

आवास मनुष्य की मूलभूत आवश्यकता है. आजादी के सात दशकों के बाद भी देश खासकर बढ़ती आवास समस्या से जूझ रहा है. शहरी जनसंख्या में तीव्र वृद्धि से समस्या और भी जटिल हो गई है. नौकरियों की तलाश में आबादी का लगातार शहरों की ओर पलायन से शहरी आवास और बुनियादी सेवाओं की किल्लत होती जा रही है. शहरी जनसंख्या में भारी वृद्धि और शहर की अनियोजित वृद्धि के कारण आवास की समस्या गंभीर हो गई है. शहरी क्षेत्रों में आवास की भारी कमी है. मांग-आपूर्ति का अंतर दिन-ब-दिन बढ़ती जा रहा है. औद्योगिक विकास और आप्रवासियों की भीड़ भी समस्या को गंभीर बनाने के लिए जिम्मेदार है. निर्माण लागत और भूमि मूल्य इतने ऊंचे हो गए हैं कि मध्यम वर्ग की आबादी के लिए घर खरीदने के बारे में सोचना भी मुश्किल हो गया है. नेशनल बिल्डिंग ऑर्गनाइजेशन (एनबीओ) के अनुसार शहरी भारत में 2031 तक 600 मिलियन लोगों के रहने की उम्मीद है, जो 2011 से 59 प्रतिशत की वृद्धि है. बोकारो इस्पात नगर भी इससे अछूता नहीं रहा. स्टील प्लांट के अलावा बेहतर शिक्षा हब होने के कारण एक अच्छी प्रवासी आबादी बोकारो में है. यहां चास, बारी कॉपरेटिव, कॉपरेटिव कॉलोनी, बियाडा कॉलोनी, लोहांचल, आदर्श कॉपरेटिव व चीरा चास आदि जगहों पर भाड़े के मकान मिलते हैं. मकान की लोकलिटी और उसके लोकेशन के हिसाब से किराया तय होता है. चीरा चास, कॉपरेटिव कॉलोनी सहित अन्य जगहों पर अपार्टमेंट भी किराए पर उपलब्ध हैं. सिटी सेन्टर में कोचिंग और विभिन्न प्रतियोगिता परिक्षाओं की तैयारी करने आए बच्चों के लिए लॉज व हॉस्टल की बहुत है. इसके अलावा सेक्टरों के क्वाटरों के सटे आउट हाउस में सस्ते दरों पर रिहाईशी आवास उपलब्ध हो जाती हैं.

पांच साल के अंतराल में भाड़ा दोगुना हो गया, जैसे भी देना पड़ता है: डॉ एसएन दूबे

बारी कॉपरेटिव कॉलोनी में निवास कर रहे होमियोपैथी के डॉ एसएन दूबे बताते हैं कि वो चंदनकियारी, बाट बिनोर के निवासी हैं. वहां उनका पुश्तैनी मकान है. लेकिन बच्चों की पढ़ाई और अपनी डॉक्टरी के पेशा के चलते वे 1999 पहले बोकारो इस्पात नगर आ शिफ्ट कर गए. उस समय तीन रूम व एक डाईनिंक रूम वाले किराये के मकान का रेंट 1500 रुपये था. दस सालों में यह 5000 हो गया. ज्ञात हो कि कॉपरेटिव कॉलोनी बोकारो शहर के पॉश कॉलोनी में गिनी जाती है. इसके बाद डॉक्टर एसएन दूबे बारी कॉपरेटिव शिफ्ट हो गए. यहां उससे ज्यादा स्पेस था. लेकिन दस साल के अंतराल के बाद आज वो बिजली बिल लेकर दस हजार भाड़ा दे रहे हैं. डॉक्टर एसएन दूबे ने बताया कि पांच साल के अंतराल में भाड़ा दोगुना हो गया. वहीं आमदनी कमतर होती गई. ऐसे में गुजर बसर बमुश्किल से हो पाता है. सरकार को इस बाबत नियमावली बनानी चाहिए ताकि मनमाने भाड़े पर अंकुश लग पाए.

प्रति वर्ष घर का किराया दस प्रतिशत के हिसाब से बढ़ता रहता है: लिपिका डे

चीरा चास अपार्टमेंट में रहने वाली लिपिका डे ने बताया कि दो रूम के अपार्टमेंट का किराया पांच हजार है. प्रति साल दस प्रतिशत के हिसाब से बढ़ता रहता है. इसके बाद भी सुविधा की कमी है. यहां पर पानी और पार्किंग की समस्या होती है. लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया जाता है. किराया को लेकर मकान मालिक गंभीर रहते हैं. इस पर भी रहना चाहिए. वहीं सुरक्षा की बात करें तो वो भी ठीक नहीं है. यहां चोरी की घटनाएं होती रहती हैं. ऐसे में बाहर जाना काफी मुश्किल होता है. ऐसे में किसी को घर में सोने के लिए चाभी देकर जाना पड़ता है. तभी निश्चिंत होकर आप बाहर जा सकते हैं.

पैसे अधिक न लगें इसलिए एक रूम में तीन विद्यार्थी रहते हैं: रजनीश कुमार

स्थानीय कोचिंग सेंटर में पढ़ाई कर रहे रजनीश कुमार ने कहा कि वो लॉज में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं. एक रूम में तीन विद्यार्थी रहते हैं. प्रति बेड के हिसाब से 2500 रुपया वो प्रति माह भुगतान करते हैं. पहले प्रति बेड 1000 रुपया था. लेकिन धीरे धीरे इसमें इजाफा होते गया. हमलोगों को यहीं रहना है तो जो भी होगा और जैसे भी होगा किराया देना होगा. यहां से बाहल जाएंगे तो इस इलाके में किराया इसी के आसपास होगा. इसलिए जाने से अच्छा है यहीं पर रहना. विद्यार्थियों के लिए खर्च जुटाना काफी मुश्किल होता है. जो घर से मजबूत होते हैं वे तो किराए की नहीं सोचते हैं. लेकिन हमलोगों को तो सोचना पड़ता है. आखिर सबकुछ तो पैसे पर टिका होता है. जितना घर से मिले उसी में रहना होता है.

जमशेदपुर

महंगाई बढ़ी पर वेतन भी बढ़ा: ऋषि जायसवाल

सोनारी के एक अपार्टमेंट में रहने वाले ऋषि जायसवाल बीते सात सालों से सोनारी में रह रहे हैं. ऋषि प्राइवेट जॉब करते हैं. अपने छह सदस्यों वाले परिवार के साथ रहते हैं. ऋषि कहते हैं कि पांच साल पूर्व वे तीन कमरों वाले फ्लैट के लिए 12 हजार रुपये देते थे. अब उसी फ्लैट के लिए 15 हजार रुपये दे रहे हैं. बिजली भी पहले से महंगी हुई है. हालांकि इन पांच सालों में घर में बिजली का लोड भी बढ़ा है. जिससे बिल ज्यादा आता है. ऋषि कहते हैं कि जिस तरह से महंगाई बढ़ी है उसी दर से वेतन भी बढ़ा है. इसलिए ठीक ही चल रहा है.

फ्लैट में 1200 रुपए मेंटेनेंस देते हैं: कमल कुमार

सोनारी के ही अपार्टमेंट में दो कमरों वाले फ्लैट में रहने वाले कमल कुमार आठ हजार रुपये और फ्लैट के लिए 1200 रुपये हर माह मेंटेनेंस देते हैं. बिजली का बिल हर माह दो से तीन हजार तक आता है. कमल कहते हैं कि पहले वे जिस फ्लैट में रहते थे उसके सात हजार रुपये मासिक किराया देते थे. पर वहां पानी की काफी समस्या रहती थी. जिस कारण एक साल पूर्व नए अपार्टमेंट में शिफ्ट किया. कमल के अनुसार पूर्व में सात हजार रुपये मासिक और 800 रुपये मेंटेनेंस के लिए लगते थे. बिजली बिल भी 1500 से 2000 तक ही आता था. महंगाई बढ़ी है तो साथ में किराया भी बढ़ा है. इसलिए जो है देना पड़ रहा है.

घर छोटा है, बाथरूम अटैच नहीं है: विकास कुमार

सोनारी के खूंटाडीह में दो कमरों वाले किराए के मकान में रहने वाले विकास कुमार कपड़े के शोरुम में काम कर घर चलाते हैं. वे अपने परिवार के साथ इस मकान में रहते हैं. परिवार में छह लोग हैं. घर से लिए पांच हजार रुपये किराया देते हैं. जिसमें बाथरुम अटैच नहीं है. किसी तरह अडजस्ट कर रह रहे हैं. बिजली बिल पहले एक हजार से 1500 तक आ जाता था. अब 1500 से 2000 तक बिजली का बिल आता है. पांच साल पहले इसी मकान के लिए तीन हजार रुपये महीना किराया देते थे. जो अब बढ़कर पांच हजार रुपये हो गया है. लेकिन किसी तरह तो देते ही हैं.

दो लोग हैं तो किराया आधा हो जाता है: हरीश

सोनारी में फल बेचकर गुजारा करने वाले हरीश मूल रुप से बिहार के रहने वाले हैं. हरीश का परिवार बिहार में रहता है. वे सोनारी के क्रिश्चियन बस्ती में एक कमरे के मकान में अपने एक साथी के साथ रहते हैं. इस कमरे के लिए उन्हें दो हजार रुपये किराया देना पड़ता है. दो लोग हैं तो किराया आधा हो जाता है. कमरे में एक किचन जुड़ा है. बाथरुम कॉमन है. जिसे सभी इस्तेमाल करते हैं. परिवार लाएंगे तो दो कमरों का मकान लेना होगा और किराया भी अधिक लगेगा. जिससे रुपये भी ज्यादा खर्च करने होंगे. लेकिन इसी में किसी तरह रहते हैं. दूसरी जगर जाएंगे तो किराया भी बढ़ जाएगा.

चक्रधरपुर

पांच साल में फ्लैट का किराया 30% बढ़ा: मुकेश

चक्रधरपुर निवासी मुकेश कुमार ने कहा कि पिछले पांच साल में फ्लैट का किराया तीस प्रतिशत बढ़ गया है. उन्होंने बताया कि वे बिहार गया के रहने वाले हैं और एक प्राइवेट संस्थान में काम करते हैं. पिछले लगभग सात सालों से वह चक्रधरपुर में ही किराये पर फ्लैट लेकर रह रहे हैं. दिन प्रतिदिन फ्लैट के किराये में बढ़ोत्तरी हो रही है. जिसके कारण अब काफी आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. वहीं जल्दी किराये पर फ्लैट व घर मिलना भी अब मुश्किल हो गया है. इसलिए जहां हैं वहीं रह रहे हैं. हर जगह तो वही स्थिति होगी.

घर का किराया बढ़ता जा रहा है: रोहित चतुर्वेदी

गोईलकेरा निवासी रोहित चतुर्वेदी ने कहा कि किराये पर घर लेकर बच्चों का शहर लाकर पढ़ाना मुश्किल हो गया है. उन्होंने कहा कि पहले उनके बच्चे चक्रधरपुर के एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ाई करते थे. इसे लेकर उन्हें चक्रधरपुर में ही किराये का एक घर लेना पड़ा था, लेकिन दिन-प्रतिदिन घर का किराया बढ़ने के कारण बच्चे का चक्रधरपुर के स्कूल से नाम कटवाकर, गोईलकेरा के एक स्कूल में नामांकन कराना पड़ा है. आखिर हम यहां पर बच्चों के अच्छे भविष्य के लिए ही हैं. अगर कुछ पढ़ लेंगे तो अच्छा रहेगा. इससे उनका जीवन बेहतर हो जाएगा. लेकिन इस महंगाई में तो यहां किराए में रहना काफी मुश्किल लगने लगा है.

धबनाद

उनके मकान का किराया बीस प्रतिशत बढ़ गया: राहुल श्रीवास्तव

धनबाद में प्राइवेट मकान सहित फ्लैट के किराये में 20 से 30% का इजाफा हुआ है. इसके साथ ही फ्लैट में रहने वाले को मेंटेनेंस चार्ज भी देना पड़ता है. बरटांड़ सूर्य विहार कॉलोनी के प्राइवेट मकान में रहने वाले राहुल श्रीवास्तव ने बताया कि पिछले पांच साल में उनके मकान का किराया बीस प्रतिशत बढ़ गया है. पांच साल पहले दो कमरे के जिस मकान का किराया साढ़े पांच हजार रुपये प्रति माह था. उसका किराया बढ़ कर सात हजार हो गया है. इसके अलावा बिजली का बिल का अलग से देना पड़ता है. प्राइवेट नौकरी करने वाले राहुल के लिए यह रकम बड़ी है. किराया कुछ कम रहती तो राहत होती.

दो कमरे के घर के लिए हमें छह हजार रुपये देने पड़ते हैं: पप्पू सिंह

बिनोद बिहारी चौक के पास अलकारी देवी अस्पताल के नजदीक एक प्राइवेट मकान में रहने वाले पप्पू सिंह ने बताया कि दो कमरे के घर के लिए छह हजार रुपये प्रतिमाह देने पड़ते हैं. इसके अलावा बिजली बिल अलग से देना पड़ता है. प्राइवेट कार्य करने वाले पप्पू ने कहा कि पिछले पांच साल में मकानों के किराये में बढ़ोतरी हुई है. किराया बढ़ाने के लिए एक मापदंड तय किया जाना चाहिए. जिससे मकान मालिकों की मनमानी पर रोक लग सके. मकान मालिक मनमर्जी किराया तय कर लेते हैं. इसे देना पड़ जाता है. घर छोड़कर भी जाना मुमकिन नहीं होता है. आखिर हर जगह इसी तरह की परेशानी होती है.

साधारण से मकान का किराया अब 25 सौ रुपये है: बंटी प्रसाद

हीरापुर श्मशान रोड स्थित किराए के मकान में रहने वाले बंटी प्रसाद ने बताया कि उसके साधारण से मकान का किराया 25 सौ रुपये है. इसके साथ बिजली का बिल अलग से देना पड़ता है. बंटी ने बताया कि पांच साल पहले इसी मकान का किराया दो हजार रुपये प्रतिमाह था. पांच साल में 25 प्रतिशत किराया बढ़ गया है. जिससे काफी परेशानी होती है. आज के दौर में हर किसी के लिए घर खरीदना संभव नहीं है. घर भी अब नहीं मिलता है. इसके लिए अपार्टमेंट जाना पड़ता है. वहां की कीमत काफी अधिक होती है.

रांची

किराये के मकान काफी महंगे हो गए हैं : डब्बू शर्मा

रातु रोड निवासी डब्बू शर्मा ने कहा कि अपार्टमेंट में पिछले 15 वर्षों से किराये में रह रहे हैं. तीन बीएचके के मकान का 4500 रुपये मासिक देते हैं. उन्होंने कहा कि आज से पांच साल पूर्व 3000 रुपये किराया लगते थे. पर अब महंगाई बढ़ गई है. इसलिये अपनी कमाई के कुछ पैसे किराये के लिये जमा करते हैं, ताकि माह पूरा होने के समय परेशानी नहीं हो. नहीं तो जिस तरह से किराया बढ़ रहा है, उससे किराया देना आसान नहीं है.

पांच साल पहले दो हजार रुपया था किराया : उत्तम

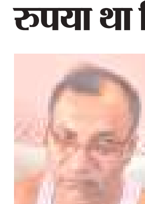

इंद्रपुरी निवासी उत्तम कुमार ने कहा कि दो बड़े हॉल के कमरे में किराये पर रहता हूं. उसका किराया 4500 रुपये है. पांच साल पूर्व दो हजार रुपये किराया था. अब महंगाई बढ़ गई है. इसलिये किराया भी बढ़ कर ही लगता है. उन्होंने कहा कि मकान के किराये की राशि के लिये पैसे जमा करते रहते हैं. इसकी चिंता रहती है. जब माह पूरा हो जाता है, तो मकान मालिक को किराये के पैसे जमा कर देते हैं. इससे मकान मालिक भी खुश रहता है.

अब टू बीएचके के मकान का किराया पांच हजार है : समीर

आजादी हिंद नगर निवासी मो समीर ने कहा कि टू बीएचके का मकान है. इस मकान का पांच हजार रुपया किराया मासिक रूप में देते हूं. पानी व बिजली की अच्छी सुविधा है. ऐसे पांच साल पूर्व इस मकान का तीन हजार रुपया किराया था. अब महंगाई की वजह से किराया भी बढ़ गया है. अपनी कमाई से रोजाना काट-काट कर किराये के पैसे जमा करते हैं. ताकि बाद में किराया देने के लिए सोचना नहीं पड़े.

महंगाई की वजह से किराया भी अब बढ़ गया: नागेश्वर

मधुकम निवासी नागेश्वर साव ने कहा कि 20 साल से किराये के मकान में ही रह रहा हूं. एक कमरे के छोटे मकान का किराया दो हजार रुपये मासिक लगता है. आज से पांच साल पूर्व इस मकान का किराया इससे आधा यानी एक हजार रुपये लगते थे. लेकिन बढ़ती महंगाई की वजह से किराया भी अब बढ़ गया है. एक साथ बोझ ना पड़े इसके लिये रोजाना कमाई के कुछ हिस्से के पैसे जमा करता हूं. आमतौर पर सबकी यही स्थिति है.

कुछ राशि किराये के लिए जमा करता रहता हूं: राजेश

हरमू निवासी राजेश कुमार ने कहा कि टू बीएचके मकान का पांच हजार रुपये किराया लगता है. पांच साल पूर्व इस मकान का किराया तीन हजार रुपये लगते थे. महंगाई की वजह से किराया बढ़ गया है. मासिक किराया जमा करने में परेशानी नहीं हो इसके लिये रोजाना अपनी कमाई से कुछ राशि किराये के लिये जमा करता हूं, ताकि माह पूरा होने पर सुविधा मिले. अपना घर होता तो अच्छा रहता.

उदासीनता के मायने

किसी भी देश में चुनावों में उत्साहहीन मतदाता अनेक संकेत देते हैं. इसमें एक महत्व का संदेश तो यही होता है कि पूरी सत्ता संरचना को लेकर लोगों में मन में अनेक सवाल खड़े हो जाते हैं और उनके रोजमर्रे की जिंदगी भी एक ऐसे मुकाम पर होती है, जिसमें उम्मीद के लिए अवसर कम हो जाते हैं. इसलिए नाउम्मीदी के कारणों को समझने और उसे हल करने की दिशा में तत्काल पहल की जरूरत है. चुनाव के पूरे समय जिस तरह की उत्साहहीनता का प्रदर्शन देखने को मिला है, उसे नजरअंदाज करने का मतलब यह है कि आने वाले दिनों में देश को कई तरह के संकटों का सामना करना पड़ सकता है. लोग केवल वायदे या दीर्घकालिक सपनों पर भरोसा नहीं कर रहे हैं. उनकी समस्या गंभीर है और उनका आर्थिक सामाजिक हल भी फौरी तौर पर होने की जरूरत है. उदासीनता के इस पहलू को और गंभीरता से समझने की जरूरत है. तकरीबन तीन दशक पहले निराशावाद पर एक किताब आई थी. उसमें कहा गया था कि दुनिया में हमेशा ऐसा रहेगा, जब दुनिया विकास के पथ पर नए मुकाम हासिल करेगी, लेकिन लोग यही कहते सुने जाएंगे कि चीजें पहले बहुत अच्छी थीं. एक ताजा अध्ययन से सामने आए निष्कर्ष ने उस किताब की याद ताजा कर दी है. आज अधिकांश लोग यही मान कर चल रहे हैं कि मनुष्य में दया, दूसरे के लिए सम्मान का भाव और ईमानदारी जैसे गुण खत्म होते जा रहे हैं. बहरहाल, मनोवैज्ञानिकों ने आगाह किया है कि ऐसी राय सिर्फ एक स्वभावगत भ्रम है. नए अध्ययन की रिपोर्ट मशहूर पत्रिका नेचर के ताजा अंक में प्रकाशित हुई है. अध्ययन 60 देशों में हुए एक सर्वेक्षण पर आधारित है. इस सर्वे के दौरान ज्यादातर लोगों ने यही राय जताई कि बीते छह-सात दशकों में नैतिकता में भारी गिरावट आई है. इस दौरान लोगों से एक सवाल यह पूछा गया कि उनकी राय में 2020, 2010 और साल 2000 में कौन सा ऐसा वक्त था, जब स्थितियां बेहतर थीं. दौरान आम राय उभरी कि अब दया की भावना और नैतिकता में गिरावट आई है. ऐसी राय हाई स्कूल में पढ़ रहे छात्रों से लेकर उनके माता-पिता की पीढी तक ने जताई. लिबरल से लेकर कंजरवेटिव दोनों तरह के व्यक्तियों को इस मामले में एकमत पाया गया. मगर खुद इसी अध्ययन से जुड़े विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि दशकों पहले हुए सर्वेक्षणों में भी लोगों ने ऐसी ही राय जताई थी. इसका अर्थ यह हुआ कि नैतिक पतन की बात एक भ्रम है. दरअसल, ऐसे कई संभव कारण हो सकते हैं, जिनकी वजह ऐसा भ्रम पैदा होता है. मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक इनसान का स्वभाव ऐसा है, जिसमें वह नकारात्मक सूचनाओं पर अधिक ध्यान देता है. इसके अलावा देखा गया है कि मनुष्य की बुरी यादें अच्छी यादों की तुलना जल्दी भूल जाती हैं. ऐसे में अक्सर यह महसूस होता है कि पहले स्थितियां बेहतर थीं. यानी मनुष्य का यही स्वभाव ऐसे भ्रम का कारण बनता है.

> अध्ययन 60 देशों में हुए एक सर्वेक्षण पर आधारित है. इस सर्वे के दौरान ज्यादातर लोगों ने यही राय जताई कि बीते छह–सात दशकों में नैतिकता में भारी गिरावट आई है.

सुभाषित

लालयेत् पंच वर्षाणि दश वर्षाणि ताडयेत्।
प्राप्ते षोडशे वर्षे पुत्रे मित्रवदाचरेत्॥

पांच वर्ष की अवस्था तक पुत्र को खूब लाड़-प्यार देना चाहिए. पांच से दस वर्ष की अवस्था के बीच तक उसी की भलाई के लिए उसे ताड़ना देना चाहिए. वही पुत्र जब सोलह वर्ष की अवस्था प्राप्त कर ले तो उसके साथ कड़ा व्यवहार करने से परहेज करते हुए उससे मित्रवत व्हार करना चाहिए.

प्रधानमंत्री मोदी और आरक्षण का सवाल

बीजेपी लोकसभा चुनाव जीतने के लिए जिस तरह से अल्पसंख्यक, ख़ासतौर पर मुस्लिम विरोधी अभियान चला रही है, उसने संवैधानिक मूल्यों और स्वतंत्रता संग्राम के संकल्पों पर धूल डाल दी है. ज़्यादा अफ़सोस की बात यह है कि यह अभियान सीधे प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति के नेतृत्व में चल रहा है और पूरी दुनिया इसे नोटिस कर रही है. भारत का मुख्यधारा मीडिया लगातार ढोल बजा रहा है कि मोदी के नेतृत्व में भारत का रुतबा वास्तव में विश्वगुरु सरीखा है.

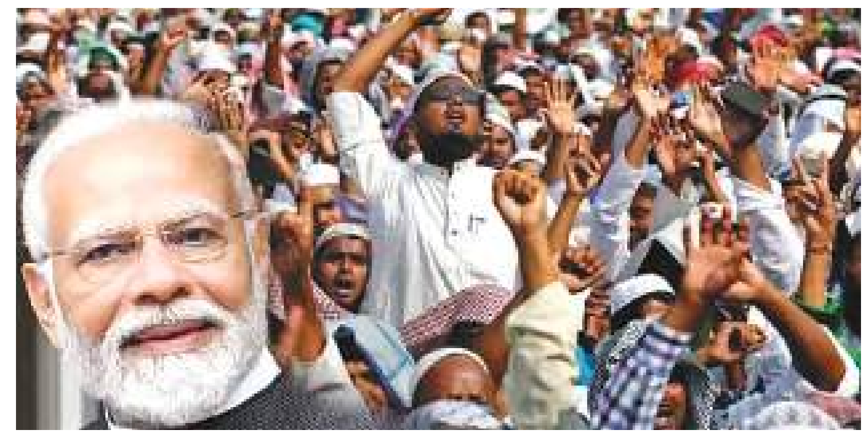

• देश-काल

पंकज श्रीवास्तव

"जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था तो 70 मुस्लिम समूहों को ओबीसी के रूप में आरक्षण मिलता था, लेकिन मैंने इसे कभी प्रचारित नहीं किया!" यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का है, जो उन्होंने 9 फ़रवरी 2022 को समाचार एजेंसी एएनआई के अपने इंटरव्यू में दिया था. 'मुस्लिम विरोधी'होने की तोहमत के जवाब में उन्होंने मुस्लिमों की ओबीसी जातियों को आरक्षण दिये जाने की नीति का सहारा लिया था. लेकिन लोकसभा चुनाव का अंतिम दौर आते-आते पीएम मोदी ने मुस्लिमों को मिलने वाले इस आरक्षण के ख़िलाफ़ एक युद्ध जैसा छेड़ दिया है. वे इसे ओबीसी कोटे में 'डाका' बता रहे हैं. उनकी देखा-देखी गृहमंत्री अमित शाह समेत कई दूसरे बीजेपी नेता भी इस 'मुस्लिम आरक्षण'को ख़त्म करने का ऐलान कर रहे हैं. प्रधानमंत्री मोदी और उनकी टीम ऐसा करते हुए दरअसल, मंडल कमीशन के विरोध में जा खड़ी हुई है. स्वतंत्रता सेनानी और बिहार के सातवें मुख्यमंत्री रहे बीपी मंडल ने 1979 में ओबीसी जातियों को 27 फ़ीसदी आरक्षण देने की सिफ़ारिश की थी. इनमें मुस्लिम पिछड़ी जातियों को भी जगह दी गयी थी. वामपंथी ही नहीं, विवेकानंद जैसे महान हिंदू विचारक भी मानते हैं कि जाति आधारित ऊंच-नीच ने धर्मांतरण में बड़ी भूमिका निभाई थी. यही वजह है कि एक ही पिछड़ी जाति हिंदू- और मुसलमान दोनों में पायी जाती है. धर्म बदलने से उनकी पिछड़ी जाति की पहचान में कोई फ़र्क़ नहीं आता है. मंडल कमीशन ने इसी पिछड़ेपन को ध्यान में रखते मुस्लिमों की ओबीसी जातियों को भी अपनी सूची में शामिल किया था. प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी का चुनावी अभियान सीधे-सीधे मंडल कमीशन को चुनौती दे रहा है और उन आशंकाओं को सही साबित कर रहा है, जो कभी पाकिस्तान के पक्ष में तर्क देते हुए मो. अली जिन्ना ने जताया था. जिन्ना ने कहा था कि आज़ाद भारत में बहुसंख्यक हिंदुओं का शासन होगा और मुस्लिमों को दूसरे दर्जे का नागरिक बनकर रहना होगा. महात्मा गाँधी, पं. नेहरू, सरदार पटेल और मौलाना आज़ाद जैसी विभूतियों ने जिन्ना के तर्क को ख़ारिज करते हुए जिस 'आइडिया ऑफ़ इंडिया' की परिकल्पना सामने रखी थी, उसमें किसी के साथ धर्म के आधार पर भेदभाव की गुंजाइश नहीं थी. डॉ. आंबेडकर ने संविधान लिखते समय इस बात का ख़ास ख़्याल रखा कि किसी भी जाति या धर्म का होने की वजह से किसी के नागरिक अधिकार कम या ज़्यादा न हों. मुसलमान या अन्य अल्पसंख्यक भी उन्हीं नागरिक अधिकारों से लैस हों, जो बहुसंख्यकों के पास हों.

ओबीसी आरक्षण में मुस्लिम पिछड़ी जातियों को शामिल किया जाना अब एक संवैधानिक प्रावधान है. संविधान के अनुच्छेद 16 (4) में यह व्यवस्था है. केंद्र की ओबीसी लिस्ट में कैटेगरी 1 और 2A में मुस्लिमों की 36 जातियों को शामिल किया गया है, जिन्हें आरक्षण का लाभ मिलता है. यही नहीं, 1992 में इंदिरा साहनी केस बनाम केंद्र सरकार मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट किया था कि अगर कोई सामाजिक समूह पिछड़ा हो तो उसे पिछड़ा वर्ग माना जाएगा, फिर चाहे उसकी धार्मिक पहचान कुछ भी हो. प्रधानमंत्री मोदी के 'ओबीसी मुस्लिम आरक्षण विरोधी' भंगिमा इसलिए भी हैरान करती है, क्योंकि केंद्रीय स्तर पर 36 मुस्लिम जातियों को मंडल कमीशन की सिफ़ारिशों के आधार पर आरक्षण दिया जाता है. अपने दस साल के कार्यकाल में पीएम मोदी ने कभी इसका विरोध नहीं किया. विरोध तो छोड़िए, इस पर पुनर्विचार की भी बात बीजेपी के किसी कोने से नहीं उठी. लगता है कि कांग्रेस की सामाजिक न्याय को लेकर घोषित स्पष्ट नीतियों ने प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी का आत्मविश्वास डिगा दिया है. जिस तरीक़े से राहुल गांधी सामाजिक और आर्थिक जाति जनगणना कराने और 'जितनी आबादी उतना हक़' का नारा दे रहे हैं वह दलितों, आदिवासियों और ओबीसी जातियों को काफ़ी आकर्षित कर रहा है. ऐसे में बीजेपी के रणनीतिकार ओबीसी के मन में मुसलमानों का डर बैठाने ज़्यादा अफ़सोस की बात यह है कि यह अभियान सीधे प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति के नेतृत्व में चल रहा है और पूरी दुनिया इसे नोटिस कर रही है. भारत का मुख्यधारा मीडिया लगातार ढोल बजा रहा है कि मोदी के नेतृत्व में भारत का रुतबा वास्तव में विश्वगुरु सरीखा है. प्रधानमंत्री मोदी के इशारे पर रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध रुक जाता है या इज़रायल गाज़ापट्टी पर बमवर्षा रोक देता है. लेकिन हक़ीक़त यह है कि अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) ने लगातार पांचवें वर्ष भारत को ₹विशेष चिंता वाला देश (सीपीसी)" के रूप में नामित करने की सिफारिश की है. सीपीसी उन देशों की सूची है जहां ₹धार्मिक स्वतंत्रता का व्यवस्थित, निरंतर और गंभीर उल्लंघन होता है₹. इस आयोग की स्थापना अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम (आईआरएफए) के अनुसार की गई है. चुनाव का अब एक ही चरण बचा है और 'मुग़ल, मछली, मंगलसूत्र' से चलती हुई प्रधानमंत्री की भाषा 'मुजरा' तक पहुंच चुकी है. यह सीधे-सीधे उनकी बौखलाहट का नतीजा है. दस साल में बेरोज़गारी, महंगाई या अन्य किसी भी मोर्चे पर उल्लेखनीय उपलब्धियां गिनाने के बजाय (जिन्हें पता करना वाक़ई मुश्किल है) पीएम मोदी विपक्ष, ख़ास तौर पर कांग्रेस का डर दिखाने में जुट गये हैं. गोया कांग्रेस ने कभी इस देश पर शासन नहीं किया या जब उसने शासन किया था तो उसका काम लोगों का मंगलसूत्र या भैंस छीनना था. जनता के बीच मोदी के इन बयानों का इस्तेमाल चुटकुलों की तरह हो रहा है.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

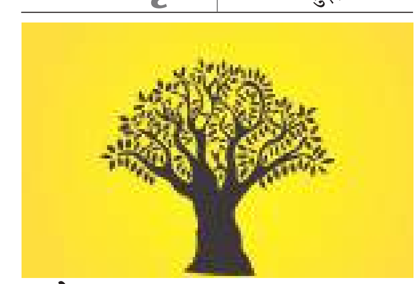

परोपकार बनाम स्व-उपकार

एक बार पचास लोगों का ग्रुप किसी सेमीनार में हिस्सा ले रहा था. सेमीनार शुरू हुए अभी कुछ ही मिनट बीते थे कि- स्पीकर अचानक ही रुका और सभी पार्टिसिपेंट्स को गुब्बारे देते हुए बोला , "आप सभी को गुब्बारे पर इस मार्कर से अपना नाम लिखना है." सभी ने ऐसा ही किया. अब गुब्बारों को एक दूसरे कमरे में रख दिया गया. स्पीकर ने अब सभी को एक साथ कमरे में जाकर पांच मिनट के अंदर अपना नाम वाला गुब्बारा ढूंढने के लिए कहा. सारे पार्टिसिपेंट्स तेजी से रूम में घुसे और पागलों की तरह अपना नाम वाला गुब्बारा ढूंढने लगे. पर इस अफरा-तफरी में किसी को भी अपने नाम वाला गुब्बारा नहीं मिल पा रहा था...पांच मिनट बाद सभी को बाहर बुला लिया गया. स्पीकर बोला , "अरे! क्या हुआ , आप सभी खाली हाथ क्यों हैं ? क्या किसी को अपने नाम वाला गुब्बारा नहीं मिला ?" ₹नहीं ! हमने बहुत ढूंढा पर हमेशा किसी और के नाम का ही गुब्बारा हाथ आया", एक पार्टिसिपेंट कुछ मायूस होते हुए बोला. "कोई बात नहीं, आप लोग एक बार फिर कमरे में जाइये, पर इस बार जिसे जो भी गुब्बारा मिले उसे अपने हाथ में ले और उस व्यक्ति का नाम पुकारे] जिसका नाम उसपर लिखा हुआ है.", स्पीकर ने निर्देश दिया. एक बार फिर सभी पार्टिसिपेंट्स कमरे में गए, पर इस बार सब शांत थे और कमरे में किसी तरह की अफरा- तफरी नहीं मची हुई थी. सभी ने एक दूसरे को उनके नाम के गुब्बारे दिए और तीन मिनट में ही बाहर निकले आये. स्पीकर ने गम्भीर होते हुए कहा , "बिलकुल यही चीज हमारे जीवन में भी हो रही है. हर कोई अपने लिए ही जी रहा है, उसे इससे कोई मतलब नहीं कि वह किस तरह औरों की मदद कर सकता है. वह तो बस पागलों की तरह अपनी ही खुशियां ढूंढ रहा है, पर बहुत ढूंढने के बाद भी उसे कुछ नहीं मिलता. मित्रो, हमारा सुख दूसरों के सुख के साथ प्रतिबद्ध है. स्वार्थी मानसिकता त्याग कर दूसरों को अर्पण की गई खुशियां हमारी ही ख़ुशी का द्वार होती हैं. जब हम औरों को उनकी खुशियां देने की प्रवृत्ति बना लेंगे, हमारी खुशियां हमें खोजती चली आएगी. सबसे बड़ी बात यह है कि अगर संसार में सभी लोग अपने लिए नहीं सोचकर केवल और केवल दूसरों के लिए ही सोचें, दूसरों के उपकार के लिए अपने सारे प्रयत्नों को झोंक दें तो फिर किसी को अपने बारे में सोचने की आवश्यकता ही नहीं रह जाएगी.

राफा पर इजराइली हमले और बढ़ती हताशा

• देशांतर

प्रमोद जोशी

संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) ने शुक्रवार 24 मई को इजराइल को आदेश दिया है कि वह दक्षिणी गाजा के राफा शहर पर चल रही कार्रवाई को फौरन रोक दे और वहाँ से अपनी सेना को वापस बुलाए. यह आदेश दक्षिण अफ्रीका की उस अपील के आधार पर दिया गया है, जिसमें इजराइल पर फलस्तीनियों के नरसंहार का आरोप लगाया गया था. बावजूद इस आदेश के, लगता नहीं कि इजराइली कार्रवाई रुकेगी. इस आदेश के बाद 48घंटों में इजराइली विमानों ने राफा पर 60से ज्यादा हमले किए हैं. उधर पिछले रविवार को फलस्तीनी संगठन हमास ने तेल अवीव पर एक बड़ा रॉकेट हमला करके यह बताया है कि साढ़े सात महीने की इजराइली कार्रवाई के बावजूद उसके हौसले पस्त नहीं हुए हैं. दोनों पक्षों को समझौते की मेज पर लाने में किसी किस्म की कामयाबी नहीं मिल पा रही है. आईसीजे के प्रति इजराइली हुक्म-उदूली की वजह उसकी फौजी ताकत ही नहीं है, बल्कि उसके पीछे खड़ा अमेरिका भी है, जो उसे रोक नहीं रहा है. दूसरी तरफ मसले के समाधान से जुड़ी जटिलताएं भी आड़े आ रही हैं. इजराइल के वॉर कैबिनेट मिनिस्टर बेनी गैंट्ज़ ने कहा है कि फैसला सुनाने के बाद आईसीजे के जज तो अपने घर जाकर चैन की नींद सोएंगे, जबकि हमास द्वारा बंधक बनाए गए 125 इजराइली अब भी यातना झेलने को मजबूर हैं. राफा में जारी हमले को तत्काल रोकने का सवाल ही नहीं उठता. जब तक हम बंधकों को छुड़ा कर वापस नहीं ले आते, तब तक यह युद्ध जारी रहेगा. इस साल यह तीसरा मौका है, जब आईसीजे ने इस मामले में हस्तक्षेप किया है. यह आदेश हालांकि कानूनन बाध्यकारी है, पर आईसीजे के पास अपनी कोई सेना या पुलिस नहीं होती है, जो इसे लागू करा सके. इस वजह से और इजराइल के पीछे अमेरिकी-समर्थन से जुड़ी ज़मीनी वास्तविकता को देखते हुए भी लगता नहीं कि इजराइल इस आदेश का पालन करेगा. अलबत्ता, बैकरूम बातचीत से उम्मीद लगाई जा सकती है. पर, ऐसी बातचीत भी तभी सफल होगी, जब इससे जुड़े सभी असरदार देश एक पेज पर हों. इसमें दो राय नहीं कि पश्चिम एशिया की समस्या का समाधान अनेक दूसरी समस्याओं का समाधान भी करेगा. भारत की दृष्टि से यह समाधान हमारी आर्थिक-प्रगति के लिहाज से भी बहुत जरूरी है. इस लड़ाई के कारण भारत और यूरोप के बीच पश्चिम एशिया कॉरिडोर का काम थम गया है. वहीं हाल में हुआ चाबहार बंदरगाह समझौता भी सही मायनों में तभी सफल होगा, जब इन झगड़ों का समाधान होगा. इस आदेश के अलावा पिछले हफ्ते 22 मई को यूरोप के तीन देशों, स्पेन, नॉर्वे और आयरलैंड ने फिलिस्तीन को राष्ट्र के तौर पर मान्यता देने की घोषणा की है. इस घोषणा से यूरोप के दूसरे देशों पर दबाव बढ़ रहा है कि वे फिलिस्तीनियों के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करें. इनमें ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी भी भूमिका है. व्यावहारिक रूप से तीन देशों की मान्यता से इजराइल पर दबाव बनता नज़र नहीं आ रहा है, अलबत्ता इससे पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर अमेरिका और यूरोप के देशों के बीच बढ़ती असहमति पर रोशनी जरूर पड़ रही है. कह सकते हैं कि पश्चिम एशिया की समस्या के स्थायी-समाधान के रास्ते खोलने की कोशिशों को बल मिल रहा है. फरवरी में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा था-फिलिस्तीन को राष्ट्र के तौर पर मान्यता देने में हमें दिक्कत नहीं है. 10 मई को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 193 सदस्य देशों में से 143 ने फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र की पूर्ण सदस्यता दिलाने के पक्ष में वोट दिया था. इनमें भारत भी शामिल था. फ्रांस ने भी सदस्यता दिलाने के पक्ष में वोटिंग भी की थी, पर महासभा के प्रस्ताव का व्यावहारिक अर्थ नहीं होता. उसके लिए सुरक्षा परिषद की सहमति चाहिए. इसके पहले अप्रेल में सुरक्षा परिषद में ऐसे ही एक प्रस्ताव पर अमेरिका ने वीटो कर दिया था. मान्यता देने में अमेरिका को भी आपत्ति नहीं है, पर वह इस नीति के व्यावहारिक-पक्ष को समझना चाहता है. अर्थात, इस समस्या का स्थायी समाधान. ब्रिटेन के विदेशमंत्री डेविड कैमरन और कुछ दूसरे यूरोपीय देश ने बीते कुछ महीनों में फिलिस्तीन के मसले पर अपना रुख़ बदला है. वे अब यह मानने लगे हैं कि फिलिस्तीन को पहले मान्यता देनी चाहिए, ताकि राजनीतिक समाधान का माहौल तैयार करने में मदद मिले. यह सदस्यता सिर्फ़ संप्रभु देशों को मिलती है. संयुक्त राष्ट्र में फ़िलहाल फिलिस्तीन को पर्यवेक्षक यानी ऑब्ज़र्वर का दर्जा हासिल है. उसे सीट तो मिली है, पर वोट देने का अधिकार उसके पास नहीं है.

> 10 मई को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 193 सदस्य देशों में से 143 ने फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र की पूर्ण सदस्यता दिलाने के पक्ष में वोट दिया था. इनमें भारत भी शामिल था. फ्रांस ने भी सदस्यता दिलाने के पक्ष में वोटिंग भी की थी, पर महासभा के प्रस्ताव का व्यावहारिक अर्थ नहीं होता. उसके लिए सुरक्षा परिषद की सहमति चाहिए.

अमीर होते देश में आत्महत्या की विवशता

• सामयिकी

विवेकानंद माथने

भारत में बढ़ती आत्महत्याएं चिंता का विषय है. वैसे इसके कई कारण दिये जा सकते हैं, लेकिन आत्महत्या मुक्त भारत की दिशा में आगे बढ़ने और उसके सही कारणों को जानकर उपाय करना जरुरी है. 'एनसीआरबी' (नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो) की रिपोर्ट के अनुसार भारत में हुई आत्महत्याओं का आर्थिक, व्यावसायिक, शैक्षणिक और आयु के आधार पर विश्लेषण करने पर जो तस्वीर उभरती है, उससे स्पष्ट होता है कि बढ़ती आत्महत्याओं के लिए सरकारी नीतियां अधिक जिम्मेदार हैं. 'एनसीआरबी' की रिपोर्ट के अनुसार भारत में वर्ष 2022 में कुल एक लाख 70 हजार 924 आत्महत्याएं हुई हैं और आत्महत्याओं की दर 12.4 रही है. भारत में प्रतिदिन 468 आत्महत्याएं हुई हैं. वर्ष 2014 में कुल एक लाख 31 हजार 666 आत्महत्याएं हुई थीं और आत्महत्याओं की दर 10.6 रही थी. पिछले 9 साल में आत्महत्याएं और उसकी दर निरंतर बढ़ती जा रही है. 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' के आंकड़ों के अनुसार 2019 में दुनिया में 7 लाख 3 हजार आत्महत्याएं हुई हैं. इसमें से 77 प्रतिशत आत्महत्याएं निम्न और मध्यम आय वाले देशों में हुई हैं. वैश्विक स्तर पर 15 से 29 साल के बच्चों में आत्महत्या मृत्यु का चौथा प्रमुख कारण रहा है. आत्महत्या की दर भेदभाव के शिकार हुए कमजोर समूहों में अधिक है. संख्या की दृष्टि से आत्महत्याओं में भारत दुनिया में नंबर एक पर है. आत्महत्याओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत समस्याएं, सामाजिक और आर्थिक कारक प्रमुख कारण माने जाते हैं. मानसिक कारकों में अवसाद, चिंता, तनाव और सामाजिक-आर्थिक कारकों में गरीबी, बेरोजगारी, कर्ज, सामाजिक बहिष्कार, भेदभाव आत्महत्या के जोखिम को बढ़ाते हैं. संघर्ष, आपदा, हिंसा, दुर्व्यवहार, नुकसान का अनुभव और अकेलेपन की भावना आत्मघाती व्यवहार से करीबी से जुड़ी हुई है. संकट के क्षणों में आवेग में अधिक आत्महत्याएं होती हैं. शैक्षणिक स्थिति के आधार पर दसवीं कक्षा से कम पढ़े 67.9 प्रतिशत और दसवीं से बारहवीं कक्षा तक पढ़े 15.9 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्याएं की हैं. कुल आत्महत्याओं में 12 वीं कक्षा तक पढ़े 83.8 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या की है. इनमें से नौ प्रतिशत लोगों की शिक्षा की जानकारी नहीं है. इसमें बारहवीं से कम की संख्या जोड़ने पर बारहवीं तक पढ़े लोगों में आत्महत्याएं करने वालों की संख्या में और बढ़ोतरी होगी. आत्महत्याओं में बारहवीं से अधिक पढ़े 7.2 प्रतिशत लोगों का समावेश है. आर्थिक स्थिति के आधार पर वार्षिक एक लाख रुपये से कम आय वर्ग में, यानी मासिक आठ हजार रुपये से कम मासिक आय वर्ग में 64.3 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्याएं की हैं. वार्षिक 1 से 5 लाख रुपये आय वर्ग, याने मासिक 8 हजार से 42 हजार रुपये आय वर्ग में 30.7 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्याएं की हैं. कुल आत्महत्याओं में 5 लाख से कम आय वर्ग में 95 प्रतिशत लोगों ने और 5 लाख से अधिक आय वर्ग में 5 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या की हैं. व्यवसायिक स्थिति के आधार पर गृहिणी 14.8 प्रतिशत, विद्यार्थी 7.6 प्रतिशत, बेरोजगार 9.2 प्रतिशत, स्वयं रोजगार करने वाले 11.4 प्रतिशत, खेती कार्य करने वाले 6.6 प्रतिशत, दैनिक मजदूरी करने वाले 26.4 प्रतिशत लोग हैं. वेतन पाने वाले 9.6 प्रतिशत और सेवानिवृत्त 0.8 प्रतिशत हैं. अन्य 13.5 प्रतिशत हैं. इससे एक बात स्पष्ट होती है कि लगभग 76 प्रतिशत आत्महत्याएं असुरक्षित रोजगार के क्षेत्र में हुई हैं. अज्ञात आंकड़ों में जोड़ने से यह आंकड़ा और बढ़ेगा. आयु के आधार पर कुल आत्महत्या पीड़ितों में सबसे अधिक 59 हजार 108 याने 34.58 प्रतिशत आत्महत्याएं 18 से 30 साल आयु के लोगों की हुई हैं और 54 हजार 351 याने 31.8 प्रतिशत आत्महत्याएं 30 से 45 साल आयु के लोगों की हुई हैं. व्यक्ति को आर्थिक और सामाजिक स्थिरता प्राप्त करने के लिहाज से यह उम्र सबसे महत्वपूर्ण होती है. कुल आत्महत्याओं में 5 लाख से कम आय वर्ग में 95 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या की हैं. 12 वीं कक्षा तक पढ़े 83.8 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या की है. 76 प्रतिशत से अधिक आत्महत्या असुरक्षित रोजगार के क्षेत्र में हुई है. रोजगार और आर्थिक स्थिरता प्राप्त करने की उम्र में 66.38 प्रतिशत आत्महत्या हुई हैं. भारत में कुल आत्महत्याओं का आर्थिक, व्यवसायिक, शैक्षणिक और आयु के आधार पर विश्लेषण करने से स्पष्ट होता है कि आत्महत्याओं के लिए गरीबी, शिक्षा की कमी और असुरक्षित रोजगार अधिक जिम्मेदार है. ये आंकड़े भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था और खेती-किसानी की दुर्दशा तथा बढ़ती बेरोजगारी से युवाओं में बढ़ते तनाव की स्थिति को दर्शाते हैं.

> आयु के आधार पर कुल आत्महत्या पीड़ितों में सबसे अधिक 59 हजार 108 याने 34.58 प्रतिशत आत्महत्याएं 18 से 30 साल आयु के लोगों की हुई हैं और 54 हजार 351 याने 31.8 प्रतिशत आत्महत्याएं 30 से 45 साल आयु के लोगों की हुई हैं. व्यक्ति को आर्थिक और सामाजिक स्थिरता प्राप्त करने के लिहाज से यह उम्र सबसे महत्वपूर्ण होती है.

मीडिया में अन्यत्र

भारतीय सिनेमा की बड़ी जीत

पायल कपाड़िया द्वारा 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' के लिए कान्स फिल्म समारोह में ग्रैंड प्रिक्स पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय फिल्मकार बनकर इतिहास रचने का क्षण सिनेमाई स्मृति में अंकित रहेगा. जैसे ही यह 38 वर्षीया फिल्मकार मंच पर आईं, उन्होंने अपनी फिल्म की तीन मुख्य नायिकाओं - कानी कुसरुति, दिव्या प्रभा और छाया कदम - को अपने साथ खींच लिया और पुरस्कार के साथ इन चारों महिलाओं का तस्वीरें खिंचवाना इस फिल्म समारोह के 77वें संस्करण एवं निश्चित रूप से भारतीयों के लिए एक यादगार दृश्य बन गया. भारत-फ्रांस सहयोग से बनी और 'मैक्सिमम सिटी' मुंबई में काम करने वाली दो मलयाली नर्सों और प्रवासियों की कहानी पर रोशनी डालने वाली उनकी पहली त्रिभाषी फीचर फिल्म को पाल्मे डी'ओर (जो अमेरिकी निर्देशक सीन बेकर की 'एनोरा' को मिला) के बाद दूसरा सर्वोच्च सम्मान मिलना भारतीय सिनेमा की एक बड़ी जीत है. आखिरी बार 30 साल पहले 1994 में शाजी एन. करुण की 'स्वाहम' के रूप में कोई भारतीय फिल्म इस समारोह के प्रतियोगिता खंड में शामिल हुई थी. पुरस्कार को स्वीकार करते हुए कपाड़िया ने अपने भाषण में कहा, "कृपया एक और भारतीय फिल्म के लिए 30 साल तक इंतजार न करें." एक आम गीत-और-नृत्य या नामचीन सितारों वाली फिल्म से हटकर, कपाड़िया की यह फिल्म तीन अलग-अलग महिलाओं के बीच की दोस्ती के बारे में है. उन्होंने कहा कि दोस्ती उनके लिए एक बेहद ही महत्वपूर्ण रिश्ता है, क्योंकि यह एक-दूसरे के प्रति व्यापक एकजुटता, समावेशिता और सहानुभूति का जज्बा पैदा करता है. ये वे मूल्य हैं जिनके लिए हम सभी को प्रयास करना चाहिए." एक और महत्वपूर्ण बात कपाड़िया की यह टिप्पणी है कि "एक फिल्म बनाने के लिए एक गांव की जरूरत होती है". अपने कलाकारों और सहकर्मियों को धन्यवाद देते हुए, कपाड़िया ने भारतीय फिल्म-निर्माण से जुड़े परिवेश के बारे में बात की. उन्होंने कहा, "भारत में दिलचस्प फिल्में बन रही हैं और मैं तो सिर्फ उसकी एक देन भर हूं." उन्होंने फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) के योगदानों को भी याद किया, जिसके साथ उनका परिचय 2015 में हुआ था और जहां उनके मुताबिक उन्होंने दुनियाभर की फिल्मों के बारे में जाना. वह अधिकांश राज्यों में फिल्म उद्योग की मजबूत उपस्थिति को लेकर उत्साहित थीं. उन्होंने अच्छे सिनेमा के समर्थन के लिए मलयालम फिल्म उद्योग का खास तौर पर जिक्र किया. (द हिंदू)

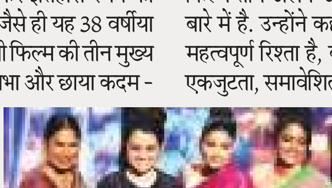

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

इबादत/इबारत

माता -पिता की सेवा करना किसी इबादत से कम नहीं है. यह तो अकाट्य सत्य है. धरती पर उतारने से लेकर पूरे लाड़-प्यार के साथ दुनिया में मान-सम्मान के साथ सिर ऊंचा कर जीने के काबिल बनाने के काम माता-पिता ही तो करते हैं. इसलिए हर मनुष्य का यह कर्तव्य है कि वह अपने माता-पिता की सेवा करे, जो भगवान की इबादत के बराबर है. दुनिया के सभी धर्म-ग्रंथों में यही शिक्षा दी गयी है. अब सवाल यह है कि यह इबादत आखिर है क्या? तो इस पर विचार करते हैं. इबादत अरबी भाषा से उर्दू के माध्यम से हिंदी में आया संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है, जिसका सामान्य अर्थ है आराधना. एक शायर ने इस शब्द का खूबसूरत इस्तेमाल इस प्रकार किया है-उन्हें शौक ए इबादत भी है और गाने की आदत भी, निकलती हैं दुआएं उनके मुंह से ठुमरियां होकर. इसे ईश्वर को समर्पित याचिका भी कहा जाता है. हिंदी भाषा प्रयोग में आनेवाले इसके समानार्थक शब्द इस प्रकार हैं-अध्येषण, अभियाचना, गुजारिश, प्रार्थना, मांग, याचना, याचिका, विनती, विनय. अरबी भाषा में एक शब्द है इबादह. इसे इबादा भी कहा जाता है. इसका शाब्दिक अर्थ है सेवा या दासता. इस्लाम में इबादाह को आम तौर पर उपासना के रूप में ही मान्यता दी गयी है. धार्मिक अनुष्ठानों के इस्लामी न्यायशास्त्र (फिकह) के लिए इबादा का बहुवचन रूप इबादात है. उर्दू और फारसी भाषाओं में और भारत और पाकिस्तान जैसे देशों में जहां उर्दू आम तौर पर बोली जाती है, यहां इस शब्द को इबादत (एक वचन) और इबादात या इबादतें (बहुवचन) के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है. माबूद (जिसकी इबादत की जाती है यानी अल्लाह) की इबादत करने वाले को आबिद कहते हैं. इससे मिलता-जुलता शब्द इबारत है. यह भी अरबी भाषा मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका मतलब है गद्यांश, आलेख, दिल की बात, अक्षर विन्यास, लेखन शैली, अक्षर-विन्यास, पदावली, श्रुत लेख, अनुलेख, इम्ला, लेख, तहरीर, लिखावट, वाक्यरचना.

सर को बेअसर करने की चाहत

• तीर-तुक्का

राजकुमार कुम्भज

अपने आका को 'सर' कहने की प्रथा का आविष्कार अंग्रेज़ों ने किया. हम भारतीयों में अपने आकाओं को 'सर' कहने की प्रथा को प्रतिष्ठित करने का श्रेय भी अंग्रेजों को ही जाता है. अंग्रेज़ों ने हम भारतीयों पर बड़ा उपकार किया, जो वे यहां आए, दो सौ बरस तक हमें दास बनाए रखा और अपने आकाओं-चाकरों को 'सर'कहने-कहलाने की सीख दे गए. अगर अंग्रेज भारत नहीं आते, हमें दास नहीं बनाते, हम पर कोड़े नहीं बरसाते तो हम अपने सिर में 'सर' कैसे घुसा पाते? अब तो हर तरफ़ 'सर' ही 'सर' दिखाई देते हैं. 'सर' कहते रहने के अनेकानेक लाभ हैं. मनुष्यता का अस्तित्व कहीं हो या न हो, किंतु 'सर' का अस्तित्व हर कहीं सहज ही उपलब्ध है. मुंशी मुनीम को 'सर' कहता है, मुनीम मालिक को 'सर' कहता है, मालिक ग्राहक को 'सर' कहता है, ग्राहक बैंक-मैनेजर को 'सर' कहता है, बैंक-मैनेजर म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन के दारोग़ा को 'सर' कहता है, दारोग़ा अपने बॉस को सर कहता है और बॉस, इलेक्शन में जीते मुंशी को 'सर' कहता है. सर कहने का यह चक्र बड़ा लंबा और सर्वव्यापी है. 'सर' आदि है, अनादि है. 'सर' अनंत है. 'सर' अमर है. संसार भले ही असत्य लगे, मिथ्या लगे, परंतु 'सर' अकाट्य सत्य है- वैसे ही- जैसे राम नाम सत्य है.'सर' कहना आधुनिकता है या पिछड़ापन? गांव का पिछड़ा 'सर' को नहीं जानता. लिहाजा, 'सर' कहना अवश्य ही आधुनिकता है. जो पिछड़े हैं वे अपने आका को 'सर' नहीं कहते हैं- पर जो आधुनिक हैं वे 'सर' कह-कह कर अपने आकाओं का सिर खा जाते हैं. 'सर' कहने कहलाने वालों का कर्तव्य है कि वे इससे मुक्ति पाने का प्रयास कभी नहीं करें. ऑस्ट्रेलिया के लोग तो पिछड़े हैं जिन्होंने 'सर' कहने-कहलाने से मुक्ति पा ली है. वहां 'सर' की बजाए 'मेट' बोला जाता है, जिसका अर्थ होता है 'साथी'. किसी समय वहां के कुछ आधुनिक सांसदों-मंत्रियों तथा अन्य नौकरशाहों को अपने सुरक्षा कर्मियों–ड्राइवरों द्वारा 'मेट' पुकारा जाना चुभने लगा तो आदेश जारी कर दिया गया कि 'मेट' नहीं 'सर' पुकारा जाए. पर इस आदेश के विरुद्ध समूचा ऑस्ट्रेलिया सिर के बल खड़ा हो गया. हंगामा खड़ा हो गया कि क्यों किसी को 'सर' कहें? यह तो औपनिवेशिक मानसिकता है, जिसमें 'सर' सुनने वाला मालिक है और 'सर' कहने वाला 'दास'. तब झख मारकर ऑस्ट्रेलियन सरकार को अपना आदेश वापस लेना पड़ा. वो तो पिछड़े लोग थे ऑस्ट्रेलिया के, इसीलिए इस आदेश को वापस ले लिए. देखो, अपना भारत, कितना आधुनिक है, अभी भी 'सर' को सर पर पहने हुए शान से चल रहा है.

Her Story

चटखारा

रानी प्रसाद
पाक कला विशेषज्ञ

गर्मियों में किचन में गैस स्टोव की आग के सामने घंटों खड़े होकर खाना बनाना भला किसे अच्छा लगता है. ऐसे में वन मील फूड एक बेहतर विकल्प है. पिछले इस सीरिज में कुकरी एक्सपर्ट रानी प्रसाद ने शेयर की टाकोज विद डिप की रेसिपी. इस बार आजमाइए उनकी राजमा बिरयानी....

राजमा बिरयानी

ये चाहिए

काला राजमा एक कप, बासमती चावल सवा कप, तेजपत्ता दो, काली मिर्च 5, लौंग 5, बड़ी इलायची 2, छोटी इलायची 2, शाहजीरा एक चम्मच, प्याज 6, लहसुन का पॉड 1, अदरक 1 इंच टुकड़ा, हरी मिर्च चार, दही 4 बड़े चम्मच, कश्मीरी लाल मिर्च एक चम्मच, धनिया पाउडर दो चम्मच, जीरा पाउडर एक चम्मच, गरम मसाला पाउडर दो चम्मच, हरी धनिया और पुदीने की पत्तियां कटी हुई आधा कप, गुलाब जल दो टेबल स्पून, नमक स्वाद अनुसार, हल्दी पाउडर एक चम्मच, शुद्ध घी आधा कप.

ऐसे बनाएं

सबसे पहले राजमा को दो कप पानी डालकर आधा चम्मच नमक के साथ उबालने के लिए कुकर में चार-पांच सिटी आने तक पकाएं. उसके बाद इस पानी को छानकर राजमा से अलग कर दें. इसे फेकना नहीं है. बासमती चावल को धोकर फुलाकर आधा घंटा के लिए रख दें. अब गैस पर कढ़ाही चढ़ाए और उसमें शुद्ध घी डाल दें तथा चार प्याज को पतला पतला काटकर बिल्कुल लाल लाल भूनकर बटर पेपर पर निकाल दें. बाकी बचे हुए घी को रहने दें. अब गैस पर कुकर चढ़ाएं और इस घी को कुकर में डाल दें. ततपश्चात शाह जीरा, तेज पत्ता, बड़ी इलायची, छोटी इलायची इसमें डाल दें. दो बचे हुए प्याज को पतला पतला काटकर इस घी में गुलाबी होने तक भूनें. जब यह गुलाबी हो जाए तब इसमें लहसुन अदरक और हरी मिर्च को पीसकर डाल दें और भूने. हल्का भून जाने पर इसमें सभी सूखे मसाले एक साथ डाल दें और साथ में एक चौथाई कप दही भी डालकर लगातार चलाते हुए भूनें. जब मसाला घी छोड़ने लगे तब इसमें राजमा डालें और नमक डालें तथा राजमा के बचे हुए पानी को नाप कर इसमें डाल दें टोटल पानी इस कुकर में दो कप होना चाहिए अगर राजमा का पानी कम है तो अलग से एक्स्ट्रा पानी डालकर दो कप पानी कर दें. तत्पश्चात इसमें चावल डालें और स्वाद अनुसार नमक डालकर धनिया पुदीने की पत्ती छिड़क दें. ऊपर से लाल लाल भूने हुए प्याज डाल दें और दो चम्मच गुलाब जल डालकर प्रेशर कुकर बंद कर दें. जब एक सिटी आ जाए तब गैस को धीमा कर दें और 2 मिनट के बाद गैस बंद कर दें. जब कुकर का स्टीम पूरा खत्म हो जाए तब कुकर खोलें. राजमा बिरयानी खाने के लिए तैयार है ऊपर से लाल प्याज को और छिड़क दें, तो यह ज्यादा स्वादिष्ट लगेगा.

विंडो शॉपिंग

ऑनलाइन शॉपिंग साइट पर इन दिनों किचन में काम के कई टूल्स 250 रुपए तक की कीमत में उपलब्ध हैं. इनसे छोटे-छोटे कुछ काम बेहद आसान हो जाते हैं

किचन टूल्स

टी इंफ्लूएंसर

छोले/दाल बनाने समय कुकर में कपड़े की पोटली में जो आप चाय पत्ती या खड़े मसाले डाल कर उबालती हैं, उसकी जगह लॉक हो जाने वाले इस छोटे से किचन टूल का उपयोग करें.

कीमत है 150-199 रुपए

गार्लिक क्रशर

लहुसन को क्रस करना इस डिवाइस से होगा बिल्कुल आसान.

कीमत है 200-250 रुपए

नारियल क्रेकर

नारियल तोड़ना एक बड़ी मशक्कत होती है. अक्सर इसका पानी व्यर्थ चला जाता है. इससे बचने के लिए नारियल क्रेकर प्लेट उपयोगी है.

कीमत है 200-250 रुपए

नाइफ शार्पनर

कई बार चाकू तो किचन में खूब होता है, पर धार खो चुका होता है. घर में ही खुद इस टूल से करें चाकू को शार्प.

कीमत है 200-250 रुपए

तपती गर्मी में मायके के भीगे भीगे से ये दिन

इन दिनों मौसम मायके जाने का है. कोई तैयारी में हैं तो कई अपने ठौर तक पहुंच गई हैं.अलमस्ती, बेफिक्री के यही चंद पल पूरे साल महिलाओं को तरोताजा रखते हैं.

कभी बच्चों के क्लासेज-परीक्षाएं, तो कभी मेहमानों का आना, सास-ससुर की देखरेख, अपना ऑफिस-टार्गेट, पति के ऑफिशियल टूर-सेमिनार... घर-गृहस्थी में साल भर जिम्मेदारियों का ताना बाना चलता रहता और यूं ही जिंदगी की रेल पटरी पर सरपट दौड़ती रहती. जून का महीना एक छोटा सा स्टेशन सा होता जहां उतर कर (मायके में ठहर कर) कुछ ही वक्त के लिए ही सही हम महिलाएं तरोताजा हो पातीं. मां-पिता के वात्सल्य में सराबोर होना, भाई-बहनों के साथ बेफिक्री के पल गुजारना...यह समय ही कुछ और होता है. पुरानी गलियों में फिर से मटरगस्ती और चौराहे के रामू काका के गोल-गप्पे खाना मन को यादों की सोंधी सुगंध से भर देता है. जी हां, इन दिनों मानसून की आहट से पहले ही मायके जाने की बात से मन उत्साह से भीगा-भीगा सा रहता.

तैयारी दोनों तरफ की

जब बच्चों के नए सेशन शुरू होते हैं, हम महिलाओं का दिल दिमाग भी नया नवेले अहसास सा भरा होता है. व्यस्तता के बीच ही कभी चुपके से व्हाट्सअप खोल कर बहनों व बचपन की सहेलियों के ग्रुप में पूछ लेना, इस बार कितनी तारीख का रिजर्वेशन कराया है तुम लोगों ने? बच्चों के बुकसेल्फ में नई कवर लगी किताब-कॉपियां सजाने के साथ-साथ अपने वार्डरोब के कुछ कपड़े व सामान भी आहिस्ता से सहेजे जाने लगते. उधर साल भर से इंतजार कर रही मां इस बार भी अचार का एक बोइयाम खास बिटिया के लिए तैयार कर रही होती तो पापा भले ज्यादा बोले नहीं, घर में चटपटी कैंडी और गोलगप्पे वाले पापड़ किसके लिए ला कर रख रहे होते, सबको पता है. लंबे समय से रखी ब्लू शर्ट को एक बार फिर साफ कर इस्त्री कर रख दिया जाता जिसमें स्कूल के जमाने से ही बिटिया को पापा सुपर हीरो की तरह नजर आते. मां-भैया की मुस्कान पर पापा की झेंपती सी हंसी और कहना कि बस यूं ही....

वो पीली साड़ी और खिलौने

"कभी स्टोर रूम में जाकर रखी किताबों को यूं ही उलट पटल देना, कभी मां की पुरानी आलमारी को खोल देना, कभी अपनी बनाई पेंटिंग जो अब भी मायके की दीवार पर सजी है, को निहारना तो कभी पड़ोस की आंटी से इधर-उधर की बातें करना...आपको ये बातें बेमतलब लगेंगी, पर मेरे लिए मायके के ये बड़े मायने हैं." कहते हुए भींग जाती है हर्षिता की आवाज. थोड़ा थम कर आगे हंसते हुए कहती हैं, मम्मी की वो लोहे वाली अलमारी खोलती हूं तो कई बार पूछ देती हैं, लाडो कुछ चाहिए तो ले लो, कैसे कहूं, मुझे तो बस इसमें सिमटी यादें चाहिए. स्कूल की फेयरवेल पार्टी में मम्मी की पीली सिल्क की साड़ी पहन कर इतराना, मिस फेयरवेल का खिताब पाना और फिर ऑटो से लौटते समय उसमें लगी खरोंच....पहली बार जब शादी बात चली थी तब भी तो इसी आलमारी की साड़ी पहन कर तैयार हुई थी, यादों के समंदर का कितना कुछ भरा है मायके के कोने कोने में. स्टोर में रखी मेरी पुरानी साइकिल, मोटू सा टेडी, किताबें...सब आखर ही तो हैं, दिल की किताब के भींगे आखर... भले वहां रखे हैं, पर अब भी मन के कोने में जस के तस, जरा सा एकांत मिला नहीं कि खुल जाते सारे पन्ने...

कोरोना का वह दौर

कितना कुछ छूट गया था कोरोना के दौर में! विवाहित बेटियों को पिता से मन ही मन शिकायत होती थी- पापा! झूठा हो गया आपका वादा...विदा के समय जब आंसू थम नहीं रहे थे तो आपने खुद को संभालते हुए कहा था, आजकल कोई रोता है पगली. रेल-प्लेन के इस दौर में कोई दूरी दूरी नहीं. जब मन करे आ जाना...कोरोना काल में हमारे मन में टीस होती थी, कैसे आउं या कैसे बुलाउं, उस साल की गर्मी की छुट्टियां में भी मन तो मायके में ही टंगा रहा. नैहर से दूरी का वह दौर हम महिलाएं भला कैसे भूल सकती हैं!

ऋचा भारद्वाज सिंह गर्मियों में अपने मायके लोहरदगा जरूर आती हैं. इस बार गाजियाबाद से मायके आने पर नेतरहाट में अपने स्कूल एक बार फिर गईं और क्लास की सहेलियों के साथ भरपूर मस्ती भी कीं.

गीतों में मायका

याद आते हैं कॉलेज के वे दिन जब मैं अपनी सहेली नम्रता के घर कभी-कभी मिलने जाती थी. नम्रता बहुत सुंदर गाती थी और मुझे उसका एक गीत खास तौर पर पसंद था. बहुत बाद में पता चला कि यह गीत प्रसिद्ध कवि कुवंर बचैन की लिखा हुआ है- पंक्तियों पर गौर कीजिए और संभव हो तो यू ट्यूब पर खोज कर सुनिए- बदरी बाबुल के अंगना जइयो/ जइयो बरसियो कहियो/कहियो कि हम हैं तोरी बिटिया की अंखियां...मरुथल की हिरणी हो गई सारी उमरिया/कांटे बिंधी है मोरे मन कि मछरिया/बिजुरी मैया के अंगना जइयो/जइयो तड़पियो कहियो/कहियो कि हम हैं तोरी बिटिया की सखियां...

इन पंक्तियों को गाकर नम्रता और सुनकर मैं, दोनों रो पड़तीं. और उधर से जो नम्रता के भैया गुजरते, इस गाने को सुनकर अक्सर डांट देते उसे, क्यों गाती हो यह गाना, मत गाओ...और जैसे अपनी नम हुई आंखों को छिपाते अक्सर तेजी से बढ़ जाते. मां के अंगना यानी मायके/नैहर के गीत ऐसे ही होते हैं. कान में गूंजे तो बिन मौसम के बरसात की तरह आंखें बरस जाती हैं. बंदनी फिल्म के गाने के बारे में हाल ही एक बुजुर्ग सज्जन ने मुझसे यही बात कही और संयोग कहिए या जरुरत, अचानक दुबई में बैठी अपनी बिटिया को फोन लगा दिया. गाने की पंक्तियां आप भी याद कीजिए- अब के बरस भेज भैया को बाबुल/सावन ने लीजो बुलाय रे/ लौटेंगी जब मेरे बचपन की सखियां/ देजो संदेशा भेजाय रे...

जब मायके के गीतों की चर्चा चली तो चौदहवीं शताब्दी के शायर अमीर खुसरो के कैसे भूल सकते. खुसरो ने एक विदाई गीत लिखा. इसे सुन लगता है कि काल के रंगमंच पर एक पिता से उसकी बेटी वह यक्षप्रश्न पूछती है जिसका जवाब शायद आज भी किसी के पास नहीं है. सदियां बीत गईं पर यह सन्दर्भ आज भी उतना ही प्रासंगिक और महत्त्वपूर्ण है. पंक्तियों पर गौर कीजिए- काहे को ब्याहे विदेस/अरे लाखिया बाबुल मोरे/भैया को दीजे बाबुल महला दुमहला/ हमको दिया परदेस अरे लखिया बाबुल/ हम तो बाबुल तोरे खूंटे की गैय्या/ जिंत हांके हंक जैहै अरे लाखिया बाबुल...

'बाबुल मोरा नैहर छूटो जाय ...' वाज़िद अली शाह रचित इस ठुमरी को कितने गायकों ने अपनी आवाज दी है, और जाने कितनी आंखें इसे सुन कर नम हुई हैं. कुंदन लाल सहगल ने फिल्म 'स्ट्रीट सिंगर' में इस ठुमरी को गाया था.

नानी की रसोई

आर्या का सुबह सात बजे दूध के साथ स्टफ्ड पराठे चाहिए तो अर्णव को बस इडली या उत्तपम चाहिए.. इसके अलावा परिवार वालों के ब्रेकफास्ट, बच्चों के स्कूल जाने, पति के ऑफिस जाने, बाई से काम कराना...पूरे साल सुबह की शुरुआत इन्हीं भागदौड़ के साथ होती, पर जून के दो हफ्ते मेरी सुबह आठ बजे इत्मीनान से शुरू होती है. दरअसल वहां छोटी बहन और मम्मी सबकुछ संभाल लेती हैं और मुझे कुछ नहीं करने देती. पर शाम को मेरी तरफ से किचन में कुछ स्पेशल बनता है. रूटीन में यह बदलाव मुझे तो राहत देता ही है, मेरे बच्चे भी फिर साल भर तक नानी के बनाए पराठे और मौसी के इडली-दोसे को याद करते रहते हैं. यहां महानगर कल्चर में फ्लैट में बंद बच्चे जब मायके धनबाद में कॉलोनी भर के बच्चों के साथ दिनभर मस्ती करते हैं तो रिश्ते नातों की नई परिभाषाएं भी सीख कर आते हैं.

जब गुम हो जाता मायका

जी हां, कुछ महिलाओं की जिंदगी की किताब से मायके का खूबसूरत पन्ना खो भी जाता है. पर तब भी मायके सी एक राह तो खोज ही लेती हैं हम महिलाएं. जैसा कि पूनम के साथ हुआ. करीब 14 साल हो गए जब मनपसंद साथी से शादी की, तब जो बिना बताए घर से निकली, आज तक उनके लिए मायके का दरवाजा बंद ही है. आज पति और दो बच्चों के साथ बेहद खुश हैं पूनम पर जून का महीना एक टीस दे ही जाता है. हालांकि पूनम की मौसी ने यह कसर बहुत हद तक पूरी की. तीज-त्योहार ही नहीं सुख-दुख के हर मौके पर मौसा-मौसी मां-पिता की तरह पास खड़े नजर आते हैं. इसी तरह सुमिता दो बहनें ही हैं. मम्मी की मौत के बाद से पापा को दीदी अपने पास रांची बुला ली. अब दीदी का रांची स्थित वह फ्लैट ही सुमिता का मायका है जहां पूरी गर्मी छुट्टी वह बेटी की हैसियत और लाड़ के साथ रहती है.

ये बातें भी काम की

मायके में भाभियां हैं तो कोशिश करें कि उनकी दिनचर्या आपके कारण बहुत डिस्टर्ब नहीं हों. जाने से पहले फोन कर बात कर लें कि इस बीच उनकी कहीं और जाने की प्लानिंग तो नहीं. जरुरत हो तो डेट एडजस्ट करें. घर में खूब बच्चे इकट्ठा हो गए हैं तो उन्हें भी संभाले. मम्मी-पापा ही नहीं, भाभी व बच्चों के साथ भी समय गुजारें. नाती-नातिन कभी-कभी आते हैं इसलिए नाना-नानी के बेहद दुलारे होते हैं. ऐसे आपके भतीजे-भतीजी खुद को उपेक्षित नहीं महसूस करें, इसलिए एक अच्छी बुआ बन कर उन बच्चों पर खूब प्यार लुटाएं. काम में भाभी का सहयोग करें, मेहमान बन कर नहीं बैठे रहें. कभी शाम को बाहर से भी स्नैक्स मंगा कर गरमागर्म चाय के साथ सबको सर्व करें, देखिए कैसे भाभी का चेहरा खिल जाता है. भाई-भाभी के कमरे में हमेशा नहीं बैठी रहें, ना ही बच्चों को दिनभर उनके साथ छोड़ें. उनको अपना स्पेस दें.

पानी में न बह जाए मेकअप

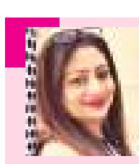

कमलजीत कौर
ब्यूटी एक्सपर्ट

गर्मियों में मेकअप अक्सर बह जाता है, टिकता नहीं. मेकअप करने के बाद फेस पैची-पैची सा नजर आता. इससे बचने के लिए गर्मियों में मेकअप करते या तैयार होते समय कुछ खास टिप्स अपनाएं.

- मेकअप से पहले चेहरे पर आइस लगाएं. नीचे से चपटी कटोरी में बर्फ रखें. अब बेड पर लेट जाएं और बर्फ वाली कटोरी की तली से अपने चेहरे पर ठंडी सिकाई करें.
- गर्मियों में मेकअप से पहले सिलिकन प्राइमर लगाएं. ब्यूटी प्रोडक्ट बनाने वाली कई कंपनियों का सिलिकन प्राइमर मार्केट में उपलब्ध है. इन्हें लगाने के बाद मेकअप करने से मेकअप अधिक देर तक टिकेगा.
- फाउंडेशन में जरा सा मॉइश्चराइजर मिलाने या फिर फाउंडेशन लगाने से पहले मॉइश्चराइजर लगाने से भी मेकअप अधिक देर तक टिकता है.
- गर्मियों में दिन के समय आउटडोर कहीं जाना है तो मेकअप से बचें. बहुत जरूरी है तो माइल्ड फाउंडेशन (जैसे बीबी क्रीम, सीसी क्रीम) लगाएं.

- मेकअप करने के बाद फिक्सिंग पाडर लगाएं. ये भी आपके शेड के अनुसार मार्केट में अवेलेबल है.
- फिक्सिंग स्प्रे लगाने से भी मेकअप आराम से आठ-दस घंटे तक टिक जाता है.
- गर्मियों में खासकर दिन के समय फाउंडेशन लगाने की जगह लाइट कंसीलर और फिर बेबी क्रीम लगाएं. इसके बाद ब्लशर और तब हाईलाइटर लगाएं. आपका फेस कंप्लीट मेकअप का नजर आएगा.
- ऑयली स्किन है तो वाटर बेस्ड फाउंडेशन लगाएं.
- गर्मियों में कोई भी मेकअप करें तो उससे पहले एक छोटा सा रुटीन सीटीएमएस का फॉलो करें. यानी पहले स्किन क्लीन करें, फिर टोनिंग करें, इसके बाद मॉइश्चराइजर लगाएं और फिर सन स्क्रीन. इसके बाद ही चेहरे पर कोई मेकअप करें.

तनाव का होगा उड़न-छू

कभी बच्चों को लेकर चिंता तो कभी घर-परिवार को लेकर तो कभी करियर का... तनाव तो हम महिलाओं के हिस्से जैसे स्थायी जमा रहता है. बची-खुची कसर पूरी कर देता है हमारा जब-तब होने वाला हार्मोनल इंबैलेंस. इसकी वजह से हमारा पीरिसड्स, वजन, लुक्स सब प्रभावित होता है. तनाव को कम करने के लिए कई प्राकृतिक उपाय भी हैं जिसमें एक आहार है. कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे हैं जो स्ट्रेस हार्मोन को कम करने में सहायक हैं.

मुनक्का

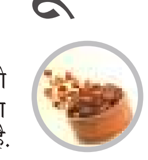

मुनक्के में रेस्वेराट्रोल नामक कम्पाउंड पाया जाता है, जो स्ट्रेस हार्मोन को कम करता है. यह विटामिन-सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भी भरपूर होता है. सुबह 3-4 भीगे हुए मुनक्के का नियमित सेवन स्ट्रेस को कम करता है.

जामुन

इन दिनों जामुन का मौसम शुरू हो रहा है. जामुन में पाया जाने वाला फ्लेवोनॉयड्स और एंटी ऑक्सीडेंट, दोनों स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल को कम करती हैं. साथ ही, मूड को भी रिलेक्स करती हैं.

प्रोबायोटिक्स

कोर्टिसोल हार्मोन का लेवल प्रोबायोटिक्स की कमी के कारण प्रभावित होता है. ऐसे में दही आदि को अपने आहार में शामिल करना चाहिए जिससे तनाव की कमी आए.

चिया सीड्स

चिया सीड्स में ओमेगा-3 फैटी भरपूर होता है जो कोर्टिसोल लेवल कम करने में मददगार होता है. भीगे हुए चिया सीड्स को नींबू पानी में मिलाकर या किसी शेक के साथ या दही-फ्रूट के साथ मिला कर सेवन कर सकती हैं.

चॉकलेट्स

चॉकलेट में पाया जाने वाला फिन इ ल थ इ ल म इ न दिमाग को रिलैक्स करता है. इसमें हाई फ्लेवेनॉल कंटेंट भी होता है जो त्वचा को हाइड्रेट रखता है. लेकिन इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करने की सलाह दी जाती है.

ओटमील

ओटमील में भरपूर कार्बोहाइड्रेट होता है, जिससे हमारा शरीर सेरोटिन प्रॉड्यूस करता है. सेरोटिन मूड अच्छा करने का काम करता है और मन को शांति और आराम का एहसास करवाता है.

अखरोट

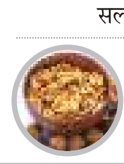

अखरोट में एल-आर्जिनाइन होता है, जो नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल जाता है. नाइट्रिक ऑक्साइड रक्तवाहिनियों को शांत रखने में मदद करता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

स्पोर्ट्स+

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन का दावा

टी-20 विश्व कप में भारत सबसे मजबूत टीम

एजेंसी। लंदन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन का मानना है कि भारत का प्रतिभा का भंडार और टीम के भीतर जबरदस्त गहराई उन्हें आगामी टी-20 विश्व कप जीतने का प्रबल दावेदार बनाती है. भारत लगभग उसी टीम के साथ उतर रहा है जो पिछले टी-20 विश्व कप में खेली थी. हालांकि युवा यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है.

मोर्गन ने 'स्काई स्पोर्ट्स' से कहा कि चोटों के बावजूद टूर्नामेंट में भारतीय टीम सबसे मजबूत है. उनकी मजबूती और गहराई शानदार है. उन्होंने कहा,'वे मेरे लिए प्रबल दावेदार हैं, कागजों पर उनका स्तर. अगर वे मैदान पर भी ऐसा करते हैं तो मुझे लगता है कि वे टूर्नामेंट में किसी को भी आसानी से हरा सकते हैं. विकल्पों की अधिकता के कारण भारत शुभमन गिल और लोकेश राहुल जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल नहीं कर पाया. मोर्गन ने कहा कि अगर मैं टीम का चयन कर रहा होता तो

विश्व कप

- टीम इंडिया में युवा व अनुभवी खिलाड़ियों की है भरमार
- भारत ने 2007 में टी-20 विश्व कप धौनी की नेतृत्व में जीता था

एकमात्र फैसला जो अलग होता वह यह होता कि मैं यशस्वी जायसवाल पर शुभमन गिल को तरजीह देता.

कहा कि मैं उसके साथ खेला हूं, मुझे पता है कि वह कैसे सोचता है. मुझे पता है कि वह कैसे काम करता है. भारत लगभग हर टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के रूप में उतरता है, लेकिन एक दशक से अधिक समय से उसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का कोई खिताब नहीं जीता है. टीम इंडिया ने आखिरी ट्रॉफी 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में जीती थी. टी-20 विश्व कप के पिछले सत्र में उन्हें एडिलेड में सेमीफाइनल में तब चैंपियन बने इंग्लैंड ने 10 विकेट से हरा दिया था.

कई लोगों का तर्क है कि आईपीएल के बाद से टी-20 प्रारूप में भारत के क्रिकेट में काफी सुधार हुआ है लेकिन, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल आर्थर्टन ने कहा कि यह विडंबना है कि भारत ने एकमात्र टी-20 विश्व कप खिताब आईपीएल के अस्तित्व में आने से पहले जीता था. विडंबना यह है कि एकमात्र खिताब उन्होंने आईपीएल के आने से पहले जीता.

जब वह नीली जर्सी पहनेगा, तो वह एक अलग हार्दिक पंड्या होगा

हार्दिक टी-20 विश्व कप में अच्छा करें: हरभजन

एजेंसी । चेन्नई

हार्दिक पंड्या के लिए पिछले दो महीने काफी मुश्किल भरे रहे हैं और उन से हमदर्दी रखने वाले पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह चाहते हैं कि यह भारतीय हरफनमौला आगामी टी-20 विश्व कप में अपने प्रभावी प्रदर्शन से इस बुरे समय को पीछे छोड़े.

हार्दिक की कप्तानी में मुंबई इंडियंस का इंडियन प्रीमियर लीग में प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा. टीम तालिका में 10वें पायदान पर रही और इस दौरान वह खुद गेंद और बल्ले से प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे. उनके लिए चीजें उस समय और मुश्किल हो गयी जब

स्टेडियम के अंदर दर्शक उनके खिलाफ हूटिंग करने लगे. हरभजन को हालांकि उम्मीद है कि अमेरिका में टी-20 विश्व कप के दौरान चीजें बदलेंगी. उन्होंने एक न्यूज एजेंसी को दिये साक्षात्कार में कहा कि जब वह नीली जर्सी (भारतीय टीम की जर्सी) पहनेगा तो वह एक अलग हार्दिक पंड्या होगा क्योंकि हम

बोले भज्जी

- विश्व कप के लिए टीम इंडिया सबसे संतुलित टीम
- प्रबंधन रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या को एकजुट करे

जानते हैं कि वह रन बना सकता है और विकेट ले सकता है.

कहा कि हार्दिक के लिए अगर यह टूर्नामेंट अच्छा रहा तो जाहिर तौर पर भारत के पास आगे बढ़ने का शानदार मौका होगा. टी-20 और एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे हरभजन ने टीम प्रबंधन से हार्दिक और रोहित को 'एकजुट' करने का आग्रह किया. हरभजन ने कहा कि विश्व कप के दौरान अनुभवी जसप्रीत बुमराह को तेज गेंदबाजी में दूसरे छोर से बेहतर साथ की जरूरत होगी.

टीम की तेज गेंदबाजी इकाई में बुमराह के अलावा मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह शामिल है. हरभजन भारत के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के टी-20 प्रारूप में बल्लेबाजी करने के तरीके में आये बदलाव से काफी प्रभावित है.उन्होंने कहा, 'विराट ने पिछले साल से इस साल तक काफी सुधार दिखाया है और लोग उनके स्ट्राइक रेट के बारे में बात करते हैं.

ब्रीफ खबरें

विश्व रैकेलटन में भारत की कप्तानी करेंगे चौफला

नयी दिल्ली। विक्रमादित्य चौफला को रोटरडम में 31 जुलाई से चार अगस्त तक होने वाली विश्व रैकेलटन चैंपियनशिप के लिए छह सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है. रैकेलटन एक संयुक्त खेल है. जिसमें प्रतिस्पर्धियों को चार रैकेट खेल - टेबल टेनिस, बैडमिंटन, टेनिस और स्क्वाश खेलना होता है. पूर्व बैडमिंटन खिला विक्रमादित्य पिछली दो विश्व चैंपियनशिप में भी भारत की रैकेलटन टीम का हिस्सा रह चुके हैं.टीम में निहित कुमार सिंह, करण तनेजा, प्रशांत सेन, निखिल मनसुखानी और एकमात्र महिला खिलाड़ी नैना तनेजा को जगह मिली है.रैकेलटन भारत खेल संघ ने मंगलवार को टीम घोषित की.

राइफल कोच पर बंदूक से छेड़छाड़ करने का आरोप

नयी दिल्ली: एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कोच पर कुछ निशानेबाजों के अभिभावकों ने उनकी राइफलों के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है जिसका राष्ट्रीय महासंघ ने खंडन किया है. कथित तौर पर प्रभावित एक निशानेबाज के अभिभावक ने गोपनीयता की शर्त पर मंगलवार को पीटीआई को बताया कि कोच ने उनके बेटे की राइफल से छेड़छाड़ कर दी थी जिसके कारण उन्हें नए उपकरण खरीदने पड़े. उन्होंने हालांकि कोच की पहचान बताने से भी इंकार कर दिया.इस निशानेबाज के पिता ने कहा,''कोच ने मेरे बेटे की बंदूक को खराब कर दिया, इस कारण हमें नई बंदूक खरीदनी पड़ी.

तीन फुटबॉल खिलाड़ियों ने छोड़ी अर्जेंटीना की टीम

ब्यूनस आयर्स। अर्जेन्टीना की तीन महिला खिलाड़ियों ने दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों से पहले शिविर में वेतन और परिस्थितियों को लेकर विवाद के बाद सोमवार को राष्ट्रीय टीम छोड़ दी. राष्ट्रीय टीम में नियमित तौर पर खेलने वाली गोलकीपर लॉरिना ओलिविरोस, डिफेंडर जूलिएटा क्रूज और मिडफील्डर लोरेना बेनिटेज ने अपने कदम की घोषणा की जबकि टीम ने शुक्रवार और तीन जून को कोस्टा रिका के खिलाफ मैत्री मैचों के लिए तैयारी शुरू कर दी है. क्रूज ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'हम एक ऐसे बिंदू पर पहुंच गए हैं जहां हम अन्याय से थक गए हैं, हमें महत्व नहीं दिया जा रहा, हमारी बात नहीं सुनी जा रही और इससे भी बदतर, अपमानित किया जा रहा है.' 'हमें अर्जेंटीना की महिला फुटबॉल राष्ट्रीय टीम में सुधार की जरूरत है और मैं केवल वित्त के बारे में बात नहीं कर रही.

आईपीएल के नवीनतम सत्र में टी-20 बल्लेबाजी में आये बदलाव

बल्लेबाजों पर हावी हो सकते हैं गेंदबाज

एजेंसी। बेंगलुरु

आईपीएल में काफी महंगे साबित हुए गेंदबाज क्या अगले महीने होने वाले टी-20 विश्व कप में थोड़ी राहत की उम्मीद कर सकते हैं? इस प्रश्न की उत्पत्ति आईपीएल के नवीनतम सत्र में टी-20 बल्लेबाजी में आए बदलाव के कारण हुई है.

आईपीएल 2024 से पहले लीग में केवल एक बार 250 रन का आंकड़ा पार किया गया था लेकिन हाल ही में समाप्त हुए सत्र में टीमें आठ बार ऐसा करने में सफल रहीं. आईपीएल में बल्लेबाजी को नया आयाम देने वाले ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल जैसे बल्लेबाज अगले महीने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी-20 विश्व कप में भी खेलते हुए नजर आएंगे. इसलिए प्रशंसकों का एक बार फिर बल्लेबाजों के दबदबे की उम्मीद करना स्वाभाविक है.

लेकिन कई कारणों से उनका रवैया विश्व कप में उतना एक आयामी नहीं हो सकता जितना कि आईपीएल में था. सबसे पहले तो टीमों को विश्व कप में इंपेक्ट खिलाड़ी की सुविधा नहीं मिलेगी. मिचेल स्टार्क ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को तीसरा आईपीएल खिताब दिलाने में बड़ी भूमिका निभाने के बाद उस बात को स्वीकार किया. स्टार्क ने कहा था,'यहां (आईपीएल में) इंपेक्ट खिलाड़ी नियम है और टी-20 विश्व कप में ऐसा नहीं होगा. आपको अपने ऑलराउंडरों पर अधिक भरोसा करना होगा.

एक अनुभवी क्यूरेटर ने न्यूज एजेंसी को बताया, 'वेस्टइंडीज की पिचें अब वैसी नहीं हैं जैसी 80 या 90 के दशक में हुआ करती थीं. अब वे धीमी हैं और कई बार गेंद रुककर भी आती है.क्यूरेटर ने कहा, 'भारत ने अपनी टीम में चार स्पिनरों को शामिल किया है.

केवल फ्लोरिडा के पास हाई प्रोफाइल मेजबानी का अनुभव

अमेरिका में केवल फ्लोरिडा के पास हाई प्रोफाइल क्रिकेट मैचों की मेजबानी करने का पूर्व अनुभव है. न्यूयॉर्क और टेक्सास पहली बार इस खेल की मेजबानी की तैयारी कर रहे हैं. तो क्या इससे रन बनाने की दर पर असर पड़ेगा? क्यूरेटर ने कहा, 'हां, ऐसा हो सकता है कि शुरुआत में टीमें पिच और अन्य परिस्थितियों का आकलन करना चाहेंगी.

आईपीएल 2024 में औसत रन रेट में हुई वृद्धि

आईपीएल 2024 में औसत रन रेट 9 .56 था जो टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक है. इसके अलावा औसत स्कोर 180 से ऊपर रहा. हैदराबाद में पहली पारी का औसत स्कोर 230 रन के आसपास था.हालांकि जैसा कि कुछ आंकड़ों से पता चलेगा वेस्टइंडीज के स्टेडियम अलग तरह के हैं . एंटीगा में औसत टी20 स्कोर 123 रन है और बारबडोस में यह 138 रन है. गयाना में यह 124 तो त्रिनिदाद में केवल 115 रन है. सेंट विन्सेंट में औसत टी20 स्कोर 118 जबकि ग्रॉस आइलेट में सर्वाधिक 139 है.

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के वॉर्मअप मैच का पहला दिन

कनाडा, ओमान व नामीबिया ने जीते मैच

एजेंसी। नयी दिल्ली

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के वॉर्म अप मैचों की शुरुआत हो चुकी है और पहले दिन के तीनों मुकाबले खेले जा चुके हैं. दिन के पहले मैच में कनाडा ने नेपाल, ओमान ने पापुआ न्यूगिनी और नामीबिया ने युगांडा की टीम को हराया.

कनाडा वर्सेस नेपाल

पहले वॉर्मअप मैच की बात करें तो कनाडा ने लगभग एक तरफा मुकाबले में नेपाल को 63 रनों से हराया. निकोलस किर्टोन ने 52 रन बनाए और 41 रन 17 गेंदों में रविंदर पाल सिंह ने बनाए. नेपाल के लिए 37 रन कुशल मल्ला ने बनाए। 4 विकेट डिल्लोन हीलिंगर ने चटकाए.

पापुआ न्यूगिनी वर्सेस ओमान मैच

टी-20 विश्व कप का दूसरा वॉर्मअप मैच पापुआ न्यूगिनी और ओमान के बीच खेला गया, जिसे ओमान ने 3 विकेट से जीता है।. पीएनजी के लिए 28 रन लेगा सियाका नेबनाए. तीन विकेट ओमान के कप्तान आकिब सुलेहरी ने चटकाए. दो विकेट बिलाल खान ने लिए. 45 रन पीएनजी के खिलाफ जीशान मकसूद ने बनाए.

नामीबिया बनाम युगांडा मैच

युगांडा की टीम ने नामीबिया को पांच विकेट से हराया, जो टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का तीसरा वॉर्मअप मैच था. रोजर मुकासा ने 51 रन और रोबिन्सन ओबुआ ने 38 रन बनाए. नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरासमस और टीम को एक शानदार जीत दिलायी.

यूएस की मेजर लीग क्रिकेट को मिला लिस्ट-ए का दर्जा

सैन फ्रांसिस्को। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अमेरिका में टी-20 प्रारुप में खेले जाने वाले मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) को आधिकारिक 'लिस्ट-ए' का दर्जा प्रदान किया है. एमएलसी का दूसरा सत्र पांच जुलाई से शुरू होगा होगा. इसका उद्देश्य खेल के सबसे बड़े बाजारों में से एक में इसकी लोकप्रियता को बढ़ावा देना है. आईसीसी के इस कदम से एमएलसी को आधिकारिक टी-20 लीग और अमेरिका के पहले विश्व स्तरीय घरेलू टूर्नामेंट का दर्जा मिल गया. अमेरिका एक जून से 29 जून तक खेले जाने वाले टी-20 विश्व कप का सह-मेजबान है .

मुक्केबाजी क्वालीफायर राउंड

निशांत ने ओटगोंबाटार को दो मिनट में हराया

अबिनाश जामवाल हारकर बाहर हो गए

एजेंसी। बैंकॉक

भारत के निशांत देव ने मंगोलिया के ओटगोंबाटार बियाम्बा अर्डेनेटो को महज दो मिनट में हराकर दूसरे मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर में 71 किलो के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया.

जबकि अबिनाश जामवाल हारकर बाहर हो गए. पिछले क्वालीफायर में मामूली अंतर से ओलंपिक कोटे से चूके देव ने पहले ही मिनट में अपने प्रतिद्वंद्वी पर घूंसों की बौछार कर दी.पहले दौर में 58 सेकेंड का खेल बाकी रहने पर ही रैफरी ने मुकाबला रोक दिया. इससे पहले जामवाल को 63.5 किलो के मुकाबले में कोलंबिया के जोस मैनुअल वियाफारा फोरी ने हराया. जामवाल ने तीसरे और आखिरी दौर में शानदार प्रदर्शन करके अंकों के आधार पर बराबरी कर ली थी. नियमों के तहत इसके बाद जजों से प्रदर्शन के फिर आकलन के लिये कहा गया. सभी ने फोरी के पक्ष में वोट किया जो 5.0 से जीत गया.

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट : प्रज्ञानानंदा ने आर्मागेडोन में अलीरेजा को हराया

एजेंसी। स्टेवेंगर (नॉर्वे)

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने मंगलवार को यहां नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए पहले दौर में आर्मागेडोन (सडन डेथ) बाजी में फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराया. सामान्य टाइम कंट्रोल में आसान ड्रॉ के बाद प्रज्ञानानंदा को सफेद मोहरों से खेलते हुए 10 मिनट मिले, जबकि अलीरेजा को सात लेकिन शर्त यह थी कि उन्हें जीत दर्ज करनी थी क्योंकि ड्रॉ होने पर काले मोहरों से खेलने वाले को अतिरिक्त अंक मिलते.

प्रज्ञानानंदा ने इसके बाद शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की. पुरुष और महिला वर्ग में क्लासिकल टाइम कंट्रोल के तहत सभी बाजियां बराबरी पर छूटीं और नतीजों के लिए छह

आर्मागेडोन बाजियों का सहारा लेना पड़ा. दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने गत विश्व चैंपियन डिंग लिरेन से क्लासिकल बाजी 14 चाल में ड्रॉ खेलने के बाद 68 चाल में आर्मागेडोन बाजी ड्रॉ करके अपना पलड़ा भारी रखा.

हिकारू नाकामूरा ने आर्मागेडोन बाजी में हमवतन अमेरिकी फाबियानो करूआना को हराया. पहले दौर के बाद प्रज्ञानानंदा , कार्लसन और नाकामूरा 1.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे हैं जबकि अलीरेजा, लिरेन और करूआना उनसे आधा अंक पीछे हैं . क्लासिकल टाइम कंट्रोल के अंतर्गत प्रत्येक बाजी जीतने पर तीन अंक मिलते हैं जबकि आर्मागेडोन बाजी जीतने वाले को 1.5 अंक और हारने वाले को एक अंक मिलता है. महिला वर्ग में भी छह खिलाड़ियों के बीच क्लासिकल टाइम कंट्रोल की तीनों बाजियां ड्रॉ रहीं. कोनेरू हंपी ने आर्मागेडोन बाजी में काले मोहरों से खेलते हुए स्वीडन की पिया क्रेमलिंग को बराबरी पर रोककर डेढ़ अंक जुटाए. आर वैशाली हालांकि महिला विश्व चैंपियन वेनजुन जू के खिलाफ एक अंक ही जुटा सकी जबकि चीन की टिंगजी ने आर्मागेडोन बाजी में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को हराया.

रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग सत्र में सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड बनाया

रियाद। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सोमवार को सऊदी प्रो लीग फुटबॉल सत्र का अंत सर्वाधिक गोल के रिकॉर्ड के साथ किया . अल नासर की अल इतिहाद पर 4-2 की जीत के दौरान रोनाल्डो ने विजेता टीम की ओर से दो गोल दागे . इसके साथ ही लीग में उनके गोलों की संख्या 35 हो गई जो 2019 में बनाए अब्दररजाक हमदल्लाह के पिछले रिकॉर्ड से एक गोल अधिक है. अल नासर की टीम 82 अंक के साथ लीग में दूसरे स्थान पर रही . टीम स्थानीय दावेदार अल हिलाल से 14 अंक पीछे रही. जिसने दो हफ्ते से भी अधिक समय शेष रहते चैंपियनशिप जीत ली थी . सोमवार को सत्र का अंत 34 दौर की लीग में अजेय रहते हुए किया. टीम ने अपने अंतिम लीग मैच में अल वेहदा को 2-1 से हराया. अल हिलाल की टीम नेमार की गैरमौजूदगी में भी विरोधी टीमों पर आसानी से दबदबा बनाने में सफल रही.

बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले आस्ट्रेलिया 'ए' से भिड़ेगा भारत 'ए'

एजेंसी। मेलबर्न

भारत 'ए' इस साल के अंत में प्रतिष्ठित बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैच खेलेगा. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मंगलवार को यह घोषणा की.

सीए ने कहा कि ये मुकाबले 31 अक्टूबर से तीन नवंबर तक मैकाय के ग्रेट बैरियर रीफ एरेना और सात से 10 नवंबर तक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेले जाने हैं. इन अभ्यास मैचों से दोनों टीम के उभरते हुए खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में जगह बनाने की दावेदारी पेश करने का मौका मिलेगा . सीए के क्रिकेट संचालन और कार्यक्रम प्रमुख पीटर रोच ने कहा कि नवीनीकृत ग्रेट बैरियर

रीफ एरेना और एमसीजी में इन ए मैचों की मेजबानी इन 'ए' मैचों को महत्वपूर्ण दर्जा देती है और दोनों टीम के खिलाड़ियों को चयन के लिए दावा मजबूत करने का शानदार अवसर प्रदान करेगी.

भारतीय टीम 17 नवंबर से वाका मैदान पर आपस में टीम बनाकर तीन दिवसीय मैच खेलेगी. भारत ने 2020-21 में अपने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे पर भी ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ मैच खेले थे. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुरुआती टेस्ट 22 नवंबर से पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में होने वाला है. यह 1991-92 सत्र के बाद पहली बार होगा जब इस प्रतिष्ठित श्रृंखला को पांच टेस्ट तक बढ़ाया गया है. भारतीय महिला क्रिकेट टीम भी लगभग उसी समय ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी.

ओलंपिक क्वालीफिकेशन पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने ओलंपिक के लिए योजना बनायी

टीम की योजना अमेरिका के करीब रहने की थी: जैकब

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय धावक अमोज जैकब ने कहा कि पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने अपने समय में सुधार के साथ विश्व एथलेटिक्स रिले से पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने और अमेरिका की मजबूत टीम के समय के करीब रहने की योजना बनायी थी.

मोहम्मद अनस याहिया, मोहम्मद अजमल, अरोकिया राजीव और जैकब की भारतीय पुरुष टीम ने इस महीने की शुरुआत में नासाउ (बहामास) में विश्व एथलेटिक्स रिले में अपनी हीट में दूसरे स्थान पर रहने के बाद पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई किया था. भारतीय चौकड़ी तीन मिनट 23 सेकंड के समय

के साथ अपनी हीट में दूसरे स्थान पर रही. इस हीट को अमेरिका (दो मिनट 59.95 सेकंड) ने जीता था.

जैकब ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) मीडिया से कहा कि हम जानते थे कि हमारी हीट में अमेरिका है और वे ज्यादातर तीन मिनट से कम समय में दौड़ पूरी करते हैं. इसलिए, हमारी योजना उनके करीब रहने की थी, जिससे न केवल हमारे समय में सुधार होगा बल्कि हमें पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई करने में भी मदद मिलेगी. उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य तीन मिनट से तीन मिनट 10 सेकंड के बीच का समय लेने का था ताकि पेरिस ओलंपिक से पहले हमारा आत्मविश्वास ऊंचा रहे. इस रिले रेस के एंकर (आखिरी धावक) जैकब ने अरोकिया से बैटन लिया तो भारतीय टीम तीसरे स्थान पर थी.

दिल्ली के इस खिलाड़ी ने शानदार दौड़ लगाकर मैक्सिको के धावक को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल किया. इससे पहले शुरुआती क्वालीफाइंग हीट के दूसरे चरण के धावक राजेश रमेश के ऐंठन के कारण बीच में ही हटने के कारण भारत दौड़ पूरी करने में विफल रहा था. टीम में इसके बाद रमेश की जगह राजीव को शामिल किया गया और वह दूसरी क्वालीफाइंग हीट में अनस और अजमल के बाद तीसरे चरण में दौड़े. रमेश की गैरमौजूदगी से निपटने के बारे में पूछे जाने पर जैकब ने कहा कि यह आसान था क्योंकि हम एक साथ अभ्यास कर रहे थे. हमने विभिन्न संयोजनों के साथ बैटन बदलने का अभ्यास किया था. उस समय हमारी एकमात्र चिंता यह सुनिश्चित करने की थी कि और कोई चोटिल ना हो. इस 26 साल के खिलाड़ी ने कहा कि प्रतियोगिता से एक महीने पहले बहामास पहुंचने से टीम को परिस्थितियों से अच्छी तरह तालमेल बिठाने में मदद मिली. यह ओलंपिक टिकट हासिल करने में महत्वपूर्ण था.

भारतीय टीम ने दक्षिण एशियाई टीम खिताब का बचाव किया

नयी दिल्ली। भारत की लड़कियों की अंडर-19 टीम ने कैंडी में मेजबान श्रीलंका को फाइनल में 3-0 से हराकर दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अपना खिताब बरकरार रखा. भारत ने इससे पहले नेपाल को सेमीफाइनल में 3-0 से हराया. सोमवार को हुए फाइनल में भारत की सयाली वानी ने बिमांदी बंडारा को 11-6, 12-10, 11-8, प्रिथा वर्तिकर ने तमादी कविंदया को 7-11, 11-3, 11-7, 6-11, 11-8 जबकि तनीषा कोटेचा ने दिव्या धरानी को 11-8, 11-7, 11-7 से हराकर खिताब जीता. अंडर-15 लड़कियों के फाइनल में भी भारतीय टीम ने श्रीलंका को 3-0 से शिकस्त दी, जबकि अंडर-15 लड़कों के फाइनल में भी सार्थक आर्या ने श्रीलंका के खिलाफ अपने दोनों मैच जीतकर भारत की 3-1 से जीत सुनिश्चित की.

हवाईअड्डा नहीं गया क्योंकि लोगों का सामना करने को लेकर नर्वस था: पंत

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने खुलासा किया है कि भयानक दुर्घटना में चोटिल होने के बाद वह हवाई अड्डे में जाने में हिचक रहे थे क्योंकि वह व्हीलचेयर पर बैठकर लोगों का सामना करने को लेकर नर्वस थे. दिसंबर 2022 में दिल्ली देहरादून राजमार्ग पर भयानक कार दुर्घटना में 26 साल के पंत को कई चोटें लगी थीं.

पंत की जान तो बच गई लेकिन उन्हें घुटने का बड़ा ऑपरेशन कराना पड़ा और विस्तृत रिहैबिलिटेशन से गुजरना पड़ा. पंत ने भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन के टॉक शो 'धवन करेंगे' में कहा, 'यह दुर्घटना मेरे लिए जीवन बदलने वाला अनुभव था. इसके बाद

जब मैं होश में आया तो मुझे यह यकीन भी नहीं था कि मैं जिंदा हूं लेकिन भगवान ने मुझे बचा लिया.'उन्होंने कहा कि मैं हवाई अड्डा नहीं गया क्योंकि मैं व्हीलचेयर पर लोगों का सामना करने को लेकर नर्वस था. मैं दो महीने तक अपने दांत भी साफ नहीं कर पाया और छह से सात महीने तक मैंने असहनीय दर्द का सामना किया. आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ने हाल में संपन्न आईपीएल में 14 महीने बाद वापसी की और अच्छी फॉर्म में नजर आए.

ब्रीफ खबरें

भतीजे की बलि देने वाले को उम्रकैद की सजा

भागलपुर । दस वर्षीय बच्चे की बलि देने के मामले में न्यायालय ने चचेरा चाचा और तांत्रिक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है. पीरपैंती निवासी बच्चे के चाचा शिवनंदन रविदास और तांत्रिक विलास मंडल को आजीवन कारावास के साथ 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है. एससी-एसटी एक्ट में विशेष कोर्ट ने सजा सुनाई है. सुनवाई में शामिल स्पेशल पीपी रमेश चौधरी ने बताया कि पीरपैंती के विनोबा टोला निवासी मीना देवी ने बेटे कन्हैया कुमार की हत्या के मामले में केस दर्ज हुआ था.

129 किलो गांजा के साथ दो तस्कर धराये

अररिया । सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 56 वीं बटालियन के कुशमाहा बीओपी के जवानों ने सोमवार देर रात कमांडेंट सुरेंद्र विक्रम के नेतृत्व में छापेमारी कर 129 किलो गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया. भारत-नेपाल सीमा स्तंभ संख्या-177 के नजदीक एसएसबी जवानों ने नेपाल से भारत लाने के क्रम में कार्रवाई करते हुए 129 किलो गांजा के साथ दो तस्करों को धर दबोचा. दबोचे गए तस्करों में एक भारत के और एक नेपाल के हैं. इसी कड़ी में 56 वीं वहिनी के बाह्य सीमा चौकी कुशमाहा क्षेत्र में भारत-नेपाल सीमा स्तंभ संख्या 177 के नजदीक जवानों ने कार्रवाई कर यह सफलता प्राप्त की.

ट्रेन से गिरकर एक व्यक्ति की मौत

किशनगंज । किशनगंज रेलवे स्टेशन से सटे गुंजरिया रेलवे स्टेशन के समीप ट्रेन से गिर कर एक 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत मंगलवार को हो गई. उक्त व्यक्ति ट्रेन में चढ़ने के दौरान पैर फिसलने से गिर गया था, जिससे उसका दोनों पांव कट गया. ट्रेन से गिरते ही व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया. आरपीएफ के जवानों ने उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया. तब तक उसकी मौत हो गई. मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है. मृतक की पहचान नहीं हो पायी है. शव की पहचान के लिए पोस्टमार्टम के बाद शव को 72 घंटे सुरक्षित रखा जाएगा.

पटना विश्वविद्यालय के छात्र की नृशंस हत्या का मामला

मुख्य आरोपी हुआ गिरफ्तार

संवाददाता । पटना

बिहार पुलिस ने मंगलवार को दावा किया कि उसने पटना विश्वविद्यालय के विधि महाविद्यालय परिसर में बी एन कॉलेज के स्नातक अंतिम वर्ष के एक छात्र की नृशंस हत्या के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपी की पहचान पटना कॉलेज के अंतिम वर्ष के छात्र और पटना के बिहटा निवासी चंदन कुमार के रूप में की गई है.

पुलिस ने दावा किया कि पटना कॉलेज के जैक्सन हॉस्टल में रहने वाले चंदन कुमार ने सोमवार को पटना विश्वविद्यालय के बी एन कॉलेज के छात्र हर्ष राज (22) की हत्या की साजिश रची. पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्र ने बताया, चंदन कुमार इस मामले में मुख्य आरोपी है. उससे पूछताछ जारी है. स्नातक अंतिम वर्ष के छात्र हर्ष राज की सोमवार को पटना विश्वविद्यालय के विधि महाविद्यालय परिसर में कुछ अज्ञात लोगों ने कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या कर दी. यह घटना तब हुई थी जब राज दोपहर में अपने परीक्षा केंद्र से बाहर आ रहा था. वह विधि महाविद्यालय परिसर में अपनी स्नातक परीक्षा देने गया था और छात्रों के एक समूह ने उसकी पिटाई कर दी थी. घायल अवस्था में पुलिस उसे अस्पताल ले गई जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.

विद्यार्थियों ने कई स्थानों पर विरोध मार्च निकाला

पटना पुलिस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, वारदात के तुरंत बाद जिला पुलिस ने एक एसआईटी का गठन किया और साजिश रचने वाले चंदन कुमार को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस पूछताछ के दौरान चंदन कुमार ने अपना अपराध कबूल लिया. पूछताछ के दौरान चंदन ने वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान का भी खुलासा किया. पटना पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि घटना किसी पुरानी दुश्मनी के कारण हुई होगी. हालांकि घटना का सही कारण जांच पूरी होने के बाद ही पता चल सकेगा. पुलिस ने अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी शुरू कर दी है. इस घटना से आक्रोशित विद्यार्थियों के कुछ समूहों ने शहर के विभिन्न स्थानों के साथ-साथ पटना विवि के बाहर भी विरोध मार्च निकाला. अधिकारी ने बताया कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए परिसर में बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है.

सड़क हादसे में मदरसा के मौलाना सहित एक छात्र की मौत,चार घायल

अररिया । जिले में नरपतगंज थाना क्षेत्र के नरपतगंज-फारबिसगंज मुख्य फोरलेन सड़क मार्ग में थलहा के समीप ट्रक और ट्रैक्टर के बीच में ई रिक्शा के फंस जाने के कारण ई-रिक्शा पर सवार दो लोगों की मौत हो गई. जबकि हादसे में ई-रिक्शा चालक समय चार अन्य लोग घायल हो गए. सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से नरपतगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया. जहां प्राथमिक इलाज के बाद चारों को फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया गया है. हादसे में ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. मृतकों में एक मदरसा का मौलाना है, जबकि दूसरा मदरसे के 12 साल का एक छात्र है.

हम एनडीए गठबंधन के सहयोगी थे, आगे भी रहेंगे : पशुपति पारस

पटना । राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष पशुपति पारस ने पटना में मंगलवार को मीडिया को संबोधित किया, इस दौरान उन्होंने कहा कि हम लोग एनडीए के वफादार हैं और पीएम मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे. साथ ही दावा किया कि इस बार बिहार में एनडीए गठबंधन पूरी 40 सीटें जीत रही है. पारस ने कहा कि 'हम एनडीए गठबंधन के सहयोगी थे, आज भी हैं और भविष्य में भी रहेंगे. नरेंद्र मोदी हमेशा हमारे नेता थे और भविष्य में भी रहेंगे. हम 48 साल से बिहार में राजनीति कर रहे हैं. ये सही है कि हमारी पार्टी को न्याय नहीं मिला फिर भी हम करते हैं कि हम एनडीए के साथ ही रहेंगे. पीएम मोदी की देश में लहर चल रही है.

नीतीश कुमार भी 'पुत्रमोह' में मारेंगे पलटी

अपने 'श्रवण' को छोड़ बेटे को सौंपेंगे जदयू की जिम्मेवारी

लगातार न्यूज नेटवर्क । पटना

मुख्यमंत्री और जदयू के प्रमुख नीतीश कुमार अपने बेटे निशांत कुमार को राजनीतिक जिम्मेदारी दे सकते हैं. नीतीश की तबीयत बिगड़ने की खबरें आ रही हैं. इससे जदयू के भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं. बिहार में एक वर्ग को लगता है कि जदयू जल्द ही टूट जाएगा और गायब हो जाएगा. इसके बचे हुए लोग अन्य दलों बीजेपी और राजद या अन्य पार्टियों में विलय कर लेंगे. लेकिन ऐसा लगता है कि नीतीश ने पार्टी को बरकरार रखने और सत्ता में बनाए रखने की योजना पर काम किया है. सूत्रों का कहना है कि उन्होंने पहले ही पार्टी के पुनर्गठन की योजना बना ली है.

कौन हैं श्रवण कुमार? : नीतीश पार्टी की कमान अपने भरोसेमंद सिपहसालार श्रवण कुमार को सौंपेंगे. श्रवण कुमार फिलहाल बिहार में ग्रामीण विकास मंत्री हैं और उनके सबसे करीबी सहयोगियों में से एक हैं. श्रवण कुमार के प्रमुख राजनीतिक निर्णयों में शामिल रहते हैं. जनता दल यूनाइटेड जबतक इंडिया गठबंधन का हिस्सा था तब श्रवण कुमार को उत्तर प्रदेश में तैनात किया गया था. यह बताया जा रहा था कि वह वाराणसी लोकसभा क्षेत्र से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे.

नीतीश अपनी यात्रा में कर रहे बेटे को शामिल : राजनीतिक जानकार बता रहे हैं कि श्रवण कुमार की पार्टी अध्यक्ष के रूप में पदोन्नति होगी और उन्हें आगे नीतीश कुमार की जगह निशांत के सलाहकार की भूमिका मिल सकती है. अभी निशांत की उम्र 49 वर्ष है और इंजीनियरिंग से ग्रेजुएट हैं. वह अपने पिता नीतीश कुमार के साथ रहते हैं, लेकिन अब तक उन्होंने राजनीति से दूरी बना रखी है. हालांकि लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान उन्हें हाल ही में अपने पिता के साथ विभिन्न यात्राओं पर देखा गया है. पिता-पुत्र की जोड़ी ने हाल ही में अपने गृह जिले नालंदा का दौरा किया था, जहां उन्होंने एक मंदिर में एक साथ प्रार्थना की और सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रमों में भाग लिया.

क्या फिर से पलटेंगे नीतीश कुमार

नीतीश जो परिवार की राजनीति से अबतक दूर रहे और इसके मुखर विरोधी रहे, अब कैरियर के ढलान पर पुत्र मोह के शिकार होते दिख रहे हैं. जाहिर सी बात है कि अगर निशांत राजनीति में आएंगे तो उनपर विपक्षी दलों के लोग हमला शुरू कर देंगे. नीतीश परिवार को राजनीति में लाने के अपने सिद्धांत से अगर पलटेंगे, तब उनपर एक बार फिर से पलटू राम होने का पुख्ता का प्रमाण मिल जाएगा. उन्होंने हाल ही में परिवारवाद की राजनीति के लिए राजद प्रमुख लालू यादव पर हमला बोला था. उन्होंने कहा था, अपने हटे तो बीबी को सीएम बना दिए. इन्होने नौ बेटा, बेटी पैदा किया, कितना बेटा, बेटी को बना दिया. हम लोग परिवारवाद को बढ़ावा नहीं देते, सब को अपना परिवार मानते हैं.

पवन सिंह व खेसारी लाल यादव को देख बेकाबू हुए समर्थक

चुनावी सभा में भीड़ ने तोड़ी कुर्सियां

संवाददाता । रोहतास

लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान रोहतास में मंगलवार को अपने दो चहेते कलाकारों को देखकर जनता बेकाबू हो गई. मौका था बिक्रमगंज में चुनावी सभा का, जहां एक साथ दिखे दो भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह और खेसारी लाल यादव. दरअसल, बिक्रमगंज के इंटर कॉलेज मैदान में दोनों चुनावी जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे. इस दौरान भीड़ बेकाबू हो गई और सैकड़ों कुर्सियां टूट गईं. भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस को भी काफी मशक्कत करना पड़ा. भीड़ इतनी अधिक हो गई कि लोग बैरिकेडिंग तोड़कर मंच के निकट आ गए. वहीं मंच पर भी काफी भीड़ इकट्ठा हो गई. समर्थकों ने पवन सिंह और खेसारी लाल यादव को चांदी का मुकुट पहनाकर स्वागत किया. वहीं चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे खेसारी लाल यादव ने काराकाट के निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह के लिए वोट मांगा और पवन सिंह को अपना बड़ा भाई बताया. खेसारी ने पवन सिंह के संघर्ष की प्रशंसा की और कहा कि वो शुरू से मददगार रहे हैं.

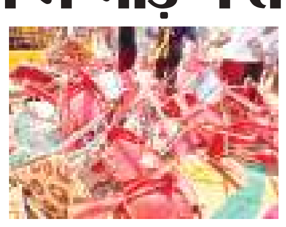

मोदी राज में आतंकवाद का हुआ सफाया : योगी

पटना । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार शाम पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में चुनावी जनसभा के दौरान कहा कि पहले कांग्रेस-राजद के शासनकाल में सुबह की शुरूआत घोटालों से होती थी और शाम होते-होते बड़ी ब्लास्ट की खबर आती थी. आज मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद और नक्सलवाद दोनों का सफाया कर दिया गया है. अब कोई दंगाई बचता नहीं है.

4 जून के बाद 'इंडिया' गठबंधन केंद्र में सरकार बनाएगा : लालू प्रसाद

संवाददाता । पटना

राजद के सुप्रीमो लालू प्रसाद ने मंगलवार को प्रधानमंत्री के परमात्मा द्वारा भेजे जाने संबंधी कथित बयान पर चुटकी ली और दावा किया कि चार जून के बाद 'इंडिया' गठबंधन केंद्र में सरकार बनाएगा. लोकसभा चुनाव के नतीजे चार जून को घोषित किए जाएंगे. लालू ने यहां पत्रकारों से कहा, मोदी अपने को अवतार कहते हैं. वह (मोदी) कहते हैं कि वह जैविक नहीं बल्कि अवतार हैं. यह पूछे जाने पर कि चार जून को क्या होगा, राजद सुप्रीमो ने कहा, सरकार हमलोगों (इंडिया गठबंधन) की बनेगी. इससे पहले दिन में राजद सुप्रीमो ने राजग पर तीसरी बार सत्ता में लौटने पर संविधान को बदलने और आरक्षण समाप्त करने का इरादा रखने का आरोप लगाया. मंगलवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में लालू ने लिखा, हमारे संविधान निर्माता पूजनीय बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर एवं कांशीराम जी का एवं उनके विचारों का ताउम्र तिरस्कार करने वाले भाजपा और भाजपाई संविधान और आरक्षण खत्म करने की बात कर रहे हैं.

कारोबार

हवाई टिकटों के दाम में 9 प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई । भारत में हवाई टिकटों की कीमतें इस साल की पहली तिमाही में औसतन नौ प्रतिशत बढ़ीं. यात्रा की मांग में बढ़ोतरी और मजबूती आर्थिक वृद्धि के चलते ऐसा हुआ. ऑस्ट्रेलिया के शेयर बाजार में सूचीबद्ध एफसीएम ट्रैवल ने यह जानकारी देते हुए कहा कि जनवरी-मार्च में प्रीमियम श्रेणी की टिकटों की बुकिंग में सालाना आधार पर 20 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. इसमें विनिर्माण और आईटी जैसे क्षेत्रों का विशेष योगदान रहा. प्रबंध निदेशक सनी सोढ़ी ने कहा, घरेलू हवाई क्षमता में तीन प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है.

रुपए में पांच पैसे की गिरावट दर्ज की गयी

मुंबई । स्थानीय शेयर बाजार में नकारात्मक रुख और निचले स्तर पर आयातकों की डॉलर मांग के बीच मंगलवार को रुपये ने शुरुआती बढ़त गंवा दी और अंत में यह पांच पैसे की गिरावट के साथ 83.18 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ. विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा, जिससे रुपये ने एक सीमित दायरे में कारोबार किया. हालांकि, अमेरिकी डॉलर के कमजोर रुख ने भारतीय मुद्रा की गिरावट को सीमित कर दिया.

चांदी में 3,100 व सोना 130 रुपये हुआ मजबूत

नयी दिल्ली । मजबूत वैश्विक रुख के अनुरूप राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को चांदी की कीमत 3,100 रुपये के उछाल के साथ 95,950 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि सोना 130 रुपये मजबूत हुआ. एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, लगातार दूसरे दिन चांदी में मजबूती आई. इसकी कीमत 3,100 रुपये के उछाल के साथ करीब दो सप्ताह के उच्चस्तर 95,950 रुपये प्रति किग्रा हो गई. सोमवार को चांदी 92,850 रुपये प्रति किग्रा के स्तर पर बंद हुई थी. इस बीच, सोना 130 रुपये मजबूत होकर 72,950 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया. पिछले सत्र में यह 72,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था.

अडानी ग्रुप यूपीआई लाइसेंस के लिए अप्लाई कर सकता है

ई-कॉमर्स सेक्टर में उतरेगी अडानी ग्रुप

भाषा । नयी दिल्ली

भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी किसी एक कारोबार में टिक कर नहीं रहते हैं. वे एक के बाद जल्द ही दूसरे प्रोजेक्ट में लग जाते हैं. अब खबर है कि अडानी ग्रुप डिजिटल पेमेंट्स और ई-कॉमर्स सेक्टर में उतरने में लगे हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक अडानी ग्रुप यूपीआई लाइसेंस के लिए अप्लाई कर सकता है. साथ ही अडानी ग्रुप की को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने की भी योजना है. इसके लिए उसकी कई बैंकों के साथ बातचीत चल रही है. सूत्रों के मुताबिक ग्रुप ओएनडीसी के जरिए ऑनलाइन शॉपिंग सर्विसेज मुहैया कराने पर भी विचार कर रहा है. अगर यह योजना सफल होती है तो अडानी ग्रुप अपने सुपरऐप अडानी वन के जरिए ये सर्विसेज दे सकता है. वैसे यह ऐप 2022 में लॉन्च किया गया था. इसके जरिए कंपनी फ्लाइट और होटल बुकिंग जैसी सर्विसेज देता है.

अडानी ग्रुप के कंज्यूमर बिजनसेज के सीनियर वाइस-प्रेजिडेंट और चीफ डिजिटल ऑफिसर नितिन सेठी ने दिसंबर 2022 में एक लिंक्डइन पोस्ट में लिखा था कि हमारा सामूहिक प्रयास एक डिजिटल ट्विन बनाने का है जो अंततः हमारे परंपरागत बिजनसेज के समानांतर होगा. पिछला साल अडानी ग्रुप के लिए काफी उथलपुथल भरा रहा था.

जनवरी में हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट से ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई थी. इससे ग्रुप का मार्केट कैप 150 अरब डॉलर से अधिक गिर गया था. लेकिन अब ग्रुप ने काफी हद तक इसकी भरपाई कर ली है. ग्रुप के कई शेयर हिंडनबर्ग रिसर्च से पहले के दौर में पहुंच चुके हैं. गौतम अडानी की नेटवर्थ में इस साल 25 अरब डॉलर की तेजी आई है. वह 109 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 13वें नंबर पर है. रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 114 अरब डॉलर है. इस साल उनकी नेटवर्थ 17.3 अरब डॉलर बढ़ी है. अंबानी और अडानी की नेटवर्थ में अब केवल पांच अरब डॉलर का फासला रह गया है.

डिजिटल पेमेंट्स

- को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने की योजना
- हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से शेयरों में गिरावट आई
- ऑनलाइन शॉपिंग सर्विसेज मुहैया कराएगी

कंपनी को मिली फंड जुटाने की मंजूरी

वहीं अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के बोर्ड ने मंगलवार को ₹16,600 करोड़ जुटाने की मंजूरी दे दी है. बोर्ड ने कंपनी को क्वॉलिफाई इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) या किसी दूसरे माध्यम से फंड जुटाने को मंजूरी दी है. अडानी एंटरप्राइजेज ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसके बारे में जानकारी दी. हालांकि, बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद अब कंपनी को 24 जून को होने वाली एनुअल जनरल मीटिंग में शेयरहोल्डर्स से मंजूरी लेनी होगी. इससे पहले अडानी एंटरप्राइजेज ने पिछली बार मई 2023 में ₹12,500 करोड़ जुटाने के लिए बोर्ड की मंजूरी ली थी, लेकिन फिर फंड नहीं जुटाया था. इसके पहले बीते दिन 27 मई को अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस ने बताया था कि वह क्यूआईपी या किसी दूसरे माध्यम से ₹12,500 करोड़ का फंड जुटाएगी. कंपनी के बोर्ड ने इसके लिए मंजूरी कल ही मंजूरी दे दिया था. इस फंड को भी जुटाने के लिए अंतिम मंजूरी एनुअल जनरल मीटिंग में ली जाएगी. जहां तक अडानी के शेयर की बात है तो अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 6.05 अंक की गिरावट के साथ 3,283 के स्तर पर कारोबार कर रहा है. पिछले 5 दिन में शेयर 5.70% और एक महीने में 6.74% का पॉजिटिव रिटर्न दिया है. वहीं, छह महीने में इसके शेयर में 35.71% और एक साल में 29.79% की तेजी देखने को मिली है. बता दें कि अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड अडानी ग्रुप की कंपनियों का एक हिस्सा है. 1988 में गौतम अडानी ने एंटरप्राजेज की स्थापना की थी.

बंद पड़ी जेट एयरवेज मामले में जेकेसी ने याचिका वापस ली

- शेयर हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए 350 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था

एजेंसी । नयी दिल्ली

बंद पड़ी एयरलाइन जेट एयरवेज के लिए सफल बोलीदाता जालान कलरॉक गठजोड़ (जेकेसी) ने एनसीएलएटी के समक्ष दायर अपनी अर्जी मंगलवार को वापस ले ली. इस याचिका में जेकेसी ने ऋणदाताओं को भुगतान किए गए 200 करोड़ रुपये एक एस्क्रो खाते में स्थानांतरित करने की मांग की गई थी. राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) की तरफ से जेकेसी को कोई राहत देने से इनकार करने के बाद यह याचिका वापस ली गई.

अपीलीय न्यायाधिकरण के चेयरमैन न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यह मामला पहले से ही उच्चतम न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है. इसके बाद मुरारी लाल जालान और फ्लोरियन फ्रिट्च के गठजोड़ ने अपनी अपील वापस ले ली. जेकेसी ने अपनी याचिका में कहा था कि जेट एयरवेज के शेयर उसे जारी नहीं होने तक ऋणदाताओं को जमा किए गए 200 करोड़ रुपये एक ब्याज-युक्त एस्क्रो खाते में स्थानांतरित की जाए. भारी कर्ज संकट में फंसने के बाद जेट एयरवेज ने अप्रैल, 2019 में अपना परिचालन बंद कर दिया था. इसके बाद चली दिवालिया समाधान प्रक्रिया के तहत जेकेसी गठजोड़ विजेता बोलीदाता बनकर उभरा था. हालांकि, एयरलाइन के ऋणदाताओं और गठजोड़ के बीच जारी मतभेदों की वजह से इसके स्वामित्व हस्तांतरण का मामला अभी तक लटका हुआ है.

इस साल की शुरुआत में 12 मार्च को, एनसीएलएटी ने बंद पड़ी विमानन कंपनी जेट एयरवेज की समाधान योजना को बरकरार रखा था और इसके स्वामित्व को जेकेसी को हस्तांतरित करने की मंजूरी दे दी थी. शेयर हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए 350 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था लेकिन जेकेसी ने केवल 200 करोड़ रुपये नकद का ही भुगतान किया था.

बाजार पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी की शुरुआत बढ़त के साथ हुई

बीएसई सेंसेक्स 220.05 अंक की गिरावट के साथ 75,170.45

भाषा । मुंबई

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 220 अंक के नुकसान में रहा. निवेशकों ने लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले बिजली, तेल एवं पूंजीगत वस्तुओं के शेयरों में मुनाफावसूली की.

लाभ और नुकसान के बीच घूमते हुए तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 220.05 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,170.45 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 75,585.40 अंक तक गया जबकि नीचे में 75,083.22 अंक तक आया.

पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी की शुरुआत बढ़त के साथ हुई. इसके बावजूद अंत में यह 44.30 अंक यानी 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,888.15 अंक पर बंद हुआ. विश्लेषकों ने कहा कि चुनावों के नतीजों से पहले अनिश्चितता के बीच शेयर बाजारों में गिरावट पर लिवाली और चढ़ने पर बिकवाली का दौर चल रहा है. सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को कारोबार के दौरान रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे थे. हालांकि, बाद में निवेशकों की मुनाफावसूली से दोनों मानक सूचकांक नुकसान में बंद हुए थे.

सेंसेक्स के शेयरों में पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा बैंक और मारुति प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं. दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, विप्रो, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व और महिंद्रा एंड महिंद्रा शामिल हैं. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि हाल में तेजी के बाद भारतीय बाजार में हल्की गिरावट देखने को मिली है. अनिश्चितता को लेकर उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है, इसका कारण यह है कि चुनाव नतीजों का समय करीब आ रहा है.

विश्लेषकों के अनुसार, मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा जबकि औषधि और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों जैसे सुरक्षित माने जाने वाले शेयरों में तेजी रही. एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने कहा कि निफ्टी में लगातार तीसरे दिन गिरावट आई. चुनावी नतीजे से पहले बाजार में अनिश्चितता बढ़ रही है. छोटी कंपनियों के शेयरों का प्रतिनिधित्व करने वाला स्मॉलकैप सूचकांक 1.09 प्रतिशत नीचे आया.

कोल इंडिया की बीएचईएल के साथ नई इकाई का हुआ गठन

एजेंसी । नयी दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने मंगलवार को कोयला से रसायन कारोबार चलाने के लिए एक अनुषंगी इकाई भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड (बीसीजीसीएल) के गठन की घोषणा की. देश की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक सीआईएल ने बीएसई को दी सूचना में कहा कि नई इकाई में उसकी बहुलांश 51% हिस्सेदारी है जबकि शेष 49 प्रतिशत हिस्सेदारी बीएचईएल के पास है. कोल इंडिया ने कोयला-से-रसायन व्यवसाय शुरू करने के लिए फरवरी में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) के साथ एक संयुक्त उद्यम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे. दोनों कंपनियों के इस संयुक्त उद्यम के गठन के लिए नीति आयोग और निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) की मंजूरी मिल गई है. इसमें कहा गया है कि भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड का गठन कोयला-से-रसायन कारोबार के लिए मध्यवर्ती उत्पादों के रूप में अमोनिया एवं नाइट्रिक एसिड और अंतिम उत्पाद के रूप में अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन करने के लिए किया गया है.

संयुक्त उद्यम समझौते पर दोनों हस्ताक्षर करते हुए

ब्रीफ खबरें

पूर्वी चीन में इमारत ढहने से चार लोगों की मौत

ताइपे (ताइवान)। चीन के एन्हुई प्रांत में एक इमारत के ढहने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गयी. चीनी मीडिया की खबरों से यह जानकारी मिली. सरकार के स्वामित्व वाले प्रसारणकर्ता 'सीसीटीवी' की खबर के मुताबिक, टोंगलिंग शहर में 10 मंजिला इमारत का एक हिस्सा सोमवार दोपहर बाद ढह गया, जिसके नीचे कई लोग दब गये. खबर के मुताबिक, लोगों को बचाने के लिए घंटे भर खोज अभियान चलाया गया. इमारत में 12 वर्षीय बच्ची जिंदा मिली, जिसका उपचार किया जा रहा है.

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में 15 नक्सली गिरफ्तार

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में सुरक्षाबलों ने सात महिलाओं समेत 15 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है तथा उनसे विस्फोटक बरामद किया है. पुलिस अधिकारियों ने बताया जिले के गीदम थाना क्षेत्र में गुमलनार गांव के पास सुरक्षाबलों ने 15 नक्सलियों को गिरफ्तार किया. उन्होंने बताया कि जिले में नक्सल विरोधी अभियान के तहत 25 मई को डीआरजी और बस्तर फाइटर्स दंतेवाड़ा के दल को गुमलनार, मुस्तलनार, गिरसापारा गांवों की ओर रवाना किया गया था.

उत्तर कोरिया रॉकेट में उड़ान के बाद विस्फोट

सियोल। उत्तर कोरिया द्वारा देश के दूसरे जासूसी उपग्रह को अंतरिक्ष में तैनात करने के लिए छोड़े गए रॉकेट में उड़ान भरने के तुरंत बाद विस्फोट हो गया. सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी. यह उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के लिए झटका है जो अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया पर नजर रखने के लिए उपग्रहों को तैनात करने की उम्मीद कर रहे हैं. यह प्रक्षेपण ऐसे वक्त में विफल हुआ है जब दक्षिण कोरिया, चीन और जापान के नेताओं ने चार साल से अधिक समय बाद पहली त्रिपक्षीय बैठक के तहत सियोल में मुलाकात की.

यूपी के पूर्व मंत्री नारद राय भाजपा में जाएंगे

बलिया (उप्र)। उत्तर प्रदेश के पूर्व खेल मंत्री नारद राय ने मंगलवार को 'एक्स' पर अपने बायो में मोदी का परिवार लिखकर भाजपा में जाने का संकेत दिया साथ ही जनता से सपा के चुनाव निशान साइकिल पर ताला लगाने का आह्वान किया. बलिया सदर सीट से दो बार के विधायक और राज्य सरकार में पूर्व मंत्री राय ने सोमवार देर रात 'एक्स' पर लिखा, दुनिया में भारत का डंका बजाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और गृह मंत्री, अमित शाह जी के संकल्प की समाज के अंतिम पंक्ति में बसे गरीब को मजबूत करने वाली सोच और राष्ट्रवादी विचारधारा को मजबूत करूंगा.

गेम जोन का एक और साझेदार गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस ने राजकोट स्थित टीआरपी गेम जोन के एक और साझेदार को गिरफ्तार किया है जहां पिछले सप्ताह आग लगने से 27 लोगों की मौत हो गयी थी. बनासकांठा के पुलिस अधीक्षक अक्षयराज मकवाना ने बताया कि धवल कॉर्पोरेशन के मालिक धवल ठक्कर को पड़ोसी राजस्थान के आबू रोड से गिरफ्तार कर लिया गया है. वह रेसवे इंटरप्राइज के पांच साझेदारों के साथ मिलकर टीआरपी गेम जोन चलाता था. इसके साथ ही शनिवार को हुई इस घटना में अभी तक चार को गिरफ्तार किया गया है.

राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने बांसगांव में संयुक्त रैली को किया संबोधित, बोले-

आरक्षण को 50% से आगे बढ़ाएगी 'इंडिया' गठबंधन की सरकार

एजेंसी। गोरखपुर (उप्र)

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा पर दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों का आरक्षण खत्म करने का इरादा रखने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया)' सत्ता में आया तो आरक्षण की सीमा को 50 प्रतिशत से आगे बढ़ाया जाएगा. राहुल ने बांसगांव में 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगी समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ संयुक्त रैली में भाजपा पर संविधान को बदलने और आरक्षण को खत्म करने की तैयारी का आरोप लगाते हुए कहा, आज भाजपा के लोग कहते हैं कि हम आंबेडकर जी के काम को, उनके सपने को फाड़ कर फेंक देंगे. मैं कहता हूं कि आंबेडकर जी के संविधान को, गांधी जी और नेहरू जी के संविधान को कोई शक्ति फाड़ नहीं सकती.

उन्होंने कहा, मैं हिंदुस्तान के सभी लोगों से कहना चाहता हूं कि इंडिया गठबंधन दिल से, जान से, खून से संविधान की रक्षा करेगा. हम एक इंच पीछे नहीं हटेंगे. मर जाएंगे, कट जाएंगे लेकिन संविधान को हम नहीं बदलने देंगे. राहुल ने कहा, भाजपा कहती है कि दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को आरक्षण नहीं मिलना चाहिए. वह आरक्षण को खत्म करना चाहते है. मैं उन्हें संदेश देना चाहता हूं कि आप संविधान को खत्म नहीं कर पायेंगे. उल्टा हम आरक्षण को 50 प्रतिशत से आगे बढ़ाकर ले जाएंगे.

राहुल बोले- कांग्रेस की सरकार जिस प्रदेश में हो वहां यह काम करके दिखाया है

परमात्मा ने उनको अडाणी जी की मदद के लिए भेजा है

कांग्रेस सांसद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'बायोलॉजिकल' वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा, नरेंद्र मोदी कहते हैं कि परमात्मा ने उन्हें हिंदुस्तान भेजा है. मगर (परमात्मा ने) उनको अडाणी जी की मदद करने के लिए भेजा है, अंबानी जी की मदद करने के लिए भेजा है. परमात्मा ने उन्हें किसानों और मजदूरों की मदद करने के लिए नहीं भेजा है. (परमात्मा ने उन्हें) जातिवार जनगणना करवाने के लिए नहीं भेजा. यह अजीब सी बात है. अगर सचमुच में परमात्मा ने (सीधे दुनिया में) भेजा होता तो परमात्मा कहते कि तुम हिंदुस्तान के सबसे कमजोर लोगों की मदद करो, कमजोरों, किसानों, मजदूरों और गरीबों की मदद करो. उन्होंने कहा, नरेन्द्र मोदी जी के परमात्मा ने उनसे कहा है कि मोदी, तुम अडाणी की मदद करो, हिंदुस्तान के सारे के सारे हवाई अड्डे अडाणी को दे दो, हिंदुस्तान के विद्युत संयंत्र अडाणी को दे दो, रेलवे अडाणी को दे दो, अंबानी-अडाणी का 16 लाख करोड़ रुपए कर्ज माफ करो. यह कैसे परमात्मा हैं. यह नरेन्द्र मोदी जी वाले परमात्मा हैं.

उन्होंने कहा, आज आरक्षण को 50 प्रतिशत तक की सीमा पर रखा गया है. इंडिया गठबंधन ने अपने घोषणा पत्र में साफ लिखा है कि हमारी सरकार आएगी तो इस 50 प्रतिशत तक की सीमा को हम हटा देंगे और उसे 50 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा देंगे. जहां भी कांग्रेस की सरकार आई है, चाहे छत्तीसगढ़ हो, मध्य प्रदेश हो, हमने यह काम करके दिखाया है और पूरे हिंदुस्तान में हम यह काम करके दिखा देंगे. पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, यह लोकसभा चुनाव विचारधाराओं की लड़ाई है. एक तरफ इंडिया गठबंधन और संविधान है और दूसरी तरफ वे लोग हैं जो इस संविधान को रद्द करना चाहते हैं. भाजपा के नेताओं ने खुलकर कहा है कि हमारी सरकार आएगी तो हम संविधान को खत्म कर देंगे. मैं उन्हें कहना चाहता हूं कि आपकी सरकार नहीं आएगी. राहुल ने केंद्र सरकार की अग्निवीर योजना का जिक्र करते हुए तल्ख टिप्पणी की.

मेजर राधिका सेन को संरा ने सैन्य पुरस्कार से किया सम्मानित

संयुक्त राष्ट्र। कांगो में संयुक्त राष्ट्र मिशन में सेवा दे चुकी भारतीय महिला शांति रक्षक मेजर राधिका सेन को एक प्रतिष्ठित सैन्य पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा. संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने उन्हें सच्चा नेता और आदर्श बताया. कांगो गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थिरीकरण मिशन में सेवा दे चुकीं मेजर सेन को 30 मई को अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस के मौके पर यहां विश्व निकाय के मुख्यालय में गुतारेस द्वारा प्रतिष्ठित '2023 यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड' प्रदान किया जाएगा. संयुक्त राष्ट्र की ओर से प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेजर सेन भारतीय त्वरित तैनाती बटालियन की कमांडर के तौर पर मार्च 2023 से अप्रैल 2024 तक कांगो गणराज्य के पूर्व में तैनात थीं. हिमाचल प्रदेश में 1993 को जन्मी मेजर सेन आठ साल पहले भारतीय सेना में भर्ती हुईं.

मिजोरम में चक्रवाती तूफान रेमल ने ढाया कहर

बारिश के दौरान पत्थर की खदान ढहने से 17 की मौत, कई लापता

एजेंसी। आइजोल

मिजोरम के आइजोल जिले में पत्थर की एक खदान ढह जाने से 17 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग लापता हो गए. पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी. पुलिस के मुताबिक, चक्रवाती तूफान 'रेमल' के प्रभाव से लगातार हो रही बारिश के बीच इलाके में मंगलवार को सुबह यह हादसा हुआ. पुलिस ने बताया कि घटना आइजोल शहर के दक्षिणी, बाहरी हिस्से में स्थित मेल्थम और ह्रिमेन के बीच के इलाके में सुबह करीब छह बजे हुई.

आइजोल की उपायुक्त नाजुक कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अब तक 12 शवों को बरामद किया गया है जबकि कई अन्य लोग मलबे में फंसे हुए हैं. उन्होंने बताया, हम और शवों की तलाश कर रहे हैं. जब तक पूरे घटनास्थल को साफ नहीं कर दिया जाता, तब तक अभियान जारी रहेगा. पुलिस महानिदेशक अनिल शुक्ला ने बताया कि भारी बारिश के कारण घटनास्थल पर बचाव अभियान प्रभावित हो रहा है. उन्होंने बताया कि बारिश के कारण राज्य में कई स्थानों पर भूस्खलन भी हुआ है और कम से कम दो लोग पानी के तेज बहाव में बह गये. पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पत्थर की खदान ढहने से जान गंवाने वाले लोगों में चार वर्ष का एक लड़का और छह साल की लड़की भी शामिल है.

तीन लोग अभी भी लापता हैं, तलाश जारी

उन्होंने बताया, हमने घटनास्थल से दो लोगों को जीवित बाहर निकाला है. एक अधिकारी ने बताया कि आइजोल के सेलम वेंग में भूस्खलन से एक इमारत ढह जाने के बाद तीन लोग लापता हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है. उन्होंने बताया कि हुनथर में राष्ट्रीय राजमार्ग छह पर भूस्खलन के कारण आइजोल का संपर्क देश के बाकी हिस्सों से टूट गया है. अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा कई अंतर-राज्य राजमार्ग भी भूस्खलन से प्रभावित हुए हैं. उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने खदान ढहने सहित बारिश के कारण हुई घटनाओं में मारे गए लोगों के परिवारों को चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की. उन्होंने खदान के ढहने की घटना में मारे गए मिजोरम के आठ लोगों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये के चेक सौंपे और कहा कि शेष राशि उन्हें जल्द ही दी जाएगी. राज्य सरकार में गृह मंत्री के. सपडांगा ने बताया, गैर-आदिवासी चार लोगों की पहचान सत्यापित की जा रही है. अगर वे मिजोरम के स्थायी निवासी पाये जाते हैं तो उन्हें अनुग्रह राशि दी जाएगी. अगर वे अस्थायी रूप से यहां काम करने आए थे तो उन्हें कोई वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी.

केरल में जनजीवन अस्त-व्यस्त, कोच्चि की सड़कें जलमग्न

तिरुवनंतपुरम। मंगलवार को केरल के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ लगातार बारिश हुई, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया. सुबह से लगातार हो रही बारिश के कारण कोच्चि और आस-पास के इलाकों में कई संकरी गलियां और व्यस्त सड़कें जलमग्न हो गई. सड़कों पर पानी भर जाने के कारण शहर के कई इलाकों में लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकल सके. बारिश के बाद राजमार्गों पर वाहन बहुत धीमी गति से चलते दिखे. कई नदियां उफान पर आ गयी है.

महाराष्ट्र परिषद चुनाव अकेले लड़ेगी 'मनसे'

ठाणे। लोकसभा चुनाव में महायुति गठबंधन का समर्थन करने वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने कोंकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए, आगामी विधान परिषद चुनाव अकेले लड़ने का फैसला किया है. पार्टी ने राज्य से संबंधित मुद्दों का हवाला देते हुए यह फैसला किया है. पार्टी के एक नेता ने मंगलवार को यह जानकारी दी. मनसे ने 26 जून को होने वाले विधान परिषद चुनाव के लिए कोंकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से फिल्म निर्देशक अभिजीत पानसे को उम्मीदवार बनाए, जाने की सोमवार को घोषणा की थी. वर्तमान में इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व भाजपा के निरंजन देवखारे कर रहे हैं. मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने लोकसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र में भाजपा, शिवसेना और राकांपा बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की थी.

सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका का मामला

अदालत ने ईडी से मांगा जवाब

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने धन शोधन के एक मामले में जमानत (डिफॉल्ट बेल) देने का अनुरोध करने वाली, जेल में बंद पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की याचिका पर मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब देने के लिए कहा. न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने ईडी को नोटिस जारी किया और उसे मामले पर एक स्थिति रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा.

अदालत ने जेल प्राधिकारियों से जैन का रिकॉर्ड भी मांगा और मामले पर अगली सुनवाई के लिए नौ जुलाई की तारीख तय की. जैन पर कथित तौर पर उनसे जुड़ी चार कंपनियों के जरिए धन शोधन करने का आरोप है. उन्होंने निचली अदालत के 15 मई के आदेश को चुनौती दी है जिसमें उन्हें

मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया गया था. जैन ने दलील दी है कि ईडी वैधानिक अवधि के भीतर सभी मामलों में जांच पूरी करने में नाकाम रही है और उन्हें दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 167 (2) के प्रावधानों के तहत 'डिफॉल्ट बेल' के उनके अधिकार से वंचित करने के प्रयास के तहत अधूरा आरोपपत्र दाखिल की गयी है जो पूरी नहीं है. ईडी ने भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत 2017 में जैन के खिलाफ सीबीआई की प्राथमिकी के आधार पर उन्हें गिरफ्तार किया था.

चार जून के बाद पटनायक हो जाएंगे ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री : अमित शाह

एजेंसी। भद्रक (ओडिशा)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नवीन पटनायक चार जून के बाद ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री हो जाएंगे. उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा 147 सदस्यीय विधानसभा में 75 से अधिक सीट हासिल कर राज्य में अगली सरकार बनाएगी.

शाह ने भद्रक लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत चांदबाली में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह भी दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ओडिशा की 21 लोकसभा सीट में से 17 सीट पर जीत हासिल करेगी. उन्होंने कहा, चार जून को

नवीन बाबू मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे, वह पूर्व मुख्यमंत्री बन जाएंगे...भाजपा ओडिशा में 17 लोकसभा सीट और 75 विधानसभा सीट पर जीत दर्ज करेगी.

भाजपा यह सुनिश्चित करेगी कि अगला मुख्यमंत्री उड़िया भाषा में पारंगत हो और राज्य की भाषा, संस्कृति तथा परंपरा को समझता हो. स्पष्ट रूप से पटनायक के करीबी सहयोगी एवं बीजद के नेता वी के पांडियन के संदर्भ में शाह ने कहा, क्या 'तमिल बाबू' को पर्दे के पीछे से सरकार चलानी चाहिए... कमल के निशान पर अपना वोट देकर एक अधिकारी की जगह राज्य पर शासन करने के लिए एक 'जनसेवक' को लाएं. यह उल्लेख करते हुए कि ओडिशा के लाखों युवा काम की तलाश में दूसरे राज्यों की ओर पलायन कर रहे हैं, गृह मंत्री ने कहा, एक बार जब भाजपा ओडिशा में सरकार बनाएगी, तो हम उद्योग स्थापित करेंगे ताकि युवाओं को कहीं और नौकरियों की तलाश न करनी पड़े.

संदेशखाली : शाहजहां शेख के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

नयी दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पांच जनवरी को संदेशखाली में ईडी की टीम पर हुए हमले के सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित नेता शाहजहां शेख और छह अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है. अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि एजेंसी ने सोमवार को एक विशेष अदालत के समक्ष मामले में अपना पहला आरोपपत्र दाखिल किया. पश्चिम बंगाल में ईडी की टीम पर 1,000 लोगों की भीड़ ने हमला कर दिया था. यह हमला उस समय किया गया जब करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में टीम शेख के घर छापेमारी करने गई थी.

पंजाब और हरियाणा उच्च न्या. ने दिया फैसला

पूर्व प्रबंधक की हत्या मामले में राम रहीम को बरी किया

एजेंसी। चंडीगढ़

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को उसके पूर्व प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के मामले में मंगलवार को बरी कर दिया. सिरसा में स्थित डेरा का प्रमुख अभी रोहतक की सुनारिया जेल में बंद है. वह अपनी दो शिष्याओं से दुष्कर्म के जुर्म में 20 साल की जेल की सजा काट रहा है. डेरा प्रमुख के वकील जितेंद्र खुराना ने कहा, उच्च न्यायालय ने रंजीत सिंह हत्या मामले में उनके मुवक्किल को बरी कर दिया है. केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई)

की एक विशेष अदालत ने 2021 में राम रहीम और चार अन्य को 19 साल पुराने रंजीत सिंह हत्या मामले में उम्रकैद की सजा सुनायी थी. पूर्व डेरा प्रबंधक रंजीत सिंह की हरियाणा के कुरुक्षेत्र में 10 जुलाई 2002 को गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी. उसकी एक अज्ञात पत्र प्रसारित करने में संदिग्ध रूप से शामिल होने को लेकर हत्या कर दी गयी थी.

इंडिगो में बम होने की सूचना अफवाह निकली

नयी दिल्ली। दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मंगलवार को सुबह वाराणसी के लिए उड़ान भरने को तैयार 'इंडिगो' के एक विमान में बम होने की धमकी मिली लेकिन विमान की तलाशी लिए जाने के बाद यह सूचना अफवाह निकली. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बम होने की धमकी मिलने के बाद प्राधिकारियों ने विमान में सवार चालक दल के सभी कर्मियों एवं 176 यात्रियों को बाहर निकालकर तलाशी अभियान शुरू किया. इंडिगो के एक प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि यात्रियों को एक अन्य विमान से वाराणसी ले जाए जाने की व्यवस्था की गई. इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा, सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन किया गया.

केजरीवाल की जमानत अवधि बढ़ाने के संबंध में

याचिका सूचीबद्ध प्रधान न्यायाधीश करेंगे : उच्चतम न्यायालय

एजेंसी। नयी दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने का अनुरोध करने वाली याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने के संबंध में कोई भी फैसला प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) लेंगे क्योंकि मुख्य मामले पर फैसला पहले से सुरक्षित है. केजरीवाल ने उनका वजन अचानक छह से सात किलोग्राम कम हो जाने के कारण कई चिकित्सकीय जांच कराने के लिए उच्चतम न्यायालय से अंतरिम जमानत की अवधि सात दिन बढ़ाने का अनुरोध किया है. न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की अवकाश पीठ ने केजरीवाल की अंतरिम याचिका को स्वयं सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से पूछा कि याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने के लिए पिछले सप्ताह तब क्यों इसका उल्लेख नहीं किया गया, जब मुख्यमंत्री को अंतरिम जमानत देने वाली पीठ में शामिल न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता अवकाश पीठ में बैठे थे. मुख्यमंत्री को अंतरिम जमानत देने वाली पीठ की अध्यक्षता न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने की थी.

उमर खालिद को दिल्ली कोर्ट से जमानत याचिका खारिज की गयी

नयी दिल्ली। करीब चार साल से जेल में बंद उमर खालिद को एक बार फिर दिल्ली की अदालत से राहत नहीं मिली है. कड़कड़डूमा कोर्ट ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया है. उन पर दिल्ली सांप्रदायिक दंगा मामले में बड़ी साजिश रचने का आरोप है और सितंबर 2020 से जेल में हैं. उमर खालिद ने अपनी जमानत के लिए एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की थी, लेकिन बाद में अपनी याचिका वापस ले ली थी. इसके बाद वह जमानत के लिए कड़कड़डूमा कोर्ट पहुंचे थे, जहां अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया. ट्रायल कोर्ट में जमानत याचिका देरी और अन्य आरोपी के साथ समानता के आधार पर दायर की गई थी.

किया दावा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर किया पोस्ट, लिखा

अग्निपथ योजना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

- अग्निपथ ने भर्ती की संख्या को 75,000 प्रति वर्ष से घटाकर 46,000 प्रति वर्ष कर दिया है?

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि सेना में भर्ती की 'अग्निपथ' योजना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है. पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक खबर का हवाला देते हुए सवाल भी किया कि क्या ये सच नहीं है कि अग्निपथ योजना के तहत भर्ती की संख्या को 75,000 प्रति वर्ष से घटाकर 46,000 प्रति वर्ष कर दिया गया है? खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार द्वारा अग्निवीर (अग्निपथ) योजना थोपने से भारत

की राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ हुआ है. उन्होंने सवाल किया, क्या ये सच नहीं है कि अग्निपथ ने भर्ती की संख्या को 75,000 प्रति वर्ष से घटाकर 46,000 प्रति वर्ष कर दिया है? क्या ये सच नहीं है कि देश के रक्षा मंत्री को बार-बार दोहराना पड़ रहा है कि वे अग्निवीर योजना पर पुनः विचार करेंगे, बदलाव करेंगे, सुधार करेंगे? क्या ये सच नहीं है कि सैन्य मामलों का विभाग (डीएमए) व सेना नए सैनिकों की भर्ती में लगातार हो रही कमी से चिंतित है जो इस दशक के अंत तक सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचने वाली है? कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, एक तरफ देश की सीमाओं पर चीनी घुसपैठ, कब्जा और अतिक्रमण हो रहा है, जिससे निपटने के लिए अधिक सैन्य बल चाहिए, दूसरी ओर मोदी सरकार ने अग्निवीर से हमारे देशभक्त युवाओं का जीवन तबाह करने का काम किया है. उन्होंने कहा, कांग्रेस की गारंटी है - हम अग्निवीर योजना रद्द करेंगे. तभी हमारे देशभक्त युवाओं को न्याय मिलेगा.

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश से किया दावा

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि अग्निपथ योजना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है. उन्होंने कहा, भारतीय सशस्त्र बलों को चीनी आक्रमण से बचाने और उनका मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूर्वी लद्दाख में बड़े पैमाने पर जवानों की तैनाती लगातार बनाए रखने की आवश्यकता है. रमेश ने कहा, अग्निपथ ने भर्ती की संख्या को 75,000 प्रति वर्ष से घटाकर 46,000 प्रति वर्ष कर दिया है. इसके परिणामस्वरूप सेवा दे रहे जवानों की संख्या में कमी आएगी, जिससे अगले दशक में हमारी सुरक्षा से समझौता हो सकता है.

कांग्रेस महासचिव ने कहा, एक बात और है. मात्र छह महीने के प्रशिक्षण के बाद अग्निवीरों को युद्ध के लिए तैयार मान लिया जाता है. यह उस नीति का परिणाम है जो मोदी सरकार ने बिना परामर्श के और तीनों सेना प्रमुखों के विरोध के बावजूद बिना सोचे-समझे बनाई.

नवाज शरीफ का पीएमएल-एन अध्यक्ष चुना जाना तय

लाहौर। पाकिस्तान के तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके नवाज शरीफ मंगलवार को फिर से पीएमएल-एन दल का अध्यक्ष चुना जाना तय है. पनामा पेपर मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद छह साल पहले उन्हें यह पद गंवाना पड़ा था. डॉन अखबार की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि एक स्थानीय होटल में जनरल काउंसिल की बैठक होने वाली है. ब्रिटेन में चार साल के निर्वासन के बाद पिछले साल अक्टूबर में पाकिस्तान लौटे 74 वर्षीय नवाज के निर्विरोध चुने जाने की संभावना है. रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएमएल-एन ने पहले 11 मई को जनरल काउंसिल की बैठक बुलाने की घोषणा की थी, लेकिन पाकिस्तान के परमाणु शक्ति बनने के 26 साल पूरे होने के जश्न के मौके पर इसे स्थगित कर दिया गया.

आप नेता आतिशी को कोर्ट ने भेजा समन

29 जून को पेशी के लिए बुलाया

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली भाजपा के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर द्वारा दायर मानहानि मामले में दिल्ली की मंत्री और आप नेता आतिशी को तलब किया है. आतिशी को 29 जून को कोर्ट में पेश होने के लिए कहा गया है. कोर्ट ने आतिशी के उन आरोपों पर संज्ञान लिया है जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा ने आप विधायकों को रिश्वत देने और खरीद-फरोख्त करने का प्रयास किया. इसके बाद भाजपा नेता प्रवीण शंकर कपूर ने आतिशी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था.

प्रवीण शंकर कपूर ने मानहानि मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का भी नाम लिया

था. भाजपा नेता ने दावा किया कि इस तरह के आरोपों से उनकी और उनकी पार्टी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है. इन आरोपों पर संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने आतिशी को आरोपी के तौर पर चिन्हित किया और उन्हें 29 जून को पेश होने का आदेश दिया. कहा कि भाजपा नेता ने 30 अप्रैल को मानहानि का मामला दायर किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आप नेता अपने गलत दावों को साबित करने के लिए कोई भी सबूत पेश करने में विफल रहे.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)